मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	39.8	32.6
जमशेदपुर	40.0	29.7
डालटनगंज	42.8	29.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 20 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 72 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

▪ वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट प्लान का किया उल्लंघन, वन विभाग को प्लान ही जमा नहीं किया ▪ धूल-कण, नाइट्रिक ऑक्साइड और सोडियम डायऑक्साइड से प्रदूषित हो रहा इलाका

नरसिंह इस्पात सबसे ज्यादा प्रदूषित इंडस्ट्री, एलिफैंट कॉरिडोर पर भी कब्जा

रवि भारती। रांची

राज्य सरकार एक तरफ इको सिस्टम बहाल करने में लगी है, वहीं दूसरी ओर राज्य में स्थापित उद्योग सिस्टम के नियमों का उल्लंघन करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे. झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नरसिंह इस्पात को सबसे अधिक प्रदूषित बताया है या यों कहें, सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलानेवाला उद्योग घोषित किया है. सरायकेला-खरसावां जिला के चौका में सबसे प्रदूषित उद्योग में शामिल नरसिंह इस्पात ने वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट प्लान के नियमों का उल्लंघन किया है. इस कंपनी ने अबतक वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट प्लान वन विभाग को नहीं सौंपा है. नियम यह है कि पर्यावरण स्वीकृति के साथ ही वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट प्लान सौंपा जाना अनिवार्य है.

नरसिंह इस्पात का एलिफैंट कॉरिडोर पर कब्जा : नरसिंह इस्पात ने एलिफैंट कॉरिडोर पर भी कब्जा जमा रखा है. एलिफैंट कॉरिडोर के लिए जीआइएस मैपिंग भी की गई है. इसके तहत राज्य के अंदर पूर्वी सिंहभूम, प सिंहभूम, गिरिडीह और दुमका में कॉरिडोर विकसित करना है. वहीं अंतरराज्यीय कॉरिडोर ओडिशा-चाईबासा, ओडिशा- सारंडा, पूर्णिया-दलमा और सरायकेला-बंगाल में बनाया जाना है. लेकिन सरायकेला में कॉरिडोर पर नरसिंह इस्पात का कब्जा है.

नरसिंह इस्पात पर कार्रवाई की तैयारी में बोर्ड

झारखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सरायकेला-खरसावां जिला के चौका में संचालित नरसिंह इस्पात को सबसे ज्यादा प्रदूषित कंपनी बताते हुए कहा कि इससे पूरे इलाके में तेजी से प्रदूषण फैल रहा है. कंपनी द्वारा प्रदूषण फैलाने के बावजूद कन्सेंट टू ऑपरेट (सीटीओ) दिया गया है. अब बोर्ड ने नरसिंह इस्पात कंपनी पर सख्त कार्रवाई की तैयारी की है.

- पूर्णिया-दलमा, सरायकेला- बंगाल में विकसित होनेवाले इंटर स्टेट कॉरिडोर पर कब्जा
- प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नरसिंह इस्पात को सबसे प्रदूषित इंडस्ट्री घोषित किया है

कंपनी के आस-पास का इलाका प्रदूषण की चपेट में

नरसिंह इस्पात कंपनी के संचालन में चार मेगावाट बिजली की खपत होती है. कंपनी में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की गाइडलाइन का पालन भी नहीं हो रहा है. गाइडलाइन के अनुसार, राख का डिस्पोजल सही तरीके से करने का निर्देश दिया गया था. बोर्ड ने कहा था कि डिस्पोजल ऐश में होना चाहिए. इसका भी अनुपालन नहीं किया जा रहा है. नरसिंह इस्पात से धूल-कण, नाइट्रिक ऑक्साइड और सोडियम डायऑक्साइड का मानक से अधिक फैलाव हो रहा है. कंपनी सबसे ज्यादा प्रदूषण फैला रही है.

सरायकेला-खरसावां सहित चार जिलों की स्थिति गंभीर

प्रदूषण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, नरसिंह इस्पात की वजह से सरायकेला-खरसांवा की स्थिति काफी गंभीर है. इसका मुख्य कारण कंपनी से निकल रहे अवयवों को बताया है. यहा प्रदूषण का इंडेक्स 70 डेसीबल पार कर चुका है.

ऐसे बढ़ रहा है प्रदूषण

- **कार्बन डायऑक्साइड :** 40 से 50 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर (मानक 80माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर)
- **सल्फर डायऑक्साइड :** 60 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर (मानक : 80माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर)
- **कार्बन मोनोऑक्साइड :** 1000 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर (मानक : 2000माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर)
- **पार्टिकुलेट मैटर (धूलकण सहित अन्य धातु) :** 80-110 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर (मानक : 100 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर)

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,600
चांदी (किलो)	94,000

ब्रीफ खबरें

केंद्रीय वित्त मंत्री ने की बजट पूर्व चर्चा

नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी 3.0 सरकार के पहले आम बजट की तैयारी को लेकर बुधवार को प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ बजट-पूर्व चर्चा की. बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव और आर्थिक मामलों, राजस्व, वित्तीय सेवाओं और कॉर्पोरेट मामलों के विभागों के सचिवों के साथ-साथ भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार मौजूद थे.

बारामूला में मुठभेड़ दो आतंकवादी ढेर

जम्मू कश्मीर। बारामूला में बुधवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये, जबकि दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए. पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खबर मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने रविवार रात जिले के वाटरगाम इलाके में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था.

धान का एमएसपी 117 रुपये बढ़ाया

नयी दिल्ली। सरकार ने बुधवार को खरीफ विपणन सत्र 2024-25 के लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 5.35 प्रतिशत बढ़ा कर 2,300 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया. एमएसपी वृद्धि की घोषणा करते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मंत्रिमंडल ने 14 खरीफ (ग्रीष्मकालीन) फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों को मंजूरी दी है.

चंपाई कैबिनेट की बैठक में कुल 33 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

झारखंड में जातिगत जनगणना

कैबिनेट के फैसले

विशेष संवाददाता। रांची

बिहार की तर्ज पर झारखंड में भी जातिगत जनगणना होगी. झारखंड में इंडिया गठबंधन की अगुवाई वाले चंपाई सोरेन सरकार ने इसकी मंजूरी प्रदान कर दी है. यह जिम्मा कार्मिक, प्रशासनिक विभाग को दिया गया है. पहले यह तय नहीं हो पा रहा था कि जातिगत जनगणना कौन विभाग कराएगा? मगर सरकार ने इसकी जिम्मेवारी तय कर दी है. अब जातिगत गणना का रास्ता साफ हो गया है.

इससे जुड़े प्रस्ताव को बुधवार को चंपाई सोरेन सरकार ने मंजूरी प्रदान की. इसके अतिरिक्त चंपाई सोरेन सरकार ने झारखंड के विधायकों, विधानसभा अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, सचेतक और नेता विरोधी दल के वेतन एवं भत्ता में एक से डेढ़ लाख तक की वृद्धि किया है. इसी तरह मुख्यमंत्री, मंत्री, राज्यमंत्री के वेतन व अन्य मदों में वृद्धि की गयी है. इससे जुड़े प्रस्ताव पर भी बुधवार को कैबिनेट की बैठक में मंजूरी प्रदान कर दी गयी है. कैबिनेट की बैठक में कुल 33 प्रस्तावों को स्वीकृत किया गया है.

मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री, विधायक, विस अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का वेतन बढ़ा

मुख्यमंत्री और मंत्रियों का वेतन व अन्य भत्ता

मद	वर्तमान राशि	प्रस्तावित राशि
वेतन (मुख्यमंत्री)	80,000 रुपये प्रतिमाह	1,00,000 रुपये प्रतिमाह
वेतन (मंत्री)	65,000 रुपये प्रतिमाह	85,000 रुपये प्रतिमाह
प्रभारी भत्ता (राज्य के अंदर)	2,000 रुपये	3,000 रुपये
प्रभारी भत्ता (राज्य के बाहर)	2,500 रुपये	4,000 रुपये
क्षेत्रीय भत्ता	80,000 रुपये प्रतिमाह	95,000 रुपये प्रतिमाह
सत्कार भत्ता (मुख्यमंत्री)	60,000 रुपये प्रतिमाह	70,000 रुपये प्रतिमाह
सत्कार भत्ता (मंत्री)	45,000 रुपये प्रतिमाह	55,000 रुपये प्रतिमाह
आवास लोन (4% वार्षिक ब्याज)	40,00,000 रुपये	60,00,000 रुपये

विधायकों का वेतन एवं भत्ता का लाभ इस तरह मिलेगा

मद	वर्तमान राशि	प्रस्तावित राशि
वेतन	40,000 रुपये प्रतिमाह	60,000 रुपये प्रतिमाह
क्षेत्रीय भत्ता	65,000 रुपये प्रतिमाह	80,000 रुपये प्रतिमाह
सत्कार भत्ता	30,000 रुपये प्रतिमाह	40,000 रुपये प्रतिमाह
दैनिक भत्ता (राज्य के अंदर)	2,000 रुपये	3,000 रुपये
दैनिक भत्ता (राज्य के बाहर)	2,500 रुपये	4,000 रुपये
निजी सहायक	35,000 रुपये प्रतिमाह	50,000 रुपये प्रतिमाह
अनुसेवक	25,000 रुपये प्रतिमाह	30,000 रुपये प्रतिमाह
कंप्यूटर, लैपटॉप व प्रिंटर	70,000 रुपये	एक लाख रुपये
सवारी भत्ता	3,000 रुपये प्रतिमाह	5,000 रुपये प्रतिमाह
समाचार पत्र-पत्रिका	2,000 रुपये प्रतिमाह	3,000 रुपये प्रतिमाह
होम लोन (4% वार्षिक ब्याज)	40,00,000 रुपये	60,00,000 रुपये
पेंशन	40,000 रुपये प्रतिमाह	50,000 रुपये प्रतिमाह
पेंशन में वार्षिक वृद्धि	4,000 रुपये प्रतिमाह	5,000 रुपये प्रतिमाह
निजी परिसहाय -	पूर्व विधायक को एक निजी परिसहाय के लिए 15,000 रुपये प्रतिमाह	

सचेतक का वेतन व अन्य भत्ता

- **वेतन-** मुख्य सचेतक को 75,000 रुपये प्रतिमाह, उप सचेतक को 70,000 रुपये प्रतिमाह और सचेतक को 60,000 रुपये प्रतिमाह मिलेगा.
- **सत्कार भत्ता 55,000 रुपये, क्षेत्रीय भत्ता 65,000 रुपये, प्रभारी भत्ता 3,000 रुपये राज्य के अंदर और 4,000 रुपये राज्य के बाहर मिलेगा.**
- कंप्यूटर की सुविधा 1,00,000 रुपये तक और होम लोन की सुविधा 60 लाख रुपये तक चार प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर पर मिलेगी.

नेता विरोधी दल का वेतन व भत्ता

- **वेतन-** 85,000 रुपये प्रतिमाह, क्षेत्रीय भत्ता- 95,000 रुपये प्रतिमाह, सत्कार भत्ता- 55,000 रुपये प्रतिमाह
- होम लोन 60 लाख रुपये तक और प्रभारी भत्ता राज्य के अंदर 3,000 रुपये और राज्य के बाहर 4,000 रुपये प्रतिदिन मिलेगा.

विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को वेतन और भत्ता

- **वेतन-** अध्यक्ष को 98,000 रुपये प्रतिमाह, उपाध्यक्ष को 75,000 रुपये प्रतिमाह, होम लोन- 4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर 60 लाख रुपये तक मिलेगा.
- **प्रभारी भत्ता-** 3,000 रुपये राज्य के अंदर और राज्य के बाहर 4,000 रुपये प्रतिदिन मिलेगा.
- **क्षेत्रीय भत्ता-** 80,000 रुपये और सत्कार भत्ता अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को क्रमशः 70,000 रुपये और 55,000 रुपये प्रतिमाह दिया जाएगा.

झारखंड जनजातीय भाषा एवं साहित्य अकादमी का होगा गठन

राज्य की चंपाई सोरेन सरकार ने झारखंड जनजातीय भाषा एवं साहित्य अकादमी के गठन की मंजूरी प्रदान कर दी है. इसक गठन कल्याण विभाग के तहत होगा. जबकि क्षेत्रीय भाषा एवं साहित्य अकादमी का गठन कला-संस्कृति विभाग द्वारा किया जाएगा. इससे जुड़े प्रस्ताव को बुधवार को कैबिनेट की बैठक में मंजूरी प्रदान गयी.

नालंदा विवि के नए परिसर का उद्घाटन

आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं

नालंदा विवि के नए परिसर का उद्घाटन करते पीएम मोदी व मौजूद अन्य.

एजेंसी। राजगीर

केंद्र सरकार आधुनिक, अनुसंधान उन्मुख उच्च शिक्षा प्रणाली की दिशा में काम कर रही है. हमारा मिशन है कि भारत की पहचान फिर से दुनिया के सबसे प्रमुख ज्ञान केंद्र के रूप में बने. उक्त बातें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राजगीर में कही. वे यहां नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन करने आए थे. उन्होंने छात्रों से हमेशा जिज्ञासु और साहसी बने रहने का आह्वान किया.

प्रधानमंत्री ने प्राचीन नालंदा विहार के परिसर का भ्रमण करने और उसके अवशेषों का अवलोकन करने के बाद नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किया. उन्होंने कहा कि नालंदा उस सत्य का उद्घोष है कि आग की लपटों में पुस्तकें भले जल जाएं, लेकिन ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं. कहा- नालंदा के विध्वंस ने भारत को अंधकार से भर दिया था. अब इसकी पुनर्स्थापना, भारत के स्वर्णिम युग की शुरुआत करने जा रही है. कार्यक्रम को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी संबोधित किया. इस अवसर पर बिहार के राज्यपाल राजेंद्र वी आर्लेकर सहित कई गणमान्य थे.

बोले पीएम

- आधुनिक व अनुसंधान उन्मुख उच्च शिक्षा प्रणाली की दिशा में काम कर रही सरकार
- नालंदा विश्वविद्यालय की पुनर्स्थापना से हो रही भारत के स्वर्णिम युग की शुरुआत

पीएम बताएं- बिहार को विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिया: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी के बिहार दौरे के मद्देनजर राज्य से संबंधित कुछ विषयों को लेकर उन पर निशान साधा. पार्टी नेता जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री से सवाल किया कि प्रधानमंत्री के वादे के अनुरूप बिहार को विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिया गया? 2014 में जब मोदी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे, तब उन्होंने कई बार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने का वादा किया था. 10 साल तक केंद्र में शासन करने के बाद भी सरकार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने में क्यों नाकाम रही?

मौसम अगले तीन से चार दिनों में झारखंड समेत अन्य कई राज्यों में पहुंचेगा मॉनसून

देश भर में जून महीने में औसत से 20% कम बारिश

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत में एक जून से मॉनसून अवधि की शुरुआत के बाद से 20 प्रतिशत कम बारिश हुई है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी. मौसम विभाग ने बताया कि अगले तीन से चार दिनों में महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों, उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी, बिहार और झारखंड के कुछ हिस्सों में मॉनसून आने की स्थिति बन रही हैं.

19 मई को निकोबार द्वीप समूह पहुंचा था मॉनसून : मौसम विभाग के अनुसार, भारत में एक से 18 जून के बीच 64.5 मिमी बारिश हुई, जो लंबी अवधि के 80.6 मिमी के औसत से 20 प्रतिशत कम है. एक जून से अब तक

उत्तर-पश्चिम भारत में 10.2 मिमी बारिश (सामान्य से 70 प्रतिशत कम), मध्य भारत में 50.5 मिमी (सामान्य से 31 प्रतिशत कम), दक्षिण प्रायद्वीप में 106.6 मिमी (सामान्य से 16 प्रतिशत अधिक) तथा पूर्व एवं उत्तर-पूर्व भारत में 146.7 मिमी (सामान्य से 15 प्रतिशत कम) बारिश हुई. दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 19 मई को निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में पहुंच गया था. इसके बाद 26 मई को चक्रवात रेमल के साथ ही मॉनसून दक्षिण के अधिकांश हिस्सों और बंगाल की खाड़ी के मध्य के कुछ हिस्सों तक पहुंचा था.

25 मौसम उप प्रभागों में औसत से काफी कम बारिश : आईएमडी ने बताया कि देश के 11 मौसम उप प्रभागों में एक से 18 जून के बीच सामान्य से लेकर बहुत अधिक बारिश हुई है, जबकि 25 उप प्रभागों में बहुत कम बारिश हुई. केरल, कर्नाटक, गोवा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के सभी हिस्सों, दक्षिणी महाराष्ट्र के अधिकतर क्षेत्रों, दक्षिणी छत्तीसगढ़, दक्षिणी ओडिशा के कुछ भागों, पश्चिम बंगाल, सिक्किम व सभी पूर्वोत्तर राज्यों के अधिकांश हिस्सों में 12 जून तक मॉनसून दस्तक दे चुका था. यहां के बाद मॉनसून आगे नहीं बढ़ा.

केंद्र की एनडीए सरकार को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का दावा

थोड़ी सी भी गड़बड़ी से गिर सकती है सरकार

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि सत्तारूढ़ एनडीए की संख्या बहुत नाजुक स्थिति में हैं और छोटी सी गड़बड़ी से सरकार गिर सकती है. उन्होंने यह भी दावा किया कि एनडीए के कुछ साझेदार हमारे संपर्क में हैं, लेकिन उन्होंने कोई नाम नहीं बताया. हालांकि, यह जरूर कहा कि मोदी खेमे के भीतर बड़ा असंतुलन है. लोकसभा चुनाव के नतीजों से पता चलता है कि भारतीय राजनीति में एक बड़ा बदलाव आया है.

कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि मोदी के विचार और छवि नष्ट हो गई है. उन्होंने तर्क दिया कि मोदी के नेतृत्व वाली तीसरी एनडीए सरकार संघर्ष करेगी. क्योंकि 2014 और 2019 में नरेंद्र मोदी के लिए जो काम आया, वह काम नहीं कर रहा है.

अपने 54वें जन्मदिन पर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को केक खिलाते राहुल गांधी.

नतीजों के बारे में राहुल गांधी ने कहा कि यह विचार है कि आप नफरत फैला सकते हैं, आप गुस्सा फैला सकते हैं और आप लाभ उठा सकते हैं. लेकिन नता ने इस चुनाव में इसे खारिज कर दिया है. जिस पार्टी ने पिछले 10 साल अयोध्या के बारे में बात करते हुए बिताए, उसका अयोध्या में सफाया हो गया है. वास्तव में भाजपा की मूल संरचना धार्मिक नफरत पैदा करने का विचार है, जो कि ढह गया है.

राजधानी रांची स्थित कांग्रेस भवन में कांग्रेसजनों ने मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन, काटा केक, कार्यकर्ताओं के बीच बांटी गईं मिठाइयां, नेताओं ने कहा-

राहुल गांधी को बताया देश का मजबूत भविष्य, युवाओं के लिए रोल मॉडल बनकर उभरे

प्रमुख संवाददाता। रांची

कांग्रेस भवन में बुधवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का जन्मदिन कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ताओं ने केक काटकर मनाया. इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने उनके स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की. साथ ही उन्हें देश का मजबूत भविष्य बताया. कहा कि राहुल गांधी देश के युवाओं के लिए रोल मॉडल और पथ प्रदर्शक हैं. राहुल गांधी देश की आम जनता की आवाज बन चुके हैं. भारत की समस्याओं को समझने के लिए

कांग्रेस भवन में केक काटते प्रवक्ता राकेश सिन्हा, जगदीश साहू व अन्य.

भारत की यात्रा की तब जाकर जनता के मजबूत भविष्य के निर्माण के लिए सर्वकालिक खाकर तैयार किया. राहुल गांधी ने देश की जिन बुनियादी समस्याओं के लिए संघर्ष किया उसे जनता को समझाने में सफल रहे.

उन्होंने ना सिर्फ दलित, आदिवासी, किसान, महिला, छात्र, युवा सामान्य वर्ग के लिए आवाज उठायी बल्कि युवा उद्यमी और स्वरोजगार करने वालों की भूमिका देश के सर्वांगीण विकास में कैसे हो सकता है यह भी जनता के सामने रखा. वक्ताओं ने कहा कि देश के बुनियादी ढांचा को बचाए रखना और सामाजिक समरसता को बचाए रखने के लिए राहुल गांधी जैसै सशक्त नेतृत्व की आवश्यकता है.

सीएम चंपाई ने राहुल गांधी को जन्मदिन की दी बधाई, कल्पना ने लिखा खास मैसेज

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 54वें जन्मदिन पर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने राहुल गांधी को बधाई दी. चंपाई ने एक्स पर लिखा कि युवा भारत की सशक्त आवाज, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं.

कल्पना सोरेन ने हेमंत के एक्स हैंडल से राहुल गांधी को दी शुभकामनाएं

कल्पना सोरेन ने अपने पति और पूर्व सीएम हेमंल सोरेन के एक्स हैंडल पर लिखा कि साल के इस खास दिन पर मैं राहुल गांधी जी को उनके जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं. एक प्रगतिशील नेतृत्वकर्ता के रूप में, वे हमेशा एकता, सहिष्णुता और विविधता में एकजुटता को बढ़ावा देने की राह पर चले हैं. उनकी सेवा भावना और जनता के प्रति समर्पण सराहनीय है. मुझे पूर्ण विश्वास है कि वे देश और समाज की प्रगति के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान सदैव देते रहेंगे. एक बार पुन जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं!

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने राहुल गांधी की तारीफों के पुल बांधे

झारखंड प्रदेश कांग्रेस अक्ष्यक्ष राजेश ठाकुर ने लिखा कि देश के युवाओं, शोषितों, पीड़ितों, गरीबों, किसानों की बुलंद आवाज़, कन्याकुमारी से कश्मीर और मणिपुर से मुंबई तक न्याय व सद्भावना की यात्रा के अथक पथिक, सत्यमेव जयते के सिद्धांत को लेकर हर अन्याय के विरुद्ध लड़ने वाले, नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने वाले युवा दिलों की धड़कन कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व लोकप्रिय सांसद राहुल गांधी जी को जन्मदिन की अनंत शुभकामनाएं.

ब्रीफ खबरें

नीट परीक्षा प्रकरण पर कांग्रेस का प्रदर्शन 21 को

रांची। प्रदेश कांग्रेस ने कहा है कि नीट-2024 परीक्षा में हुई अनियमितताएं गंभीर चिंता का विषय है. 24 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है. इस पर प्रधानमंत्री की चुप्पी और भी घातक साबित हो रहे हैं. प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि परीक्षा में हुए बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार तथा एनडीए सरकार की निष्क्रियता एवं चुप्पी के खिलाफ 21 जून को सुबह 10 बजे से शहीद चौक से राजभवन तक राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा. उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्य पेपर लीक का एपिसेंटर बन गया है. कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में पेपर लीक पर सख्त कानून बनाकर युवाओं का भविष्य सुरक्षित रखने का वादा किया था.

एक से बदल जाएगा कोर्ट में कामकाज का समय

रांची। एक जुलाई से राज्यभर के जिला अदालतों में सुनवाई का समय बदल जाएगा. फिलहाल झारखंड की निचली अदालतों में मॉर्निंग कोर्ट में सुनवाई हो रही है. लेकिन यह व्यवस्था एक जुलाई से बदल जाएगी. रांची सिविल कोर्ट समेत झारखंड के सभी जिला न्यायालयों में एक अप्रैल से मॉर्निंग कोर्ट में मुकदमों की सुनवाई हो रही थी, लेकिन अब झारखंड हाईकोर्ट ने पत्र जारी कर डे कोर्ट में सुनवाई शुरू करने की सूचना जारी कर दी है. डे कोर्ट में अदालत के कामकाज का समय सुबह 10:30 से लेकर शाम के 4:30 बजे तक निर्धारित किया गया है. करीब दो महीने से ज्यादा समय से मॉर्निंग कोर्ट में सुनवाई चल रही है.

बत्रा की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति की अवधि दो साल बढ़ी

रांची। झारखंड कैडर के वर्ष 1997 बैच के आईपीएस

अधिकारी आशीष बत्रा की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति की अवधि दो साल और बढ़ गयी है. बत्रा सितंबर 2019 में पांच साल के लिए केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर गये थे. उनकी प्रतिनियुक्ति की अवधि सितंबर 2024 में समाप्त हो रही थी. इससे पहले आईपीएस अधिकारी की प्रतिनियुक्ति का कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा दिया गया. आशीष बत्रा राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के आईजी के पद पर कार्यरत हैं.

नशे पर नियंत्रण से ही बनेगा बेहतर समाज और बेहतर राज्य : चंपाई सोरेन

राज्य को नशामुक्त प्रदेश बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध: सीएम

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड को नशा मुक्त प्रदेश बनाना है और इसमें हर किसी को अपनी सहभागिता निभानी होगी. सभी के प्रयासों से ही मादक और नशीले पदार्थों पर रोकथाम संभव है. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम में नशा मुक्त झारखंड बनने के लिए जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के क्रम में यह संकल्प दोहराया. इस अवसर पर सभी ने नशा मुक्त झारखंड अभियान के तहत एकजुट होकर स्वयं, परिवार और समाज को नशा से दूर रहने की शपथ ली.

झारखंड राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है : मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे पर नियंत्रण की दिशा में जागरूकता रथ को रवाना किया जाना एक महत्वपूर्ण पहल है. इससे नशे के दुष्प्रभाव के प्रति लोगों को जागरूक करने में मदद मिलेगी. लोग यह समझ सकेंगे की नशे की वजह से उनका कितना नुकसान हो रहा है और इससे कैसे बचा जा सकता है. मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि नशे के खिलाफ प्रचार -प्रसार से लोग जागरूक होंगे और दूसरों को भी नशे से दूर रखने के लिए प्रेरित करेंगे.

बेहतर समाज और बेहतर राज्य बनाना है

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर समाज और बेहतर राज्य बनाने के लिए नशा पर नियंत्रण बहुत जरूरी है. शहर हो या गांव, हर किसी को नशे से दूर रहना होगा. जो नशा को बढ़ावा दे उसे भी रोकने के लिए हम सभी को आगे आना होगा. हर किसी के सहयोग से हम अपने इस अभियान में निश्चित तौर पर सफल होंगे. अगर अगर हम आज नशा पर नियंत्रण नहीं कर पाएंगे तो आगे और भी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा. इसलिए हर तरह के नशे की प्रवृति को रोकने की जरूरत है.

नशे से समाज में फैल रही कई विकृतियां

मुख्यमंत्री ने कहा कि कि नशे की वजह से समाज में तरह-तरह की विकृतियां फैलती है. इससे युवाओं में अपराध की प्रवृति बढ़ती है. परिवार में अलगाव की स्थिति पैदा होती है. आपसी संबंधों में दरार आने लगता है. समाज गलत दिशा में आगे बढ़ने लगता है. सबसे बड़ी बात कि नशा का सेवन करने वालों के स्वास्थ्य पर इसका काफी नकारात्मक असर पड़ता है. शारीरिक और मानसिक बीमारियां उसे गिरफ्त में लेने लगती है. यह उस व्यक्ति के साथ उसके परिवार समाज और राज्य के लिए भी स्वस्थ नहीं है. ऐसे में युवाओं को नशा से दूर रहना होगा.

खास बातें

- सभी की भागीदारी से ही नशे पर होगा नियंत्रण
- नशा को बढ़ावा देने वालों को हर हाल में रोका जाए

जागरूकता रथ किए गए रवाना

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर नशा मुक्त झारखंड बनने के लिए 6 जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया .इसमें चार जागरूकता रथ रांची और एक-एक रामगढ़ और खूंटी जिले के लिए है. विदित हो कि राज्य के सभी जिलों में 19 से 26 जून तक नशे के विरुद्ध लोगों को जागरूक करने के लिए जागरूकता रथ निकाले जा रहे हैं. ये सभी जागरूकता रथ शहर से लेकर सुदूर गांवों का भ्रमण करेंगे.. इस अवसर पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता, विधायक जीगा सुसारण होरो, मुख्य सचिव एल खियांग्ते, प्रधान सचिव वंदना दादेल और पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सिंह आदि मौजूद थे.

जेपीएससी सिविल सेवा मुख्य परीक्षा 22 से

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा की मुख्य परीक्षा 22 जून होगी. यह परीक्षा 342 पदों के लिए ली जा रही है. आयोग के बेवसाइट पर अभ्यर्थी एडमिड कार्ड डाउलोड कर सकते हैं. जिन अभ्यर्थियों का एडमिट कार्ड अब तक डाउनलोड नहीं हुआ है, वैसे अभ्यर्थियों के लिए आयोग ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया है. ये नंबर 8956622450, 9431301636, 9431301419 है. जिन पर छात्र संपर्क कर सकते हैं. एडमिट कार्ड डाउनलोड नहीं होने पर अभ्यर्थी 21 जून तक आयोग के पूछताछ काउंटर पर अपना नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि व पंजीयन संख्या के साथ आवेदन देकर एडमिट कार्ड प्राप्त कर सकते हैं.

दो पालियों में होगी परीक्षा : जेपीएससी सिविल सेवा की मुख्य परीक्षा 22 जून से 24 जून तक होगी. बताते चलें कि 11वीं, 12वीं तथा 13वीं सिविल सेवा मुख्य परीक्षा एक साथ ली जा रही है परीक्षा दो पालियों में होगी. आयोग ने लगभग सात हजार अभ्यर्थियों के लिए रांची जिला में 15 परीक्षा केंद्र बनाये हैं. परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों के लिए आयोग ने एडमिट कार्ड जारी कर दिया है. 22 जून को प्रथम पाली में प्रथम पत्र व द्वितीय पाली में द्वितीय पत्र. 23 जून को प्रथम पाली में तृतीय पत्र व द्वितीय पाली में चतुर्थ पत्र. 24 जून को प्रथम पाली में पांचवें पत्र और द्वितीय पाली में छठे पत्र की परीक्षा लेगी. प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे से दिन के एक बजे तक और द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक होगी.

खास बातें

- 342 पदों के लिए ली जा रही है सिविल सेवा की परीक्षा
- जेपीएससी ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया

नेता प्रतिपक्ष कल करेंगे गोपीनाथपुर का दौरा

- विधायक अनंत ओझा, अमित मंडल, नारायण दास, रणधीर सिंह भी होंगे साथ

रांची। 17 जून के पाकुड़ के गोपीनाथपुर गांव में बकरीद के अवसर पर प्रतिबंधित मांस काटे जाने को मामले में दो समुदायों के बीच तीखी झड़प हुई थी. इस मसले के बाद नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, विधायक अनंत ओझा, अमित मंडल, नारायण दास, रणधीर सिंह 20 जून को गोपीनाथपुर गांव का दौरा करने का निर्णय लिया है. बताते चलें कि पश्चिम बंगाल के गांव से सैकड़ों की संख्या में असामाजिक तत्वों ने गोपीनाथपुर गांव पर हमला कर पत्थरबाजी और बमबाजी सहित आगजनी की घटना को अंजाम दिया था. गोपीनाथपुर झारखंड व प. बंगाल की सीमा पर है.

सीएम चंपाई सोरेन से मिले मेजर जेनरल परमवीर सिंह

सीएम चंपाई सोरेन से मुलाकात के दौरान मेजर जनरल परमवीर सिंह.

संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से बुधवार प्रोजेक्ट भवन में मेजर जेनरल परमवीर सिंह डागर (जीओसी, 23 इन्फेंट्री डिवीज़न, दीपाटोली) ने शिष्टाचार मुलाकात की. जेनरल डागर विशिष्ट सेवा मेडल से नवाजे जा चुके हैं. इस मौके पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार और लेफ्टिनेंट कर्नल अनुज शर्मा मौजूद थे.

आवास बोर्ड की बैठक में 34 एजेंडों पर चर्चा

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान की अध्यक्षता में आवास बोर्ड 73वीं बोर्ड बैठक मंगलवार को हुई. इसमें कुल 34 एजेंडों पर चर्चा हुई. हरमू, अरगोड़ा व बरियातू में बोर्ड द्वारा निर्मित दुकानों व सामुदायिक भवन का ई-नीलामी के माध्यम से आवंटन पर मंथन किया गया. झारखंड आवास बोर्ड के विभिन्न प्रमंडल अंतर्गत शेष बचे आवंटित व नव निर्मित आवास इकाई मकान व फ्लैटों और नव विकसित किये गए भूखंडों का ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन पर चर्चा की गयी.

प्रीमियम की नवीकरण राशि के भुगतान की स्वीकृति पर चर्चा : राज्य सरकार के कर्मियों को देय महंगाई भत्ता की दर 4% की दर से अभिवृद्धि की घटनोत्तर स्वीकृति दी गई. साथ ही भारतीय जीवन बीमा निगम जमशेदपुर के सहयोग से बोर्ड के कर्मियों के लिए लागू सामूहिक उपादान योजना के तहत

बैठक में विचार-विमर्श करते आवास बोर्ड के पदाधिकारी.

खास बातें

- झारखंड राज्य आवास बोर्ड की बैठक में कई फैसले
- हरमू, अरगोड़ा व बरियातू में ई नीलामी से होगा आवंटन

पॉलिसी का वार्षिक प्रीमियम नवीकरण की राशि के भुगतान की स्वीकृति पर चर्चा की गई. हरमू और अरगोड़ा में निर्मित कई जी प्लस टू आवासीय कॉम्प्लेक्स के ऊपर अतिरिक्त दो तल का निर्माण कार्य करने पर भी मंथन किया गया. बैठक में आवास बोर्ड के सचिव विनय मनीष लकड़ा, आवास बोर्ड के मनोनीत सदस्य पवन महतो,गुलाम अहमद, नितिन अग्रवाल, अभिलाष साहू उपस्थित थे.

कोर्ट की खबर : पूर्व सीएम के सहयोगी आर्किटेक्ट के मामले में जवाब देने के लिए ईडी ने मांगा समय

विनोद सिंह की अग्रिम जमानत पर 8 जुलाई को सुनवाई

लैंड स्कैम केस

संवाददाता। रांची

लैंड स्कैम केस के आरोपी झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोगी आर्किटेक्ट विनोद सिंह की अग्रिम जमानत पर अब आठ जुलाई को सुनवाई होगी. बुधवार की सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया गया, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 8 जुलाई की तारीख मुकर्रर की है. विनोद सिंह ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है. दरअसल ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दायर की है, जिसपर कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है. इस केस के प्रमुख आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद हैं. पीएमएलए कोर्ट द्वारा संज्ञान लिए जाने के बाद अब आर्किटेक्ट विनोद सिंह और राजकुमार पाहन ऊपर गिरफ़्तारी की तलवार लटकने लगी है. क्योंकि अदालत ने आर्किटेक्ट विनोद सिंह और राजकुमार पाहन के विरुद्ध समन जारी कर दिया है. बता दें कि हेमंत सोरेन को इस्तीफा देने के बाद मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 31 जनवरी की रात को गिरफ्तार कर लिया गया था. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लैंड स्कैम से जुड़े मामले में सात घंटे से ज्यादा देर तक हुई पूछताछ के बाद हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया था.

साहिबगंज में गंगा फेरी के टेंडर पर रोक से हाईकोर्ट का इनकार

रांची। साहिबगंज जिला प्रशासन द्वारा गंगा नदी पर फेरी के लिए निकाले गए टेंडर को चुनौती देने वाली याचिका पर बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने टेंडर प्रक्रिया पर रोक लगाने से इंकार करते हुए राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण कुमार राय की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई. दरअसल साहिबगंज अवैध खनन मामले में प्रवर्तन निदेशालय के गवाह अंकुश राजहंस यादव ने झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा है कि साहेबगंज जिला प्रशासन खनन माफिया के सिंडिकेट को लाभ देने के लिए जबरन नियमों को बदल रही है.

विक्षिप्त से रेप के आरोपी को मिली 10 साल सश्रम कारावास की सजा

रांची। रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की कोर्ट ने सानिप लकड़ा को विक्षिप्त पीड़िता से रेप के जुर्म में दोषी करार दिया. साथ ही 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा और 50 हजार जुर्माना लगाया गया है. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि जुर्माना की राशि नहीं देने पर दोषी को अतिरिक्त 10 महीने की सश्रम करावास होगी. अभियुक्त जब भी पीड़िता (सूचक की बेटी) को अकेला पाता था, उसके साथ जबरदस्ती यौन संबंध बनाता था. पीड़िता मानसिक रूप से विक्षिप्त थी, जिसका लाभ उठाकर अभियुक्त ने जबरन उसके साथ यौन संबंध स्थापित किया था, जिससे वह गर्भवती हो गई. जब इसकी जानकारी मिली. सूचक और परिवार के अन्य सदस्यों लगी, तब पीड़िता ने अपनी मां को घटना के बारे में बताया.

गुड न्यूज नगर विकास और आवास विभाग की पहल

पीजीएमएस से शिकायतों का झटपट समाधान

प्रमुख संवाददाता। रांची

नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा राज्य के सभी नगर निकायों (नगर निगम, नगर परिषद, नगर पंचायत) में नगर विकास व आवास विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं, कार्यक्रमों और नागरिक सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के त्वरित निष्पादन के लिए लोक शिकायत प्रबंधन प्रणाली (पीजीएमएस) संचालित है. लोक शिकायत प्रबंधन प्रणाली का संचालन नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा कॉल सेंटर के माध्यम से किया जा रहा है. यह जन कल्याणकारी योजना राज्य के 49 नगर निकायों के साथ ही राज्य के क्षेत्रीय विकास प्राधिकारों में भी संचालित है.

नगर निकाय क्षेत्र में रहनेवाले लोग

सड़क, नाली निर्माण, साफ-सफाई, जलापूर्ति, फॉगिंग, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री श्रमिक योजना, फुटपाथ विक्रेताओं से संबंधित योजना, होल्डिंग, अवैध निर्माण व नक्शा, अतिक्रमण, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, स्ट्रीट लाईट लगाने एवं उसकी मरम्मत से संबंधित समस्या एवं सुझाव दर्ज करा सकते हैं.

विदित हो कि नगर विकास एवं आवास विभाग अंतर्गत लोक शिकायत प्रबंधन प्रणाली (पब्लिक ग्रिवान्स मैनेजमेंट सिस्टम) दिसंबर 2016 से संचालित है. योजना प्रारंभ होने से लेकर अब तक पीजीएमएस पोर्टल के माध्यम से कुल 83,169 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 82,050 शिकायतों का निष्पादन किया जा चुका है. लोक शिकायत प्रबंधन प्रणाली (पीजीएमएस) की सफलता की दर 98 प्रतिशत है.

- टॉल फ्री नंबर- 1800-120-2929, व्हाट्सअप/एसएमएस - 7633928444 के माध्यम से दर्ज करा सकते हैं शिकायत
- वेबसाइट- pgms.dmajharkhand .in, ईमेल- info‹bha›@‹/bha›dmajharkhand.in से भी शिकायतें दर्ज होती हैं
- झारखंड सरकार की इस व्यवस्था से आम लोगों को मिल रहा लाभ
- लोक शिकायत प्रबंधन प्रणाली (पीजीएमएस) की सफलता दर 98 प्रतिशत

कायनाइट खदान की माइनिंग प्लान के लिए प्रीबिड कांफ्रेंस कल

- झारखंड में लगभग छह मिलियन टन कायनाइट उपलब्ध है

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में जल्द ही कायनाइट खदान से खनन का काम शुरू किया जाएगा. इसके लिए जेएसएमडीसी ने माइनिंग प्लान के लिए एजेंसी की तलाश शुरू कर दी है. इसके लिए 21 जून को प्रीबिड कांफ्रेंस होगी. इच्छुक एजेंसी दो जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं. जेएसएमडीसी के अनुसार बहरागोडा (पूर्वी सिंहभूम) के ज्योति पहाड़ी में स्थित कायनाइट खदान के लिए यह माइनिंग प्लान तैयार किया जाएगा.

सरायकेला, पूर्वी सिंहभूम और रांची में है कायनाइट की खदान : झारखंड में सरायकेला, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला में कायनाइट की खदान है. प्रदेश में कुल छह मिलियन टन कायनाइट उपलब्ध है. कायनाइट का उपयोग आग रोधी उत्पादों को बनाने के साथ फर्नीचर और ईंटों के निर्माण में भी होता है. साथ ही रेलमार्ग और ऑटोमोटिव उद्योगों के लिए भी किया जाता है.

खास बातें

- खदान के लिए माइनिंग प्लान तैयार किया जाएगा
- प्लान तैयार करने के लिए एजेंसी की तलाश शुरू की

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, गुरुवार 20 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 72 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

24 साल के दौरान राज्य में एक मेगावाट भी बिजली उत्पादन नहीं बढ़ा

रवि भारती।रांची

राज्य गठन के 24 साल बाद भी एक मेगावाट बिजली का उत्पादन नहीं बढ़ पाया. इन 24 साल में राज्य सरकार ने लगभग 30 हजार करोड़ की बिजली खरीदी. वर्तमान में हर महीने 450 से 500 करोड़ रुपये की बिजली खरीदी जाती है. झारखंड बिजली वितरण निगम ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए नये टैरिफ पिटिशन के तहत नियामक आयोग से 10857.93 करोड़ रुपये राजस्व की मांग की है.

वहीं घरेलू उपभोक्ताओं से 4346.03 करोड़ रुपये के राजस्व वूसली का प्रस्ताव सौंपा है. दूसरी ओर सरकारी उपक्रम के पावर प्लांट टीवीएनएल का अब तक विस्तारीकरण नहीं हो पाया है. लगभग चार साल पहले इसके विस्तारीकरण की स्वीकृति मिल चुकी है. इसके तहत 1320 मेगावाट पावर प्लांट के निर्माण में 7920 करोड़ रुपये का निवेश किया जाना है.

झारखंड बनने के बाद बिजली खरीद में फूंक दिये 30 हजार करोड़, हर महीने खरीदी जाती है 500 करोड़ रुपये की बिजली

- देवघर व तिलैया में पावर प्लांट की योजना अधर में लटकी
- लाख दावों के बावजूद पावर हब नहीं बन पाया झारखंड

तिलैया पावर प्लांट की योजना जमींदोज

रिलायंस के पीछे हटने के बाद तिलैया अल्ट्रा मेगा पावर प्वांट की योजना जमींदोज हो गई है. रिलायंस को तिलैया में 3960 मेगावाट का पावर प्लांट लगाना था. वर्ष 2009 में 1.77 रुपये प्रति यूनिट बिजली देने की दर से बोली लगाकर रिलायंस पावर ने यह परियोजना हासिल की थी. योजना में देरी होने से 16 हजार करोड़ रुपये लागत बढ़ गई. परियोजना के लिये 2523 एकड़ जमीन और 12108 एकड़ में कोल माइंस की जरूरत थी. मुख्य प्लांट के लिये 470 एकड़ जमीन रिलायंस को दी जा चुकी थी. वहीं, 1220 एकड़ जमीन को फॉरेस्ट क्लीयरेंस भी मिल चुका था. 3500 करोड़ रुपये का पुर्नवास पैकेज तैयार किया गया था. अब यह योजना जमींदोज हो गई.

पतरातू प्लांट से अब तक उत्पादन नहीं

पतरातू में बन रहे 4000 मेगावाट के सुपर थर्मल पावर प्लांट से इस साल भी बिजली उत्पादन पर संशय बना हुआ है. पतरातू में 4000 मेगावाट का पावर प्लांट बनाने के लिए झारखंड सरकार ने 2015 में एनटीपीसी के साथ करार किया था. करार के मुताबिक, पहले चरण में 2400 मेगावाट और दूसरे चरण में 1600 मेगावाट का पावर प्लांट बनाया जाना है. पहले चरण का उत्पादन साल 2019 में शुरू होना था, लेकिन अब तक शुरू नहीं हो पाया है. राज्य सरकार और एनटीपीसी के साथ हुए समझौते के अनुसार, इस प्लांट से उत्पादित 85 फीसदी बिजली राज्य सरकार को मिलेगी.

धरातल पर नहीं उतरा देवघर अल्ट्रा मेगा पावर प्लांट

देवघर अल्ट्रा मेगा पावर प्लांट की परियोजना भी धरातल पर नहीं उतर पाई है. इसके लिये गोसाई पहाड़ी कोल ब्लॉक का आवंटन किया गया. इस परियोजना के लिए 2432 एकड़ जमीन चिह्नित की गई थी, जिसमें 1732 एकड़ निजी, 300 एकड़ सरकारी और 400 एकड़ वन भूमि थी. प्लांट के शेयर होल्डिंग की जिम्मेवारी पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन को दी गई थी. यह पावर प्लांट 4000 मेगावाट की क्षमता का होगा. लेकिन, स्थिति जस की तस बनी हुई है.

ब्रीफ खबरें

चैनपुर में देसी पिस्तौल के साथ एक गिरफ्तार

मेदिनीनगर। चैनपुर थाना क्षेत्र के खुरा पिकेट पुलिस ने एक नाली देशी पिस्तौल के साथ लाल बाबू चौधरी नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. खुरा पिकेट प्रभारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि झिरझिरिया जंगल में एक व्यक्ति द्वारा बंदूक लेकर घुमने की गुप्त सूचना प्राप्त हुई . इस सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर लाल बाबू चौधरी को हथियार के साथ गिरफ्तार किया.

कुश महतो हत्याकांड में एक आरोपी गिरफ्तार

गुमला। कुश महतो हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी सुनील उरांव को गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया. एसडीपीओ ने बताया कि कुश महतो हत्याकांड में सुनील उरांव के साथ रमेश उरांव और गोविंदा भी शामिल था. तीनों ने षडयंत्र रचकर कुश की हत्या कर दी थी. उसका शव सिसई थाना क्षेत्र के मुर्गू-बरगांव के बीच पारस नदी में बने खराब इंटेक वेल से पिछले नौ जून को बरामद किया गया था.

मां की हत्या का आरोपी पुत्र समेत दो गिरफ्तार

गुमला। नशे की हालत में अपनी मां की हत्या करने के आरोपी पुत्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी पुत्र पंकज उरांव के साथ उसके साथी प्रवीण उरांव को भी पुलिस ने दबोच लिया है. एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने बताया कि बीती मंगलवार को सिसई के थाना टोली में शराब के नशे में पंकज उरांव ने अपनी मां बुधमनी देवी (45) की बेरहमी से पीट-पीट कर हत्या कर दी थी. दोनों गिरफ्तार आरोपियों को बुधवार के दिन न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

सड़क दुर्घटना में युवक की हुई मौत

मेदिनीनगर। चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चैनपुर-सलतुआ मार्ग पर बीती रात्रि एक युवक की मौत सड़क दुर्घटना में हो गई. मृतक की पहचान कुदागाकला निवासी दीपक कुमार पिता कुमार चंद्रवंशी है. दीपक सलतूआ स्थित समीम ईंट भट्ठा में सुपरवाइजर के रूप में काम करता था. वह काम निपटा कर अपने घर मोटरसाइकिल से आ रहा था कि तभी वह बोलेरो के चपेट में आ गया. उसकी मौके पर ही मौत हो गई.

जेएसएससी से हाईकोर्ट ने मांगी मेरिट लिस्ट

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में राज्य में शिक्षक नियुक्ति से संबंधित मामले की सुनवाई हुई. सुनवाई के बाद अदालत ने जेएसएससी को राज्य स्तर पर तैयार की गयी मेरिट लिस्ट को शपथ पत्र के माध्यम से कोर्ट में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है. इस मामले में अगली सुनवाई एक अगस्त को होगी. बुधवार की सुनवाई के दौरान जेएसएससी की ओर से कहा गया कि राज्य स्तर पर तैयार मेरिट लिस्ट को शपथ पत्र के माध्यम से कोर्ट में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है. अगर कोर्ट इसका अवलोकन करना चाहता है, तो आयोग की ओर से सीलबंद लिफाफे में मेरिट लिस्ट कोर्ट को

भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं सरकार पर, विपक्ष नहीं बना पाया भ्रष्टाचार को मुद्दा

सरकार और विपक्ष जनभावना से कर रहे खिलवाड़ : सरयू राय

प्रमुख संवाददाता।रांची

भारतीय जनतंत्र मोर्चा के संरक्षक और जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने कहा है कि राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं. इसके बावजूद विपक्ष भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाने में विफल रहा है. जाहिर है, सरकार और विपक्ष, दोनों ही जनभावना के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं. श्री राय बुधवार को यहां डोरंडा में भारतीय जनतंत्र मोर्चा की कोर कमेटी में अपनी बात रख रहे थे.

उन्होंने कहा कि कि सरकार ने अपना खजाना चुनाव आने पर खोला. अब बड़ा सवाल यह है कि सरकार अब पैसा कहां से लाएगी? बजट में तो है ही नहीं. उन्होंने कहा कि झारखंड का हर जिम्मेदार नागरिक जानता है कि इस सरकार पर भ्रष्टाचार के छींटे हैं. भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं. इसके बावजूद अलग-अलग धड़ों में बंटा विपक्ष भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाने में अब तक विफल रहा है. सिर्फ सरकार ही नहीं, विपक्ष भी झारखंड की जनता को ठग रहा है. लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ किया जा रहा है. स्थानीय नीति, रोजगार और आरक्षण जैसे मुद्दे रह-रह कर उठाए जाते हैं. इन मुद्दों को उठाने का मकसद जनता को सिर्फ बेवकूफ बनाना होता है. यह सरकार इन मुद्दों पर जनता को बेवकूफ ही तो बना रही है.

डोरंडा में संपन्न कोर कमेटी की बैठक में केंद्रीय उपाध्यक्ष पीएन सिंह, मुकेश पांडे, केंद्रीय महासचिव आशीष शीतल मुंडा , संजीव आचार्य, केंद्रीय सचिव सोमेन दत्ता, मनोज सिंह के साथ सभी जिला अध्यक्ष मौजूद थे. स्वागत भाषण रांची के जिलाध्यक्ष अशोक ठाकुर और धन्यवाद ज्ञापन व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुशील कुमार ने किया.

स्थानीय नीति, रोजगार जैसे मुद्दे पर जनता को ठग रही है राज्य सरकार

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार व विपक्ष को घेरते विधायक सरयू राय व मौजूद अन्य.

- शराब और खनन घोटाला 2015 से, उस वक्त के लोगों को दिया जा रहा है संवैधानिक पद
- भाजमो हर जिले का अलग घोषणापत्र तैयार करेगा, प्रदेश के लिए अलग होगा घोषणापत्र

2015 से ही चल रहा शराब घोटाला

श्री राय ने कहा कि शराब घोटाला आज का घोटाला नहीं है. यह 2015 से ही चल रहा है. 2015 से ही खनन घोटाला भी चल रहा है. कई मामलों मे चार्जशीट मे 2015 से अब तक का जिक्र है पर उस समय के लोगों को संवैधानिक पद दिया जा रहा है. भ्रष्टाचार की महिमा ऐसी कि देश की सबसे बड़ी पार्टी भी सीता- गीता पर भी भ्रष्टाचार का आरोप होने के बाद भी एक बड़े दल को उन्हें अपने साथ लेने में कोई परहेज नहीं.

भारतीय जनतंत्र मोर्चा 30 सीटों पर चुनाव लड़ेगा

श्री राय ने कहा कि भारतीय जनतंत्र मोर्चा के पदाधिकारी 15 जुलाई से 15 अगस्त तक प्रदेश के सभी नगरपालिका- विधानसभा क्षेत्रों का भ्रमण करेंगे और लोगों के फीडबैक के आधार पर प्रदेश स्तर का घोषणा पत्र तैयार करेंगे. उन्होंने यह भी बताया कि विधानसभा चुनाव स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित होगा, लिहाजा हम लोग जिलावार घोषणा पत्र भी तैयार करेंगे ताकि सामान्य लोगों की समस्याओं को उचित स्थान मिल सके. उन्होंने कहा कि हम लोग राज्य की जनता को तीसरा विकल्प देंगे. भारतीय जनतंत्र मोर्चा कम से कम 30 सीटों पर चुनाव लड़ेगा. मोर्चा सभी व्यक्तियों-सहमत पार्टियों के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेगा.

अमन साहू के ठिकाने पर छह घंटे तक चली एनआईए की रेड

- फॉर्च्यूनर, सीसीटीवी का डीवीआर व बैंक खातों के पेपर जब्त
- टेरर फंडिंग मामले में बुढ़मू, बुकरू व हजारीबाग में दी दबिश

संवाददाता।रांची

झारखंड के कुख्यात अपराधी अमन साहू के कई ठिकानों पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को छापेमारी की. एनआईए रांची ब्रांच के अफसरों ने छह घंटे तक अमन साहू के बुढ़मू स्थित पैतृक घर के साथ-साथ बुकरू और हजारीबाग के गिद्दी थाना क्षेत्र स्थित ठिकानों पर दबिया दी. छापेमारी खत्म होने के बाद एनआईए की टीम ने अमन साहू के घर से फॉर्च्यूनर गाड़ी, सीसीटीवी का डीवीआर, बैंक खातों से संबंधित कागजात सहित अन्य दस्तावेज जब्त किया. सभी जब्त सामानों को टीम अपने साथ ले गयी. बताया जा रहा है कि एनआईए ने टेरर फंडिंग मामले में छापेमारी की है.

अलसुबह एक साथ कई ठिकानों पर दी गयी दबिश : एनआईए की कई टीम ने सुबह करीब पांच बजे एक साथ अमन साहू के कई ठिकानों पर छापेमारी शुरू की. सभी लोगों के मोबाइल को अपने कब्जे में लेकर तलाशी शुरू की थी. अमन साहू वर्तमान में पलामू जेल में बंद है. उस पर जेल से ही अपने गैंग को ऑपरेट करने समेत कई गंभीर आरोप हैं. यह भी आरोप है कि वह लेवी के लिए व्यापारियों व ठेकेदारों को धमकी देता और दिलवाता है.

भागलपुर से हुई थी अमन के गुर्गे शंकर की गिरफ्तारी : लातेहार के

गैंग का सुनील मीणा झारखंड पुलिस के बना है चुनौती

अमन साहू गैंग का सुनील मीणा की गिरफ्तारी झारखंड पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई है. सुनील मीणा मूल रूप से राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के घडसाना नयी मंडी का रहने वाला है. सुनील लॉरेंस बिश्नोई गैंग के विश्वस्त लोगों में रह चुका है. वर्क वीजा पर भारत से मलेशिया गया सुनील कुआलालंपुर में रहने के दौरान लॉरेंस बिश्नोई गैंग के रोहित गोदारा, गोल्डी बरार और संपत नेहरा के जरिए लॉरेंस के संपर्क में आया और मलेशिया से ही अपराध की दुनिया में अपनी जड़े जमाने लगा. वहां से ही हत्या, रंगदारी वसूली, गोलीबारी जैसी घटनाओं को अंजाम दिलाने लगा.

बालूमाथ स्थित तेतरियाखाड़ कोलियरी में गोलीबारी मामले में टेरर फंडिंग की जांच कर रही एनआईए ने 9 फरवरी 2024 को बिहार के कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी. यह छापेमारी भागलपुर, पूर्णिया व मधेपुरा के एक-एक ठिकानों पर हुई थी. इसमें कुख्यात अमन साहू के गुर्गा शंकर यादव को भागलपुर से गिरफ्तार किया गया था. उसके ठिकाने से एनआईए ने 1.30 करोड़ रुपये भी बरामद किय थे.

चार युवाओं का शव देख दहल गया कलेजा

संवाददता।धनबाद

बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के लोहारबारवा स्थित जीटी रोड में मंगलवार देर रात भीषण सड़क हादसे में चार युवाओं की मौके पर ही मौत हो गई. दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गये. कार सवार पांच में से चार की मौत कार में दब जाने के कारण मौके पर ही हो गयी थी. मरने वाले तीन दुकान के स्टाफ और एक मालिक था, ये सभी लोग दुकान बंद कर राजगंज खाना खाने गए थे.

खाना खाने के बाद लौटने के क्रम में हादसा हो गया. मृतकों में न्यू कॉलोनी बेलगड़िया टाउनशिप निवासी आनंद कुमार वर्मा (17), संकेत कुमार वर्मा (18) व विशाल कुमार पासवान (16) और गांधी रोड नटराज टावर निवासी राहुल गुप्ता के रूप में की है. वहीं कार सवार अमन गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए. चह झरिया कोयरीबांध के रहने वाले हैं. वारदात के दूसरे दिन एसएनएमएमसीएच में एक साथ चार शवों को देख कर लोगों का कलेजा दहल गया. इनके परिजनों और रिश्तेदारों की चीत्कार ने सबको रुला दिया. पोस्टमार्टम के बाद शवों को यहां से ले जाकर अंतिम संस्कार कराया गया.

अस्पताल में जांच करती पुलिस व मौजूद मृतकों के परिजन व अन्य.

- बरवाअड्डा में बीती रात सड़क दुर्घटना में चार की हुई थी मौत
- परिजनों के चीत्कार से दहल उठा अस्पताल का कोना-कोना

जेवर दुकान में गोलीबारी मामले में प्रिंस खान के पांच गुर्गे गिरफ्तार

बोकारो/ बेरमो। एटीएस व बोकारो पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बुधवार को गैंगस्टर प्रिंस खान गिरोह के पांच अपराधी गिरफ्तार किए गए. पकड़े गए अपराधियों में धनबाद और बोकारो में प्रिंस खान गिरोह का फिलहाल संचालन करने वाले बिट्टू सोनार और उसके 4 सहयोगी गोलू कुमार, छोटू कुमार, अरविंद सोनार व ऋतुराज कुमार उर्फ बाबू शामिल हैं. सभी धनबाद के मधुबन थाना क्षेत्र और सोनारडीह के रहने वाले हैं.पकड़े गए बदमाशों के पास से फायरिंग में इस्तेमाल पिस्तौल, गोली, बाइक व मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं.

सुंदरम स्टील प्लांट में आयकर विभाग का छापा

सुंदरम स्टील प्लांट के बाहर खड़ी आईटी टीम की कार.

संवाददाता।बोकारो

बालिडीह स्थित औद्योगिक क्षेत्र स्थित सुंदरम स्टील प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी में बुधवार दोपहर करीब एक बजे रांची से आई आयकर विभाग की टीम ने छापेमारी की. टीम ने प्रवेश के साथ ही कंपनी के सभी पदाधिकारियों के मोबाइल जब्त कर लिये. टीम के साथ पहुंची पुलिस टीम ने सभी गेट पर प्रवेश और निकासी पर रोक लगा दी. वहीं, आईटी की टीम कंपनी के फाइल जांच करने में जुट गई.

कंपनी में कार्यरत पदाधिकारियों से कागज जांच के साथ पूछताछ भी चलती रही. खबर लिखे जाने तक टीम कंपनी की फाइलें खंगालने में जुटी थी. आईटी रेड के दौरान गेट को पूरी तरह बंद कर दिया गया. इस दौरान दिन के दो बजे कंपनी में काम करने के लिए पहुंचे मजदूरों को भी अंदर जाने नहीं दिया गया. मजदूर भी कंपनी गेट के आस पास इस उम्मीद में भटकते रहे कि उन्हें शायद थोड़ी देर में अंदर जाने दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. इधर, अंदर में आईटी टीम फाइलें खंगाल कर कंपनी का हिसाब किताब का ब्योरा लेती रही.

खास बातें

- रांची से आई आयकर की टीम ने बालिडीह में दी दबिश
- देर रात तक चली छापेमारी प्रवेश-निकासी पर रही रोक

गुड न्यूज स्वामी विवेकानंद निःशक्त स्वावलंबन योजना के तहत मिलेंगे एक हजार रुपये

सिकल सेल के 9 मरीजों को आजीवन पेंशन मिलेगी

मुख्य संवाददाता।रांची/खूंटी

खूंटी उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने जिले में सिकल सेल के मरीजों को पहली बार पेंशन देने की पहल की है. उनकी इस पहल से जिले के नौ लोग लाभान्वित होंगे. इस पेंशन योजना के शुरू होते ही सिकेल सेल एनिमिया से पीड़ित को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सरकारी सहायता आजीवन मिलेगी. स्वामी विवेकानंद निःशक्त स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना के तहत सहायता राशि देने की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है. प्रथम चरण में खूंटी प्रखंड के तीन, कर्रा के तीन, मुरहू दो, तोरपा एक व्यक्ति को इस योजना का लाभ मिलेगा. भविष्य में यदि सिकेल सेल एनिमिया से पीड़ित व्यक्ति की पहचान होती है, तो उन्हें भी इस योजना से जोड़ कर आजीवन पेंशन दिया जाएगा.

अब तक 99165 लोगों की सिकल सेल स्क्रीनिंग : जिले में अबतक कुल 99165 व्यक्तियों का सिकल सेल स्क्रीनिंग किया गया है. इनमें 114 सिकल सेल के कैरियर पाये गये और 46 व्यक्ति सिकल सेल एनिमिया-थेलेसिमिया रोग से ग्रसित पाए गए. इनमें से नौ व्यक्ति जो 40 प्रतिशत व इससे अधिक सिकल सेल एनिमिया-थेलेसिमिया रोग से ग्रसित हैं. इन्हें दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार स्वामी विवेकानंद निःशक्त स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना के तहत पेंशन दिया जाएगा.

स्क्रीनिंग जांच के लिए लगाए जा रहे शिविर : जिला स्तर पर सिकल सेल मोबाइल मेडिकल वैन सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों जाकर स्क्रीनिंग का काम कर रही है. सदर अस्पताल, खूंटी में सिकल सेल एनिमिया रोग से ग्रसित व्यक्तियों के समुचित उपचार के लिए सिकल सेल एनिमिया-थेलेसिमिया डे केयर सेंटर का संचालन किया जा रहा है. इसमें प्रतिमाह औसतन 15 लोगों को निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श, उपचार, दवाइयां एवं रक्त उपलब्ध कराई जा रही है.

सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूकता जरूरी : उपायुक्त लोकेश मिश्रा का कहना है कि सिकल सेल एनीमिया के संबंध में लोगों को जागरूक होने की आवश्यकता है. यह एक वंशानुगत रक्त संबंधी रोग है, ये विकारों का एक समूह है जो हीमोग्लोबिन के उत्पादन को प्रभावित करता है. गंभीर एनीमिया से संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है. सिकल सेल अनीमिया से बचाव के उपायों और उपचार की जानकारी सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है.

खूंटी डीसी की पहल

खूंटी उपायुक्त लोकेश मिश्रा.

ब्रीफ खबरें

पोक्सो एक्ट का फरार आरोपी गिरफ्तार

नीलांबर पीतांबरपुर (पलामू)। थाना के संगबार गांव के कुसही डैम टोला निवासी राम प्यारी भुईयां के 27 वर्षीय पुत्र आकाश कुमार उर्फ शम्भू कुमार भुईयां को लेस्लीगंज थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत भेज दिया है. आकाश कुमार पोक्सो एक्ट के प्राथमिकी अभियुक्त हैं. जो बीते कई महीनो से फरार चल रहा था. गुप्त सूचना पर लेस्लीगंज थाना पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाकर आकाश कुमार उसके घर से गिरफ्तार किया है. थाना प्रभारी राजू कुमार गुप्ता ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त आकाश कुमार पर लेस्लीगंज थाना में मामला दर्ज है.

सिविल सर्जन ने निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण किया

लातेहार। सिविल सर्जन डॉ वधेश कुमार सिंह ने मनिका बाजार के समीप बन रहे स्वास्थ्य केंद्र के नये भवन के निर्माण कार्य का जायजा बुधवार को लिया. मौके पर डीपीएम गौरव कुमार, आईडीएसपी वेद प्रकाश और मनिका स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ दिव्य क्षितिज कुजूर मौजूद थे. उन्होने निर्माणाधीन स्वास्थ्य केंद्र भवन की गुणवत्ता की भी जांच की. मौके पर मौजूद मजदूरों से भी बात किया. उनसे भी गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त किया. उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र का नया भवन बन जाने से मनिका में स्वास्थ्य व्यवस्थायें और अधिक मजबूत होगी. मौके पर डॉ उमेश कुमार व राहुल कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे.

पूर्व सांसद मनोज कुमार ने किया क्षेत्र का दौरा

छतरपुर/पलामू। भाजपा नेता पूर्व सांसद मनोज कुमार ने नौडीहा बाजार और छतरपुर का दौरा किया. इस दौरान वे नौडीहा बाजार के खरार गांव में उमेश भुइयां के पिता के ब्रह्मभोज में शामिल होकर पुष्पांजलि की. साथ ही वे चेराई गांव में व्यवसायी राजू प्रसाद के पिता का निधन पर शो व्यक्त किया तथा परिजनों से मिलकर सांत्वना दी. इस दौरान वे छतरपुर के गौतम भोजनालय के मालिक स्व. गौतम ठाकुर के निधन की खबर सुनकर खाटीन गांव पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी. साथ ही यथासम्भव आर्थिक मदद की बात कही.

चैनपुर के मजदूर की चेन्नई में हुई मौत

मेदिनीनगर। चेन्नई कमाने गए चैनपुर थाना क्षेत्र के नेनुआ निवासी 50 वर्षीय प्रदीप पाल की सोमवार को मौत हो गयी. वह चेन्नई में मजदूरी का काम करता था. बीमार पत्नी को देखने घर आ रहा था तभी चेन्नई सेंट्रल स्टेशन पर ट्रेन पर चढ़ने के क्रम में नीचे गिर गया. चेन्नई आरपीएफ ने प्रदीप पाल को गवर्नमेंट हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया. प्रदीप पाल के घर में पत्नी के अलावा तीन लड़की और एक लड़का है. आर्थिक तंगी के करण प्रदीप का शव घर नहीं लाकर चेन्नई में ही उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया.

गुरियादामर जंगल में मिला अधेड़ शव

नीलांबर पीतांबरपुर/पलामू। थाना क्षेत्र के गुरियादामर जंगल में करीब 55 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है. शव को गुरियादामर के चरमोड़वा ढोडा के पास नग्न धड़ंग अधजले अवस्था में फेंका हुआ था. शौच जाने के क्रम में किसी महिला ने देखी. फिर होहल्ला होने के बाद वहां ग्रामीण जुटे और लेस्लीगंज थाना पुलिस को सूचना दी. मौके पर से पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदनी राय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल मेदिनीनगर भेज दिया है. इसके पहले आसपास के कई गांव के लोगों ने शव को पहचान करने पहुंचे थे.

मझिआंव के खरसोता पंचायत के बूढ़ीखांड़ गांव के पीडीएस दुकान पर हंगामा

लाभुकों ने डीलर पर लगाया राशन गबन करने का आरोप

संवाददाता। मझिआंव

प्रखंड क्षेत्र के खरसोता पंचायत स्थित बूढ़ीखांड़ गांव के जन वितरण प्रणाली के दुकानदार राम लखन पहाड़िया पर लाभुकों ने दो से तीन माह का राशन गबन करने का आरोप लगाते हुए दुकान पर जमकर हंगामा किया.

इधर इस संबंध में लाभुक सुनीता देवी, हंसराज चौधरी, करीमन चौधरी, जुड़ा देवी, पारसनाथ, रघुनंदन शाह, उदय प्रसाद, नंदू चौधरी, बुधन राम, शांति कुंवर, कविता देवी आदि लाभुकों ने बताया कि जन वितरण प्रणाली के दुकानदार राम लखन पहाड़िया हम सभी लाभूकों का 2 से 3 माह का राशन गबन कर दिया है. हम सभी को अपने भरोसे में लेकर मार्च 2024 से दो-चार दिन के अंदर अगला राशन दिया जाएगा बोलकर एडवांस पर्ची काटकर दे देता है. और जब लेने जाते हैं तो बोलता है कि अभी राशन का उठाव नहीं किए हैं अगले माह देंगे. अगले माह में राशन लेने जाने के बाद रोवाब वाले आवाज में धमकाते हुए कहता है कि ज्यादा हल्ला गुल्ला करोगे तो एक भी राशन नहीं दूंगा. और पौष मशीन से निकले पर्ची को छीन कर फाड़ देता है. साथ ही लाभुकों ने कहा कि इस दुकानदार के पास बूढ़ीखांड़ एवं खरसोता दो गांव के लाभुक है. बूढ़ीखांड़ गांव के लाभुकों को सही माप तौल के साथ समय पर राशन का वितरण कर देता है. लेकिन खरसोता गांव लगभग 400 लाभुकों के साथ सौतेला व्यवहार करते हुए जबरन परेशान करता है.

विदित हो कि खरसोता गांव जन वितरण प्रणाली के दुकानदार जनेश्वर चौधरी को राशन गबन करने के आरोप में मई 2023 में निलंबित कर दिया गया था. उसके बाद खरसोता गांव के लगभग 400 लाभुकों को डीलर राम लखन पहाड़िया के पास मर्ज कर दिया गया था. इस संबंध में बीडीओ सह प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी सतीश भगत ने कहा कि लाभुकों के द्वारा आवेदन देने के बाद निश्चित रूप से डीलर के ऊपर कार्रवाई की जाएगी.

जानकारी देते लाभुक.

खास बातें

- दो से तीन माह का राशन गबन करने का है आरोप
- खरसोता गांव के लगभग चार सौ लाभुक को नहीं मिला राशन
- प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने कहा जांच कर होगी कार्रवाई

डीएलसीसी की जिला स्तरीय समीक्षा समिति बैठक आयोजित

45232 को केसीसी व पीएमईजीपी के तहत 118 को दिया गया लोन

संवाददाता। मेदिनीनगर

पलामू उपायुक्त शशि रंजन की अध्यक्षता में बुधवार को जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी)सह जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक हुई. बैठक में उपायुक्त श्री रंजन ने मुद्रा ऋण योजना, पीएमईजीपी, केसीसी, स्वयं सहायता समूह, पीएमएसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई, एपीवाई, पीएमजेडीवाई, ऋण प्रवाह समेत अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की. समीक्षा के दौरान एलडीएम ने बताया कि पूरे पलामू जिले में मार्च तिमाही में केसीसी लोन 45232 लोगों के बीच 49892 लाख रुपया,पीएमईजीपी के तहत 118 लोगों के बीच 258.95 लाख रु सहित कई अन्य योजनाओं के तहत लोन दिया गया है.उन्होंने केसीसी के समीक्षा के क्रम में कृषि क्षेत्र में किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ बढ़ाने को कहा. गाय-बकरी सहित अन्य पशुपालन योजनाओं से जुड़े लाभुकों के साथ-साथ मत्स्य पालकों को केसीसी से लाभान्वित करने की बात कही.

उपायुक्त श्री रंजन ने विभिन्न विकास कार्यों के लिये उपलब्ध कराए जा रहे ऋण में सुधार करने का निर्देश दिया.उन्होंने सभी बैंकों से सीडी रेश्यो पर विशेष रूप से कार्य करने की बात कही. बैठक में उपायुक्त ने विभिन्न विभागों के सभी पदाधिकारियों व बैंक प्रतिनिधियों को सक्रिय होकर आपस में बेहतर समन्वय के साथ काम करने की बात कही. बैठक में उपायुक्त शशि रंजन के अलावा एएसपी राकेश कुमार, डीडीएम नाबार्ड शालीन लकड़ा, एलडीएम, सांसद व विधायक प्रतिनिधि समेत विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

बैठक में शामिल उपायुक्त व अन्य अधिकारीगण.

बैठक में अनुपस्थित दो एमओ का वेतन रोका

मेदिनीनगर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि रंजन की अध्यक्षता में बुधवार को झारनेट के सभागार में खाद्य आपूर्ति,जन वितरण प्रणाली दुकान से संबंधित मामले,धोती-साड़ी योजना समेत खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं की समीक्षा की गयी.इस दौरान उप विकास आयुक्त रवि आनंद भी उपस्थित रहे.उपायुक्त श्री रंजन ने प्रत्येक कार्डधारी लाभुकों को उचित दरों पर उचित मात्रा में समय खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करवाने पर बल दिया.इसके अलावे उन्होंने जून माह और जुलाई माह एनएफ एसए डोर स्टेप डिलीवरी के तहत विक्रेताओं को खाद्यान्न निर्गमन की समीक्षा की गयी,दस दिन के भीतर सभी सहायक गोदाम प्रबंधक को माह जुलाई 2024 तक का खाद्यान्न शत-प्रतिशत डोर स्टेप करने का निदेश दिया गया.जून और जुलाई माह 2024 का एनएफएसए के तहत खाद्यान्न वितरण का समीक्षा के दौरान पाया गया कि माह जुलाई 2024 का छतरपुर, मोहम्मदगंज, नावा बाजार,नवडीहा बाजार, पड़वा और पिपरा से एक -एक प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से बारी-बारी वितरण असंतोषप्रद रहने के कारण पूछा गया साथ ही वितरण कार्य में प्रगति लाने का निदेश दिया गया.माह अप्रैल 2024 का चना दाल, माह अगस्त 2023 का ग्रीन राशनकार्ड तथा सोना-सोबरन धोती साड़ी योजना अंतर्गत वस्त्रों के वितरण के संबंध में सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को निदेश दिया गया.

मजदूरों के हक के लिए लड़ता रहूंगा: धीरज साहू

चंदवा (लातेहार)। पूर्व राज्य सभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने चंदवा के (टोरी) बॉक्साइट साइडिंग में मजदूरों के बीच बैठक की. श्री साहू ने मजदूरों की समस्याओं को सुना. उन्होने मजदूर नेताओं से मिलकर उनकी समस्याओं का निराकरण का आश्वासन दिया. चंदवा बॉक्साइट टोरी साइडिंग में झारखंड बॉक्साइट मजदूर यूनियन के बैनर तले कार्य करती है जिसमें लोडर और अनलोडर मजदूर काम करते हैं. मजदूरों ने पानी, पीएफ भुगतान , ठेकेदार के द्वारा मजदूरी का पूर्ण भुगतान नहीं करने की समस्या समेत कई समस्याओं से श्री साहू को अवगत कराया. समस्याओं को सुनने के बाद उन्हें जल्द से जल्द दूर करवाने का भरोसा दिया साथ ही कहा कि अब मजदूरों को एक होने का समय आ गया है. इसको लेकर टोरी, रिचुघुटा और लोहरदगा बॉक्साइट साइडिंग के सभी मजदूर का 22 जून को लोहरदगा में बैठक की जायेगी. जिसमें संगठन को मजबूती देना तथा कंपनी से बेहतर सुविधा प्राप्त करने को लेकर चर्चा की जायेगी.

विश्व योग दिवस पर लगेगा योग शिविर

मेदिनीनगर। विश्व योगा दिवस के अवसर पर पलामू जिला योगा एसोसिएशन के तत्वावधान में जमुने स्थित एमडीएनजीजीपीएस स्कूल में योग शिविर का आयोजन किया गया है. उक्त जानकारी पलामू डिस्ट्रिक्ट योगा एसोसिएशन के सचिव अनिल कुमार पांडे ने दी. श्री पांडे ने बताया कि सुबह में आयोजित इस शिविर में कई गणमान्य लोग शामिल होंगे. श्री पांडे ने सभी पलामूवासियों से इस शिविर में शामिल होकर योगा का लाभ उठाने का आग्रह है.

चैनपुर में युवक की गोली मारकर हत्या,आरोपी फरार

मृतक के घर के बाहर जुटी लोगों की भीड़

संवाददाता। मेदिनीनगर

बीती रात चैनपुर तार मोहल्ला निवासी स्व. राजेंद्र प्रसाद के पुत्र विवेक गुप्ता उर्फ गोलू उर्फ बिल्ला की गोली मारकर हत्या कर दी गई. उसका शव छोटुवा बांध के समीप से पुलिस ने बरामद करने तथा अंत्यपरीक्षण के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है. हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं कराया गया है. जानकारी के अनुसार विकास की हत्या के पीछे बड़े चेहरे का हाथ बताया जा रहा है. हालांकि पुलिस नाम का खुलासा नहीं कर रही है. थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है. उन्होंने बताया कि तीन से चार लड़के टेंपो से खाने-पीने एक जगह बैठे हुए थे. इसी बीच दो लड़के चेहरा ढक कर पहुंचे और दनादन गोली चलाने शुरू कर दी. विकास के सर में एक गोली तथा शरीर में तीन गोली मारी गई है. पुलिस ने घटनास्थल से तीन खोखा बरामद किया है. उन्होंने बताया कि टेंपो से चार लोग पिकनिक मना रहे थे और हत्या के बाद अपराधी टेंपो से बसरिया स्थित नदी के समीप पहुंचे और टेंपो को छोड़कर भाग निकले. पुलिस छापामारी कर रही है जल्दी अपराधियों को पकड़ लिया जाएगा. फिलहाल पुलिस हत्या में प्रयुक्त टेंपो चालक से पूछताछ कर रही है.

मादक पदार्थों के दुरूपयोग के हो सकते हैं गंभीर परिणाम: डीडीसी

संवाददाता। लातेहार

जिले में मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए बुधवार को समाहरणालय परिसर से एक जागरूकता रथ रवाना किया गया. उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना किया. मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन और जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अलका हेंब्रम उपस्थित थीं. उप विकास आयुक्त ने बताया कि मादक पदार्थों के रोकथाम के लिए जिले में 19 से 26 जून तक जागरूकता अभियान चलाया जाना है. अभियान के तहत दो जागरूकता रथ को रवाना किया गया है. जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाना है. जिसमें नुक्कड़ नाटक, रैली, कार्यशाला, संगोष्ठी, क्विज प्रतियोगिता, पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता, स्लोगन राइटिंग, स्पीच, प्रभात फेरी और चित्रांकन आदि कार्यक्रमों से लोगों को मादक पदार्थों के रोकथाम हेतु जागरूक किया जाएगा.आगे उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों का दुरूपयोग के गंभीर परिणाम हो सकते हैं. मादक पदार्थों के सेवन से मनुष्य में कई विकृतियां आती है समाज में अपराध का ग्राफ भी इससे बढ़ता है. अभियान के प्रभावी परिणाम के लिए मादक पदार्थों के खिलाफ सभी विभागों एवं एजेंसियों को आपसी समन्वय बनाकर जागरूकता अभियान संचालित करने की आवश्यकता है.

झंडी दिखाकर जागरुकता रथ रवाना करते विकास आयुक्त सुरजीत कुमार.

खास बातें

- जिले में 26 जून तक जागरूकता अभियान चलाया जाना है
- जिले में विविध प्रतियोगिता का किया जायेगा आयोजन

समस्या

सेहत को लेकर जिला मुख्यालय के युवा इन दिनों खासे परेशान हैं

तीन माह से बंद है जिमखाना, वर्जिश के लिए भटक रहे हैं युवा

- चुनावों के दौरान बनाया गया था डिस्पैच सेंटर
- जिम के उपकरणों को अन्यत्र किया गया है शिफ्ट

आशीष टैगोर। लातेहार

जिला मुख्यालय के युवा इन दिनों खासे परेशान हैं. खास कर वैसे युवा जो अपनी सेहत को ले कर फिकरमंद रहते हैं. जो नियमित वर्जिश करते हैं और अपने आप को फिट रखते हैं. ऐसे युवा विगत तीन माह से लातेहार मे बने सरकारी जिमखाना में वर्जिश नहीं कर पा रहे हैं. बता दें कि जिला मुख्यालय के खेल स्टेडियम के सामने बने भारत माता भवन में सरकारी जिमखाना चलता है. लेकिन यह विगत तीन माह से बंद है. बताया जाता है कि लोकसभा चुनावों के द्वारा यहां डिस्पैच सेंटर बनाया गया था. यहीं से मतदान कर्मियों को अपने गंत्वय की ओर रवाना किया जा रहा था. जिमखाना के सारे उपकरण बुनियादी विद्यालय और पुलिस लाइन मे शिफ्ट कर दिया गया था. 20 मई को लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण में ही लातेहार मतदान खत्म हो गया था, तकरीबन एक माह होने को हैं, लेकिन अभी तक जिमखाना के उपकरणों को वापस नहीं लाया जा सका है.

बंद जिमखाना.

पुलिस लाइन में नहीं करने दिया जाता वर्कआउट

जिम जाने वाले नियमित युवा आशीष सिन्हा, विक्रम कुमार, निखिल कुमार और शुभम कुमार आदि ने बताया कि जिमखाना के उपकरणों को यहां से हटा दिये जाने के कारण काफी परेशानी हो रही है. उपकरणों को पुलिस लाइन में शिफ्ट कर दिया गया है और वहां आउट साइडर को वर्कआउट नहीं करने दिया जाता है. भारत माता भवन में जिम चल रही थी तो वे प्रतिदिन वर्कआउट करते थे. वर्कआउट नहीं करने से उनकी सेहत में भी इसका असर पड़ रहा है. बता दे कि सरकारी जिमखाना में डे बोर्डिंग एथेलिटिक्स, बैडमिंटन, वॉलीबाल खिलाड़ी के साथ-साथ शहर के कई युवा वर्कआउट करने जाते थे.

क्या कहते हैं अधिकारी जिला खेल पदाधिकारी संजीत कुमार ने कहा कि लोकसभा चुनावों के कारण भवन को खाली कराया गया था. अगले सप्ताह इस भवन में जिम को फिर से चालू करा दिया जायेगा.

कांग्रेसियों ने राहुल गांधी का जन्मदिन मनाया

संवाददाता। लातेहार

जिला युवा कांग्रेस के द्वारा बुधवार को राहुल गांधी का जन्मदिन स्थानीय परिसदन भवन में मनाया गया. इस मौके पर सदर अस्पताल के मरीजों के बीच फलों का वितरण किया गया. जिलाध्यक्ष अमित यादव ने कहा की राहुल गांधी हमेशा गरीबों, किसानों,बेरोजगार युवाओं के हक के लिए लड़ते आ रहे हैं. साजन कुमार ने कहा कि राहुल गांधी हमारे मार्गदर्शक हैं और उनका जन्मदिन को हमलोग खास बनाना चाहते हैं. विधानसभा अध्यक्ष टिंकू बाबू ने कहा कि राहुल गांधी आज युवाओं के सबसे प्रिय नेता है. मौके पर जिला महासचिव इमरान अंसारी, सकलदीप उरांव, सहजाद जी,कुलदीप यादव,ललित उरांव व फूलचंद यादव आदि मौजूद थे. इधर कांग्रेस युवा कमेटी, मनिका के तत्वाधान में भी मनिका में कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष मिथिलेश पासवान के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी का जन्म दिवस मनाया गया. इस मौके पर कांग्रेसियों ने केक काटा और उनके दीर्घायु होने की कामना की. इसके बाद ग्रामीणों के बच मिठाइयां बांटी गयी. मौके पर मिथिलेश पासवान ने कहा कि राहुल गांधी इस चुनाव में एक सशक्त नेता हो कर उभरे है. आज वे युवाओं के सबसे करीब के नेता है. काग्रेस पार्टी और गांधी परिवार के योगदानों को देश कभी नहीं भूला सकता है. उन्होंने कांग्रेस के नीति व सिद्धांतों को गांव गांव पहुंचाना है.

राहुल गांधी का जन्मदिन मनाते जिला युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता.

न्यूज अपडेट

बरवाडीह में 176 साइकिलों का वितरण

बरवाडीह (लातेहार)। जिला कल्याण विभाग के द्वारा उन्नति का पहिया योजना के तहत प्रखंड के 176 छात्र व छात्राओं के बीच साइकिल वितरण किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर अतिथि जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर, बीडीओ रेखा रेशमा मिंज, सीओ मनोज कुमार, प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष नसीम अंसारी और विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह ने संयुक्त रूप से साइकिल वितरण कर किया. साइकिल वितरण इस वर्ष के कक्षा आठ से नौ में गये प्रखंड के बरवाडीह, खुरा, छेचा व मंगरा पंचायत के विद्यालय के छात्र व छात्राओं के बीच किया गया.

साइकिल वितरण करते अतिथि.

47 करोड़ की लागत से बनेंगी 29 सड़कें

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद विधायक कमलेश सिंह की अनुशंसा पर फरवरी 2024 में स्वीकृत हुसैनाबाद, हैदरनगर, मोहम्मदगंज, हरिहरगंज व पिपरा की 29 ग्रामीण सड़को के जीर्णोद्धार कार्य की निविदा का प्रकाशन ग्रामीण कार्य विभाग डाल्टनगंज ने किया है. इन सड़को का निर्माण हो जाने से अधिकांश गांव की सड़क समस्या का समाधान हो जाएगा. विधायक कमलेश कुमार सिंह ने कहा कि पूर्व में 60 से अधिक सड़कों में कुछ का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, कुछ का काम प्रगति पर है. उन्होंने कहा कि 29 ग्रामीण सड़को की निविदा के बाद अधिकांश गांव की समस्या दूर हो जायेगी. श्री सिंह ने बताया कि 29 सड़कों में हैदरनगर की सात, हुसैनाबाद की छह, मोहम्मदगंज की दो, पिपरा की पांच व हरिहरगंज की आठ सड़के शामिल है.

- फरवरी में मिली थी प्रशासनिक स्वीकृति
- चुनाव की वजह नहीं निकल पाई थी निविदा

दिव्यांग छात्रा को घर जाकर सौंपा प्रमाण पत्र

हुसैनाबाद(पलामू)। दिव्यांग बच्चों के प्रति समर्पित रिसोर्स शिक्षक बीआरसी हुसैनाबाद के बिनोद कुमार ने दिव्यांग छात्रा जीनत बानो को आठवीं कक्षा में ए ग्रेड से उतीर्ण होने पर उसके घर जाकर मार्कशीट और स्थानांतरण प्रमाण पत्र सौंपा. जीनत गृह आधारित शिक्षा अन्तर्गत रा उ म विद्यालय की छात्रा है. इस दौरान बिनोद कुमार जीनत बानो के अभिभावक से भी मिले और जीनत की उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया. रिसोर्स शिक्षक बिनोद कुमार ने कहा कि हुसैनाबाद के सभी दिव्यांग बच्चों को अच्छी और उच्च शिक्षा प्राप्त हो और सभी को हर तरह की सुविधा मिले ऐसा वह चाहते हैं.

प्रमाण पत्र देते अधिकारी.

शिक्षा में दिव्यांगता बाधक नहीं बने: सतोषी

बरवाडीह (लातेहार)। प्रखंड संसाधन केंद्र, बरवाडीह के परिसर में समग्र शिक्षा कार्यक्रम के तहत स्कूली बच्चों का दिव्यांता जांच शिविर का आयोजन किया गया. इसका उदघाटन जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर और प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी नागेद्र प्रसाद ने सयुंक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. जांच शिविर में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के 50 से अधिक बच्चों की दिव्यांगता जांच की गयी और उन्हें उन्हें सरकार के द्वारा मिलने वाली यंत्र व अन्य सामग्रियों के लिए चिन्हित किया गया. जांच शिविर में छह श्रवण यंत्र और एक ट्राइसाइकिल समेत स्टिक व जूतों का वितरण अतिथियों ने किया.

ट्राईसाइकिल के साथ लाभुक.

50 लाभुकों को दिए गए बत्तखों के चूजे

लातेहार। सदर प्रखंड के पशु चिकित्सालय परिसर में बुधवार को मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत 50 लाभुकों के बीच बत्तख के चूजों का वितरण किया गया. पशु चिकित्सक डॉ रवि नंदन ने बताया कि सदर प्रखंड के तरवाड़ीह, कोने, बिनगाड़ा, सासंग,आरागुंडी व भुसूर आदि गांव के 50 लाभुकों के बीच 90 और 70 प्रतिशत अनुदान पर बत्तख के चूजा वितरण किया गया है. उन्होंने बताया कि सभी बतख के चूजे 15 दिन के है. इसके अलावा चूजों के बचाव के लिए दवाइयों का विवरण भी किया गया है. मौक़े पर प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी हरेंद्र पाल भगत, विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर यादव आदि थे.

बत्तख चूजों का वितरण करते अधिकारी.

पंसस ने साइकिलों की गुणवत्ता पर सवाल उठाया

लातेहार। झारखंड सरकार के कल्याण विभाग की उन्नति का पहिया योजना के तहत इस वर्ष कक्षा आठ से नौ में गयी छात्रों को को साइकिल का दिया जा रहा है. लातेहार प्रखंड कार्यालय में भी बुधवार को साइकिलों का वितरण किया गया. हालांकि वितरण कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख समेत अन्य जनप्रतिनिधियों को शामिल नहीं किये जाने से जन प्रतिनिधियों में आक्रोश है. वहीं कई जन प्रतिनिधियों ने साइकिल की गुणवत्ता पर सवाल उठाया है. धनकारा पंचायत की पंचायत समिति सदस्य उषा देवी ने कहा कि यह सरकार का महत्वपूर्ण योजना है. छात्रों को साइकिल दिया जाना है.

साइकिल दिखाती पंसस उषा देवी.

आर्ट ऑफ लिविंग ने मंडल कारा में योगाभ्यास कराया

लातेहार। आर्ट ऑफ लिविंग के तत्वावधान में बुधवार को स्थानीय मंडल कारा के सभागार में योगाभ्यास कराया गया.आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक सह जिला समन्वयक मुकेश पांडेय व डा उमेश कुमार के नेतृत्व में 100 से अधिक विचाराधीन कैदियों ने प्रशिक्षण शिविर मे योगाभ्यास किया. शिविर में योगा अभ्यास के दौरान ताड़ासन, अर्धचक्रासन, अर्ध उष्ट्रआसन, पादहस्तासन, उत्तानमंडूकासन समेत कई आसन एवं योग क्रियाओं की जानकारी दी. श्री पांडेय ने कहा कि योग करने से शरीर स्वस्थ्य रहता है. हमें योग को अपने जीवन शैली में उतारना चाहिए. उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व योग के महत्व को मान रहा है. भारत के पहल पर ही आज 21 जून को पूरे विश्व में योग दिवस मनाया जाता है. उन्होंने विचारधीन बंदियों को नियमित योग करने की सलाह दी और कहा कि योग से शरीर में एक सकारात्मक उर्जा व सोंच का विकास होता है.

योगाभ्यास करते लोग.

ब्रीफ खबरें

पौधों के जड़ के पास की मिट्टी काटी, सूख गए पौधे

चंदवा (लातेहार)। पर्यावरण संतुलन के लिए सरकार के द्वारा बड़ी संख्या में पौधरोपण किया जाता है. लेकिन उसकी देखभाल भगवान भरोसे ही रहती है. चंदवा वन क्षेत्र के दामोदर-महुआमिलान सड़क के किनारे लगे सैकड़ों पौधे सूख कर नष्ट होने के कगार पर है. पौधे की जड़ के किनारे की मिट्टी काट कर निकाल ली जा रही है और पौधे की रक्षा के लिए लगाए गए बांस के सुरक्षा घेरा को भी तोड़ दिया जा रहा .है ऐसे में सरकार को एक ओर जहां लाखों रुपये की क्षति हो रही है वहीं दूसरी ओर पर्यावरण पर भी इसका प्रभाव पड़ेगा. इस संबंध में चंदवा रेंजर नंदकिशोर महतो ने कहा कि मुझे अभी इसकी जानकारी नही है.

डंडई में अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को किया जब्त

डंडई। डंडई थाना क्षेत्र के सोनेहारा गांव से डंडई पुलिस ने बुधवार को बालू लदा एक ट्रैक्टर को जप्त किया है. इसकी जानकारी देते हुए थाना प्रभारी जनार्दन राउत ने बताया कि एक अवैध बालू लदा ट्रैक्टर सोनेहारा गांव से गुजर रही थी. पेट्रोलिंग कर रही पुलिस ने ट्रैक्टर को जप्त कर थाने ले लाई. इसकी सूचना अंचलाधिकारी को दी गयी है. साथ ही उन्होंने बताया कि उक्त ट्रैक्टर के बारे में पूछताछ किये जाने पर ड्राइवर द्वारा बताया गया कि यह ट्रैक्टर भंडार निवासी सुदीप सिंह की है.

मादक पदार्थों के खिलाफ चला जागरूकता अभियान

लोहरदगा। मादक पदार्थो के सेवन के विरुद्ध बुधवार को जेएसएलपीएस ने जिले के कुडू, भंडरा एवं किस्को प्रखंड में सखी मंडल की दीदीयों ने जागरूकता अभियान चलाया. अभियान में जीवन में कभी मादक पदार्थों का सेवन नहीं करने की शपथ ली गयी. इसके बाद ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों को जागरूक भी किया गया. तत्पश्चात दीदीयों ने लोगों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि मादक पदार्थों से हमारे जीवन में खुशियां को चकनाचूर कर गम में डूबो देता है.

पिकअप वैन की चपेट में आकर किशोर घायल

कैरो/लोहरदगा। कैरो टाटी चट्टी मुख्य सड़क कैरो प्रखंड क्षेत्र के खंडा महावीर मंदिर लहुरन साहू के घर के पास एक पिकअप वैन ने किशोर को अपने चपेट में ले लिया. जिससे किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया.घायल किशोर की पहचान पवन टाना भगत के रुप में हुई. घटना में नाबालिग के एक पैर टूट गया. मौके पर कैरो थाना पुलिस पहुंचकर बच्चा को इलाज के लिए अस्पताल भेजा एवं पिकअप वाहन चालक को अपने कब्जे में लेकर पूछताछ कर रही है.

राहुल गांधी के जन्मदिन पर युवा कांग्रेस ने किया रक्तदान

लोहरदगा। कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन पर युवा कांग्रेस ने जिला कार्यालय के समीप पौधरोपण और रक्तदान शिविर लगाया. शिविर में 12 युवा साथियों ने 12 यूनिट रक्तदान किया . मौके पर सिद्धार्थ भगत, सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर अमस अंसारी, नकीब अंसारी,जिला सचिव सुहैल अख्तर,जिला महासचिव इमरोज अंसारी, प्रत्यूष पांडे, दीपेश उरांव, वकील खान,विनोद भगत, जाहिद अंसारी, मोबिन अंसारी, सादाब रजा,आसिफ खान, फागु उरांव, असीस लकड़ा, मुराद अंसारी, मनिया कुरैशी, लच्छु उरांव, इमरान अंसारी आदि मौजूद रहे.

लोहरदगा को खेल हब बनाना मेरी दिली इच्छा है : धीरज प्रसाद साहू

लोहरदगा प्रीमियर लीग का फाइनल बारिश के कारण रद्द

संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा प्रीमियर लीग का फाइनल मैच वर्षा के कारण रद्द घोषित कर लोहरदगा लाइन्स और लोहरदगा सुपर किंग क्रिकेट दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया गया. इस अवसर पर वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव, पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू, डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, पी एन सिंह जॉइंट सचिव झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन तथा रणजी खिलाडी आशीष कुमार, अमित कुमार, अशोक यादव, निशीथ जायसवाल समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

इस अवसर पर डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि लोहरदगा का इतिहास जानना चाहिए जब तक कोई अपना इतिहास नहीं जानेगा तब तक इतिहास नहीं रचेगा, लोहरदगा बलदेव साहू महाविद्यालय साहू परिवार ने बनवाया. यहां के बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें. रेलवे की बड़ी लाइन स्व शिव प्रसाद साहू पूर्व सांसद का देन रहा है. कितने मध्य और उच्च विद्यालय खुलवाये, ताकि जिला का विकास हो सके. जिला बनाया ताकि लोग दूर प्रशासनिक सुधार हेतु नहीं जाना पड़े.

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का चयन में पक्षपात और पैरवी से नहीं होना चाहिए. ताकि किस बच्चे में कैसी प्रतिभा है उसे कुंठित न करे, बल्कि प्रोत्साहित करें. खिलाडी भी गंभीरता से खेले और आगे बढे. छोटे से छोटे भी जॉब मिलता है तो कीजिए उसी में मेहनत कीजिए आगे बढ़ेंगे ही जरूर. उन्होंने कहा कि खेल को रोजगार से झारखंड सरकार ने जोड़ा है दो प्रतिशत नौकरी खिलाड़ियों को मिलेगी. इस अवसर पर पूर्व राज्य सभा सांसद सह जिला क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष धीरज प्रसाद साहू ने कहा की लोहरदगा को मेरी दिली इच्छा है की खेल हब बनाया जा सके . इसके किया क्रिकेट स्टेडियम, फुटबॉल स्टेडियम और राइफल सूटिंग सहित अन्य खेलों निमित्त कार्य कर रहा हूं, जनवरी में क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन ऐतिहासिक होगा और आईपीएल के तर्ज पर भारतीय स्तर तथा अंतराष्ट्रीय खिलाडियों से सुज्जित टीमों का खेल लोहरदगा में होगा. जिसका आयोजन भव्य होगा. अगले बार किसी कारणवश खेल का आयोजन स्थगित किया गया था .

विजेता टीमों को पुरस्कृत करते मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, धीरज साहू .

खास बातें

- लोहरदगा लाइन्स और लोहरदगा सुपर किंग संयुक्त विजेता घोषित
- लोहरदगा के विकास में साहू परिवार का बड़ा योगदान रहा है: डॉ उरांव

मादक पदार्थों के विरुद्ध एक सप्ताह तक चलेगा जागरूकता अभियान

लोहरदगा जिला को नशामुक्त बनाना प्राथमिकता है : डीडीसी

खास बातें

- जिले के सभी प्रखंडों में चलेगा जनजागरुकता अभियान
- डीडीसी ने जागरूकता रथ को दिखायी हरी झंडी

संवाददाता। लोहरदगा

जिले को नशामुक्त बनाने की दिशा में अभियान की शुरूआत के रूप में सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय की ओर से जागरूकता रथ को डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया. इस मौके पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि राज्य सरकार ने पूरे राज्य को नशामुक्त बनाये जाने का संकल्प लिया है. इस दिशा में जिला प्रशासन लोहरदगा की ओर से लोहरदगा जिला में भी जागरूकता अभियान 19 से 26 जून 2024 तक जिला स्तर से लेकर प्रखण्ड व पंचायत स्तर तक चलाया जाएगा. इस अभियान में महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सूचना एवं जनसम्पर्क, नगर परिषद, पुलिस विभाग, जेएसएलपीएस के अलावा कई संस्थाएं भी अपने-अपने स्तर से जागरूकता अभियान में शामिल होंगे.

नशे की लत में आसानी से जकड़ रहे हैं बच्चे : उप विकास आयुक्त ने कहा कि आजकल सोशल मीडिया के दौर में बच्चे आसानी से नशे की लत में जकड़ रहे हैं. उन्होंने कहा कि किशोरों में आज यह तेजी से बढा है. लोहरदगा जिला प्रशासन ने यह संकल्प लिया है कि लोहरदगा जिला में मादक पदार्थों के इस्तेमाल पर रोक लगाई जाए, ताकि नशे से छुटकारामिल सके. स्कूल व कॉलेज में भी यह जागरूकता अभियान चलाया जाएगा जिसमें युवाओं को जागरूक करने में मदद मिलेगी. यह अभियान एक सप्ताह चलेगा. अगर कोई नशा के प्रभाव में बच्चे, युवा या कोई व्यक्ति पाया जाता है उन्हें नशामुक्त किया जाएगा.

जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते डीडीसी.

नौनिहालों का भविष्य संवारने में मददगार साबित होगा आंगनबाड़ी केंद्र : सीता पुष्पा

लोहरदगा। जिला के डीएमएफटी मद से पेशरार प्रखंड के सहेदापाट में तैयार आंगनबाड़ी केंद्र भवन का शुभारंभ बुधवार को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सीता पुष्पा द्वारा किया गया . शुभारंभ के उपरांत जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सीता पुष्पा ने आंगनबाड़ी केंद्र के लाभार्थियों को मादक पदार्थों के इस्तेमाल के विरूद्ध चलाये जा रहे जागरूकता अभियान के बारे जानकारी दी गई . पदाधिकारी ने विभाग की योजनाओं यथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सावित्री बाई फुले योजना, शून्य से पांच वर्ष के बच्चों की वृद्धि निगरानी, आधार सत्यान आदि की जानकारी दी गईं . इधर आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन के पश्चात जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सीता पुष्पा ने कहा कि नव निर्मित आंगनबाड़ी केंद्र क्षेत्र के नौनिहालों का भविष्य संवारने में काफी मददगार साबित होगा . मौके बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कर्मी उपस्थित थे .

किस प्रखंड में कब चलेगा जागरूकता रथ

सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय की ओर से जागरूकता रथ लोहरदगा जिला अंतर्गत कैरो प्रखण्ड में 20 जून को एवं 21 जून को किस्को प्रखण्ड और 22 जून को कुडू प्रखण्ड व 23 जून को भंडरा प्रखण्ड में जागरूकता रथ द्वारा लोगों को जानकारी दी जाएगी . इसी तरह 24 जून को पेशरार प्रखण्ड और 25 जून को सेन्हा प्रखण्ड एवं 26 जून को कुडू प्रखण्ड में जागरूकता रथ भ्रमणशील रहेगा . कार्यक्रम में अपर समाहर्ता जीतेंद्र मुण्डा, डीसीएलआर सुजाता कुजूर, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी शिवनंदन बड़ाईक, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी आकाश सिंह, जिला खेल पदाधिकारी उपवन बड़ा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी ज्ञान शंकर जायसवाल समेत अन्य पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे .

नप प्रशासन ने चलाया अतिक्रमण मुक्त अभियान

लोहरदगा। शहरी क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न इलाकों में प्रशासन द्वारा अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाए जाने से दुकानदारों और शहर वासियों में हड़कंप मच गया. यहां पर नगर परिषद क्षेत्रान्तर्गत पुराना नगर परिषद, सोमवार बाजार, बड़ा तालाब होते हुए अपर बाजार तक अतिक्रमण मुक्त हेतु अभियान चलाया गया. जिसमें नाली एवं सड़क पर जिन दुकानदारों के द्वारा अतिक्रमण किया गया है उसे मुक्त कराते हुए अंतिम चेतावनी दी गई और दंड शुल्क भी वसूला गया. उक्त अतिक्रमण में नगर प्रबंधक विजय कुमार, अनिल उरांव, कनीय अभियंता सुशील कुमार, विक्रम कुमार, आलोक कुमार, अभिषेक कुमार तथा नगर परिषद के कर्मी उपस्थित थे.

झामुमो ने मझिआंव में बदला अपना अध्यक्ष और सचिव

मझिआंव। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा ने मझिआंव प्रखंड के अपने अध्यक्ष और सचिव को बदल दिया है. जिला सचिव मनोज ठाकुर ने मनोनयन पत्र जारी करते हुए तलसबरिया पंचायत के सेमरहत गांव निवासी सैईयद अंसारी को प्रखंड अध्यक्ष एवं ग्राम खरसोता के टोला झिना निवासी अनिल कुमार रवि को प्रखंड सचिव के पद पर मनोनीत किया है. साथी कहा गया है कि नए मनोनीत प्रखंड अध्यक्ष एवं सचिव अपनी क्षमता एवं कर्मठता का पूर्ण उपयोग करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा की मजबूती के लिए काम करेंगे तथा 15 दिनों के अंदर प्रखंड कमेटी एवं पंचायत कमेटी का गठन कर जिला को सूची सौंपेंगे. नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्ष सैईयद अंसारी एवं प्रखंड सचिव अनिल कुमार रवि ने कहा कि पार्टी उन्हें प्रखंड क्षेत्र के लिए जिम्मेदारी दी है.

ऊर्जा संरक्षण व जल संरक्षण कार्यक्रम आयोजित

किसान बेहतर खेती कर आर्थिक स्वावलंबी बनें : डॉ हेमंत पांडेय

किसानों को वैज्ञानिक कीट देकर सम्मानित करते हुए.

संवाददाता। किस्को/लोहरदगा

जिले के झारखंड ग्रामीण बैंक किस्को के बगल में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में जरेड़ा झारखंड सरकार के द्वारा ऊर्जा संरक्षण व जल संरक्षण कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. मौके पर कृषि वैज्ञानिक डॉ हेमंत कुमार पांडे, डॉ राकेश रंजन, मुकेश कुमार, जीतेंद्र सिंह चौहान, चिरंजीवी सिंह के अलावे परहेपाट पंचायत के भूतपूर्व मुखिया सुखमनी लकड़ा के द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुरूआत किया गया. जिसके बाद योजना से संबंधित फाइल देकर कृषि वैज्ञानिक डॉ हेमंत कुमार पांडे सहित किसानों को सम्मानित किया गया. वहीं कार्यक्रम में ऊर्जा संरक्षण और जल संरक्षण बचाने के तरीके बताकर किसानों को जागरूक किया गया . इस बीच किसानों को वैज्ञानिक डॉ हेमंत कुमार पाण्डेय ने संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र के किसान बेहतर खेती कर आर्थिक स्वावलंबी बने इसके लिए शुरू से ही कृषि विज्ञान केन्द्र जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर किसानों को वैज्ञानिक विधि से खेती करने हेतु जानकारी देते रही है . मौके पर कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसान मौजूद थे.

तीन दिवसीय निपुण समागम का आयोजन 2 जुलाई से

बुनियादी शिक्षा को बढ़ावा देना उद्देश्य: डीईईओ

संवाददाता। लोहरदगा

निपुण भारत मिशन कार्यक्रम के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राज्य स्तर पर तीन दिवसीय निपुण समागम 2024 का आयोजन चार जुलाई तक किया जाना है. इस समागम राज्य के सभी 24 जिलों द्वारा टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मैटेरियल्स) प्रदर्शनी लगायी जानी है. इस समागम का मुख्य उद्देश्य राज्य में बुनियादी शिक्षा एवं साक्षरता के प्रति शिक्षकों एवं समुदाय को जागरूक करते हुए जिसके सभी कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थियों को निपुण बनाना है.

राज्य स्तरीय समागम की सफलता पूरी तरह से जिलों की प्रतिभागिता एवं जिलों के द्वारा लगाये जाने वाले प्रदर्शन पर निर्भर करती है. जिला स्तर पर समयबद्ध तरीके से 19 से 22 जून तक जिला स्तरीय स्तरीय चार दिवसीय की एलटीएम निर्माण कार्यशाला आयोजित कर टीएलएम निर्माण करते हुए जिला स्तरीय निपुण समागम टीएलएम मेला की तैयारी सुनिश्चित करने की दिशा में किया गया कार्य है.

चार दिवसीय टीएलएम निर्माण कार्यशाला शुरू : इधर लोहरदगा जिला अंतर्गत कुड़ प्रखंड क्षेत्र के डाएट चिरी में जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला कार्यक्रम पदाधिकारी नीलम आईलिन टोप्पो ने दीप प्रज्ज्वलित कर चार दिवसीय टीएलएम निर्माण कार्यशाला का उद्घाटन किया. कार्यशाला की सफलता हेतु अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि इसमें भाग लेनेवाले शिक्षकों के द्वारा इस प्रकार का टीएलएम निर्माण करें जिसमें पूर्व, प्राथमिक एवं प्राथमिक कक्षाओं में अध्ययनरत बच्चे सरलतम तरीके से बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान को रोचकता के साथ सीख सकें. मौके पर अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा ने कर्यशाला कहा कि सभी प्रतिभागी शिक्षक अपने विद्यालय के बच्चों की स्तर को दृष्टिपथ रखते हुए सरल गतिविधि आधारित टीएलएम को निर्माण करें. ये तीन क्षेत्र क्रमशः भाषा हिंदी व अंग्रेजी जनजातीय भाषा कुडुख, संख्या ज्ञान विषय से संबोधित टीएलएम निर्माण किया जाना है.

कार्यशाला का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ करती डीईईओ.

न्यूज अपडेट

मानसिक व शारीरिक सुख के लिए योग करें:सुधा झा

लोहरदगा। स्वामी राम देव जी महाराज एवं प्रधानमंत्री के प्रयास से अंतराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन पूरे विश्व में सफलीभूत हुआ है. इसी क्रम में महिला पतंजलि योग संगति झारखण्ड-बिहार एवं पश्चिम बंगाल की राज्य प्रभारी सुधा झा का आगमन बुधवार को लोहरदगा जिले मे हुआ. मौके पर सैकडों महिलाओं द्वारा मंत्रोच्चार और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. मौके पर जय श्रीराम समिति की सुषमा सिंह एवं समाजसेवी जयसवाल, राज्य कार्यकारिणी सदस्य प्रतिमा देवी द्वारा अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ के माध्यम से किया गया.

आगमन पर समिति के अन्य लोग मौजूद.

विधायक ने चार पंचायतों के कार्यकर्ताओं संग की बैठक

सिमडेगा। कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने विधानसभा क्षेत्र के जलडेगा प्रखंड के चार पंचायतों परबा, टाटी, कुटुंगिया एवं ओड़गा के कार्यकर्ताओं संग लोक सभा चुनाव का समीक्षा बैठक की. जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सुशील जड़िया ने किया. कहा कि हमारे लोगों ने भारत के संविधान को बचाने और आरक्षण को समाप्त करने वाले लोगों को मुंहतोड़ जवाब देने में सफल हुए. कार्यक्रम में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी जी जन्मदिन मनाया गया. कार्यक्रम को अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि रावेल लकड़ा, विधायक प्रतिनिधि नेलन तोपनो अर्जुन होरो आदि ने भी संबोधित किया.

कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते विधायक.

हर घर नल जल योजना में बड़े पैमाने पर अनियमितता

भवनाथपुर। प्रखंड अंतर्गत बनसानी पंचायत के जिरहुल्ला टोला में सरकार की महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल जल योजना निर्माण में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी एवं अनियमितता बरती गई है. उक्त योजना के संवेदक द्वारा तो बोरिंग कर जलमीनार तो खड़ा कर दिया गया है, लेकिन टोला के किसी घर में पाईप लाईन नहीं बिछाया गया है, जिस कारण उस टोले के लोगो के घरों में इस तपिश भरी प्रचंड गर्मी में जल की एक बूंद भी नसीब नहीं हो पा रही है. संवेदक द्वारा की गई भ्रष्टाचार को लेकर पंचायत के मुखिया पति राजेश्वर पासवान, उपमुखिया अवधेश यादव, ग्रामीण नीरज मेहता, आनंद मेहता, अजय मेहता, धर्मेंद्र ठाकुर, नीतीश, रविंद्र वैद्य, प्रणय मेहता, अखिलेश मेहता, राजकुमार ठाकुर, रामजन्म मेहता, जगत मेहता, मनोज मेहता, विशेश्वर यादव, अजीत यादव, सुरेश प्रजापति, रामकुमार मेहता आदि ने बताया कि जिरहुल्ला में नल जल योजना के तहत पांच जलमीनार लगा हुआ है.

कोरम के अभाव में जिला परिषद की बैठक स्थगित

सिमड़ेगा। जिला परिषद अध्यक्षा रोज प्रतिमा सोरेंग की अध्यक्षता में बुधवार को होने वाली जिला परिषद बोर्ड की मासिक बैठक कोरम के अभाव में स्थगित कर दिया गया.बताया जाता है कि बैठक में भाग लेने के लिए जिप सदस्य और प्रमुख नहीं पहुंचें . विधायक और संसद प्रतिनिधि पहुंचें. जिससे जिप के सचिव सह डीडीसी संदीप कुमार दुरईबुरू ने कोरम पूरा नहीं होने के कारण बैठक को स्थगित कर दिया है. डीडीसी ने बताया कि बैठक के लिए सभी जिला परिषद एवं प्रमुख के सदस्यों की संख्या कोरम के अनुरूप नहीं थी. इसके कारण बैठक को स्थगित कर दिया गया है. इधर जिप कार्यालय परिसर में उपस्थित होने के बावजूद बैठक में शामिल नहीं होने वाली सदर प्रखंड की जिप सदस्य शांति बाला केरकेट्टा और जलडेगा प्रखंड की जिप सदस्य रोजालिया शांत कंडुलना बैठक में शामिल नहीं हुई.

लोहरदगा जिला परिषद भवन.

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी को लेकर सीजेएम ने की बैठक

लोहरदगा। 13 जुलाई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन को लेकर बुधवार को लोहरदगा के सभी थाना प्रभारियों के साथ सीजेएम कृष्णकांत मिश्रा ने बैठक की . बैठक में, वरीय सिविल जज अर्चना कुमारी, डालसा सचिव राजेश कुमार, न्यायिक मजिस्ट्रेट जया स्मिता तिर्की एवं अनुमंडलीय न्यायिक मजिस्ट्रेट अमित कुमार गुप्ता मौजूद थे .पुलिस पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए सीजेएम ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित एक्शन प्लान के तहत जिन दांडिक वादों को चिन्हित किया गया है . उनसे संबंधित अभियुक्त एवं गवाहों को स- समय न्यायालय में उपस्थित कराना सुनिश्चित करें.

तैयारी को लेकर बैठक करते सीजीएम.

स्वास्थ्य विभाग ने छात्राओं की हुई सिकल सेल जांच

भंडरा/लोहरदगा। विश्व सिकल सेल दिवस के उपलक्ष्य पर भंडरा प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में छात्रों का सिकल सेल जांच किया गया. इस दौरान लाल बहादुर शास्त्री 2 उच्च विद्यालय भंडरा, राजकीय 2 उच्च विद्यालय ब्राह्मणडीहा, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय भंडरा, राजकीय मध्य विद्यालय अम्बेरा इत्यादि विद्यालयों के छात्रों का जांच किया गया. इस मौके पर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में करीब 4 हजार छात्र-छात्राओं का सिकल सेल जांच किया गया. मौके पर स्वास्थ्य विभाग के एमपीडब्ल्यू रामकुमार महतो ने सिकल सेल के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि सिकल सेल अनुवांशिक रोग होता है जब तक खून की जांच नहीं कराई जाए तब तक रोग का पता नहीं चलता.

स्कूल में विद्यार्थियों का स्वास्थ्य जांच करते कर्मी.

अतिक्रमण हटाओ अभियान में 26.7 हजार का वसूला जुर्माना

गुमला। नगर परिषद के प्रशासक दिलीप कुमार के नेतृत्व में बुधवार को गुमला के पालकोट रोड में अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया गया. पुगू नदी से नगर परिषद कार्यालय तक चले अभियान में 26 हजार सात सौ रुपये जुर्माना वसूला गया और दुकानदारों को अतिक्रमण मुक्त करने की चेतावनी दी. बड़ी कार्रवाई करते हुए नगर प्रशासक ने आदित्य विजन पर पांच हजार का जुर्माना लगाया. इसके पास ट्रेड लाइसेंस नहीं है. जुर्माना देने से इंकार करने पर सील करने की चेतावनी दी. इसके बाद प्रबंधक ने पांच हजार रुपये का जुर्माना जमा किया. सड़क किनारे लगे पटियाला हाउस को सोलह सो का जुर्माना लगाते हुए दुकान को हटाने का निर्देश दिया. यह होटल सड़क के किनारे हैं. पालकोट रोड में हो रहे गृह निर्माण कार्य में मेटेरियल को सड़क में भंडारण मामले में भी जुर्माना किया .

पटियाला हाउस से अतिक्रमण हटाने पहुंचा दल.

समस्या तेतरपोका गांव में शोभा की वस्तु बनकर रह गई जलमीनार

बूंद-बूंद पानी को तरस रहे ग्रामीण, विभाग मौन

शकील अहमद। भंडरा/लोहरदगा

लोहरदगा जिला में एक ओर हिटवेव से लोगों को मुश्किलों में लाकर खड़ा कर दिया है तो दूसरी ओर जिले के भंडरा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत भीठा के तेतरपोका गांव में लाखों रुपये से बनी जलमीनार बेकार साबित हो रहा है.करीब दो वर्ष से प्यासे लोगों की प्यास बुझाने के बदले खुद प्यासा है. उक्त जलमीनार सिर्फ शोभा का वस्तु बनकर बंद पड़ी हुई है, जिससे तेतरपोका वासी इस भीषण गर्मी में पानी के लिए त्राहिमाम हैं. लेकिन विभागीय पदाधिकारी और कर्मी पूरी गर्मी में अनजान ही बने हुए हैं. कुछ वर्ष पूर्व भीठा पंचायत अंतर्गत तेतरपोका में पानी की किल्लत को दूर करने के उद्देश्य से लाखों रुपये की लागत से जलमीनार का निर्माण कार्य कराया गया था, ताकि हर किसी को प्रयुक्त मात्रा में पीने की पानी मिल सके, लेकिन ऐसा हुआ नहीं.

यहां पर पानी का एक बूंद भी निर्माण काल से उक्त जलमीनार से पानी. इससे यह प्रतीत होता है कि सरकार की राशि को कैसे बंदरबांट कर विभागीय पदाधिकारी और कर्मी एवं संवेदक भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का कार्य किए हैं. बता दें कि भंडरा के तेतरपोका में निर्मित जलमीनार बीते दो वर्षों से महज शोभा की वस्तु बनी हुई है, जिसके कारण दरवाजा, खिड़की, मोटर भी चोरी हो गई है. बता दें कि भीठा पंचायत या फिर आस-पास के गांवों में पानी की समस्या अत्यंत विकराल है. हर कोई पानी के अभाव के कारण तालाब, कुआं के दूषित पानी पीते और नहाते हैं. यहां ज्यादा आबादी वाले गांव होने के कारण हर दिन पानी की खपत ज्यादा होती है, लेकिन फिर भी पदाधिकारी देखकर ही रह जाते हैं.

भंडरा के तेतरपोका गांव में निर्माण के बाद से बेकार पड़ा जलमीनार.

ग्रामीणों का कहना है

लोहरदगा जिला अंतर्गत ग्राम तेतरपोका के ग्रामीण कमाल खान का कहना है कि जलमीनार बनने के बाद उम्मीद जगी थी कि पानी की समस्या से अब हमें निजात मिलेगी, लेकिन उम्मीद के बिल्कुल उल्टा हुआ . वहीं ग्रामीण नसीम मिरदाहा ने कहा कि इस भीषण गर्मी में पानी के लिए लोग त्राहिमाम हैं फिर भी विभाग सोया हुआ है . इधर मामले को लेकर रमजान अली ने कहा कि जलमीनार का निर्माण कार्य के बाद से ही पानी आपूर्ति बाधित रही है, इसका मुख्य कारण विभागीय लापरवाही है .

ग्रीन लोहरदगा की कामयाबी के लिए इमरजेंसी केयर जरूरी : डॉ रामेश्वर

संवाददाता। लोहरदगा

रक्तदान और स्वास्थ्य सेवाओं की अग्रणी संस्था इमरजेंसी केयर अब प्रकृति संरक्षण और लोहरदगा को हरा-भरा रखने की दिशा में अपना योगदान देगी. उपाध्यक्ष जय प्रकाश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रीन लोहरदगा कैंपेन के तहत विभिन्न क्षेत्रों में एक हजार पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया. जिसकी शुरूआत मंत्री रामेश्वर उरांव, पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू, डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, अशोक यादव, निशीथ जायसवाल के द्वारा एक-एक पौधा बलदेव साहू महाविद्यालय परिसर में लगाकर किया गया. इस बीच मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने इमरजेंसी केयर के सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वर्तमान में पेड़ लगाना और बचाना हम-सब का दायित्व है. इस मुहिम में ज्यादा से ज्यादा लोग जुडें, लगातार जंगल का कटना भी एक गंभीर मुद्दा है. वहीं पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने पौधा लगाया, उसको सींचा और कहा कि लोहरदगा जिला जितना खूबसूरत शहर आस-पास देखने को नहीं मिलेगा. यहां का नजारा और प्राकृतिक छटा बड़े-बड़े शहरों और हिल स्टेशन के समकक्ष है.

लोहरदगा जितना खूबसूरत शहर आस-पास देखने को नहीं मिलेगा:साहू

पौधरोपण करते वित्त मंत्री, पूर्व सांसद व अन्य.

मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता रथ को उप विकास आयुक्त प्रेरणा दीक्षित ने किया रवाना

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में होंगे जागरूकता कार्यक्रम

संवाददाता। हजारीबाग

जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त नैंसी सहाय के निर्देशानुसार 19 जून से 26 जून तक मादक पदार्थों के विरुद्ध जिले में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा. इस निमित्त बुधवार को समाहरणालय परिसर से उप विकास आयुक्त प्रेरणा दीक्षित ने हजारीबाग नशा मुक्त जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. मौक़े पर समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खलखो, सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी निवेदिता रॉय, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार उपस्थित रहे. इस दौरान उप विकास आयुक्त ने कहा कि, मादक निषिद्ध पदार्थों का दुरुपयोग को कम करने, इसके व्यापार में संलिप्त तस्करों तथा

नशा मुक्ति रथ को रवाना करतीं उप विकास आयुक्त प्रेरणा दीक्षित.

उपयोकर्ताओं के विरुद्ध सख़्त कानूनी कारवाई के साथ-साथ समाज को, विशेषकर किशोर तथा युवा वर्ग को इसके दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित राज्यव्यापी जागरूकता कार्यक्रम जिले में भी संचालित किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जिला एवं प्रखंड स्तर पर कार्यशाला, विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम जिसमें बाजार-हाट आदि में नुक्कड़ नाटक, जागरूकता कार्यक्रम सहित विद्यालय स्तर पर क्विज व निबंध लेखन आदि विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं संचालित की जाएगी, जिसमें सभी की सहभागिता अपेक्षित है. उन्होंने कहा कि अभियान के सफल क्रियान्वयन में प्रशासन का सहयोग करें ताकि युवा वर्ग तथा अगली पीढ़ी को नशे की गिरफ्त में जाने से रोजा जा सकें. साथ ही मादक प्रदार्थों के सेवन के दुरुपयोग से लोगो को अवगत कराया जा सकें.

नशे को ना, जिंदगी को हां

- 18 वर्ष से कम आयु को मादक पदार्थ की बिक्री गैरकानूनी है.
- शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर के क्षेत्रफल में मादक पदार्थ की बिक्री गैरकानूनी है. नशीले पदार्थ की गैर कानूनी तरीके से खेती दंडनीय अपराध है.
- मादक पदार्थों की खरीद बिक्री करना अपराध है. नशीले पदार्थ की गैर कानूनी तरीके से खेती दंडनीय अपराध है.
- नशीले पदार्थ का उत्पादन, भंडारण, बिक्री, परिवहन उपयोग दंडनीय अपराध है.

कठोर सजा का है प्रावधान

- बीस साल तक की हो सकती है सजा.
- दो लाख या इससे अधिक का हो सकता है जुर्माना.
- कुछ मामलों में मृत्युदंड भी दिया जा सकता है.
- मादक पदार्थ/अफीम की खेती से जुड़ी कोई भी सूचना टोल फ्री नम्बर 112 पर दीजिये.
- ड्रग्स के कारोबार को रोकने के लिए प्रशासन का साथ दीजिये.
- आपके द्वारा दी गयी जानकारी पर त्वरित कार्रवाई होगी, आपकी पहचान गुप्त रखी जायेगी.

चितरपुर में बिजली संकट गहराया, लोग परेशान

रामगढ़। चितरपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है. इससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. एक ओर लोग जहां गर्मी से परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर बिजली की आंखमिचौनी ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं. दिन भर रह-रहकर अचानक बिजली का कट जाना यहां की नियति बन गई है. वहीं रात में लो वॉल्टेज के कारण परेशानी और बढ़ जाती है. बिजली कट जाने से शिक्षण संस्थानों, कार्यालयों व घरों में भी लोगों की फजीहत हो जाती है. इसको लेकर लोग बिजली विभाग को कोसते नजर आते हैं. दिन तो किसी तरह गुजर जाता है, मगर रात के समय बिजली चली जाए तो लोगों के लिए वक्त गुजारना मुश्किल हो जाता है. इस संबंध में चितरपुर पश्चिमी पंचायत के वार्ड सदस्य अनवारूल हसन ने बिजली विभाग से चितरपुर में बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है.

वीरान व सुनसान पड़े पर्यटन स्थल होंगे गुलजार : उपायुक्त

संवाददाता। हजारीबाग

- जिला पर्यटन नोडल पदाधिकारी ने छड़वा डैम, लोटवा डैम, चमेली झरना आदि स्थलों का किया भ्रमण

उपायुक्त नैंसी सहाय के निर्देशानुसार बुधवार को पर्यटन नोडल पदाधिकारी पंकज कुमार तिवारी ने हजारीबाग जिले के रमणीक स्थलों का भ्रमण कर पर्यटन के लिहाज से इन क्षेत्रों में विकास के संभावनाओं के बाबत निरीक्षण किया. उपायुक्त ने कहा है कि पर्यटन की दृष्टि से हजारीबाग जिला में असीम संभावनाएं हैं. यहां के घने जंगल, डैम, नदियां, झरने आदि खूबसूरत वादियों से पटा हुआ है. इन स्थलों को विकसित करने से इन्हें संग्रहित भी किया जा सकेगा. साथ ही साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के द्वार खुल भी जाएंगे. पर्यटन पदाधिकारी ने बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर इन स्थलों पर किए जा सकने वाले कार्यों की विस्तृत सूची उपलब्ध कराई जाएगी. साथ ही इन कार्यों को धरातल पर उतारने के लिए रूप रेखा भी उपायुक्त के निर्देशन में तय की जाएगी. इन सुनसान स्थलों में जानकारी के अभाव में कई युवा झरनों, जलाशयों में डूब चुके हैं, लेकिन अब इन स्थलों को गुलजार बनाने पर जोर दिया जा रहा है. इन स्थलों पर पर्याप्त होर्डिंग्स, साइन साइनेज, मार्गनिर्देशिका भी लगाई जाएगी.

ब्रीफ खबरें

राहुल गांधी के जन्मदिन पर मरीजों की सेवा की

हजारीबाग। कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को रायबरेली से नवनिर्वाचित सांसद राहुल गांधी का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह समेत कई नेता गण और कार्यकर्ता मौजूद रहे. कार्यक्रम के पश्चात मुन्ना सिंह अपने समर्थकों के साथ शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां उन्होंने मरीजों के बीच फल और बिस्किट का वितरण किया और उनका हाल-चाल जाना. मौके पर कांग्रेस महिला जिला अध्यक्ष बेबी देवी, निशार ख़ान, कृष्णा मेहता, विनोद कुशवाहा, बबलू सिंह, सुजीत सिंह, दिनेश यादव, बाबर, कृष्णा, विक्की कुमार धान आदि उपस्थित रहे.

हिंदी की कार्यशाला का आयोजन हुआ

हजारीबाग। दामोदर घाटी निगम की हजारीबाग परियोजना में बुधवार को हिंदी की विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के उप निदेशक निर्मल कुमार दुबे, विशिष्ट अतिथि संजय कुमार, निदेशक (भूसंवि) व परियोजना प्रमुख एवं अध्यक्ष, राभाका समिति अमीत कुमार शील, उप मुख्य अभियंता, टीएससी डॉ. अशोक कुमार, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, दाघानि चिकित्सालय दाघानि, हजारीबाग उपस्थित थे. इस मौके पर वक्ताओं ने राजभाषा अनुभाग द्वारा किए जा रहे प्रयास की सराहना करते हुए आगे भी इसी तरह की कार्यशाला अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु भी आयोजित करने का आग्रह किया.

रेलिंग को काटते चोर को ग्रामीणों ने पकड़ा

चौपारण। प्रखंड में मंगलवार को जहां एक ही रात में प्रखंड के कमलवार और बिसनपुर में बाइक चोरी का मामला प्रकाश में आया. वहीं दूसरे दिन बुधवार को दिन के उजाले में सुनसान सड़क के किनारे लगे रेलिंग को चुराने की घटना को अंजाम दिया जा रहा था. यह देख गांव के कुछ लोगों ने एक चोर को खदेड़ कर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया. बच्छई पंचायत के मुखिया सह प्रखंड मुखीया संघ अध्यक्ष बिरेंद्र रजक ने बताया कि सिंघरावां मोड़ से कारीपहरी पीडब्लूडी की सड़क के किनारे दोनों साइड लगे लोहे के रेलिंग को काट कर चुराया जा रहा था. बुधवार को भी दोपहर के करीब एक चार पहिया वाहन से आकर चार लोग रेलिंग को काट रहा था. यह देख ग्रामीण दौड़े तो चोर गाड़ी लेकर फरार होने लगे. उसी में से एक चोर को खदेड़ कर पकड़ लिया गया.

घर से नकदी सहित आपत्तिजनक सामान बरामद

देह व्यापार में शामिल दो महिलाएं गिरफ्तार

शुभम संदेश इंपैक्ट

संवाददाता। हजारीबाग

जिले में फल फूल रहे देह व्यापार के धंधे पर शुभम संदेश की खबर का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए दो नाबालिग और दो महिलाओं को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है. बाद में दोनों नाबालिग लड़कियों को छोड़ दिया गया. बता दें कि कई मोहल्लों के लोगों की शिकायत पर शुभम संदेश की टीम ने शहर के विभिन्न होटलों व दो नर्सिंग होम की पड़ताल की थी. इस दौरान देह व्यापार के कारोबार को अपने कमरे में कैद किया था. अब इस मामले में बड़ा बाजार पुलिस ने देह व्यापार धंधे में शामिल दो महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने छापेमारी के क्रम में 15, 835 रुपये नकदी के साथ बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक सामान बरामद किया है.

बड़ा बाजार थाना प्रभारी बिट्टू रजक ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र के अंतर्गत बाबा पथ के एक घर में देह व्यापार का धंधा चल रहा है. इसकी सूचना वरीय पदाधिकारी को दी गई. वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर, हजारीबाग कुमार शिवाशीष के नेतृत्व में सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए छापामारी दल का गठन किया गया. छापामारी के दल बाबा पथ उक्त घर के पास पहुंचा तो घर से दो व्यक्ति निकल रहे थे. दोनों व्यक्ति पुलिस पार्टी को देखते ही भागने लगे. पुलिस बल ने उन्हें पकड़ने का भरपूर प्रयास किया, परंतु वे गली मुहल्ले का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गये. घर की घेराबंदी कर विधिवत तलाशी ली गई, जिसमें दो लड़कियां और दो महिलाएं बरामद की गईं. पूछताछ करने पर पता चला कि दोनों लड़कियों को बहला फुसलाकर नौकरी दिलाने के नाम पर जबदस्ती देह व्यापार करवाया जा रहा है. पूछताछ के उपरांत घर की तलाशी ली गई, जिसमें नौ पीस उपयोग किया हुआ कंडोम, 10 पीस थ्रिल कंपनी का कंडोम कवर, नकद 15,835 रुपये, दो मोबाइल फोन, चार पीस लिपिस्टिक, और अन्य सामान बरामद किए गए. छापामारी दल में सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार शिवाशीष, एसआई विंध्यवासनी सिन्हा, थाना प्रभारी, महिला थाना सदर, एसआई बिट्टू रजक, ओपी प्रभारी, बड़ा बाजार ओपी, एसआई कृष्ण गुप्ता, बड़ा बाजार, जेएसआई अजय कुमार बड़ा बाजार, महिला आरक्षी बैन्जती कुमारी महिला आरक्षी राखी सिंह एवं रिजर्व गार्ड बड़ा बाजार शामिल थे.

शुभम संदेश में सोमवार के अंक में प्रकाशित देह व्यापार की खबर .

खास बातें

- शुभम संदेश ने सोमवार के अंक में किया था खुलासा
- पुलिस की कार्रवाई के दौरान दो व्यक्ति भागने में सफल रहे

खबर मिलते ही परासी गांव में सनसनी फैल गई और लोगों में तरह-तरह की चर्चा शुरू हो गई

गांव में मौत किसी की नहीं, लेकिन जले दो शव

संवाददाता। हजारीबाग

- ग्रामीणों के कहने पर पुलिस ने घटनास्थल से चूड़ी, कंगन और चाकू किया बरामद
- गांव के एक व्यक्ति ने अपनी बहू व बेटे की गुमशुदगी का आवेदन पुलिस को दिया

दो शव जलने की सूचना मिलने पर शमशान घाट पर पहुंचे ग्रामीण.

जिले के इचाक थाना क्षेत्र के परासी गांव स्थित निमिया टोला शमशान घाट में दो दिन पहले दो शव जलने के सबूत पुलिस को मिले हैं, जबकि उस गांव के अलावे आसपास में किसी भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई है. इसकी खबर मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई और लोगों में तरह-तरह की चर्चा शुरू हो गई. जानकारी के अनुसार शहर से 20 किलोमीटर दूर इचाक प्रखंड मुख्यालय है.

बताया जा रहा है कि परासी गांव के निमिया टोला शमशान घाट हरिजन समुदाय का है और इस गांव में किसी भी समुदाय के किसी भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई है. इसके बावजूद उक्त शमशान घाट में 14 जून को एक महिला और एक पुरुष के शव जलाए गए हैं. इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि मंगलवार को गांव के कुछ ग्रामीण शमशान घाट के रास्ते से जानवर लेकर जा रहे थे. इसी बीच देखा कि शमशान घाट पर दो शव जलाए गए हैं और घाट को साफ नहीं किया गया. इसके बाद ग्रामीण गांव में पता करने लगे कि आखिर किसकी मौत हुई है. लेकिन किसी की मौत होने की खबर गांव में नहीं मिली. इसके बाद ग्रामीणों इसकी जानकारी पुलिस को दी, लेकिन पुलिस ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया. बुधवार को ग्रामीणों ने पुलिस पर दबाव बनाते हुए घटनास्थल पर जांच करने का आग्रह किया. इसके बाद पुलिस शमशान घाट पहुंची, जहां चूड़ी, कंगन और एक चाकू बरामद किया गया. इसके बाद परासी गांव में रहने वाले लोग अपने-अपने बाहर रहने वाले परिजनों की जानकारी करने लगे. इसके बाद गांव के ही ईश्वर मेहता ने अपनी बहू और बेटा से भी संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली. इसके बाद वह इचाक थाने में गुमशुदगी का आवेदन बुधवार को दिया. इस संबंध में इचाक थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा दी गई जानकारी के बाद पुलिस शमशान घाट पहुंची थी, जहां से चाकू, चूड़ी के अलावा अन्य सामान बरामद किया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. अभी गांव के ही एक व्यक्ति ने अपनी बहू और बेटे की गुमशुदगी का आवेदन दिया है.

पीवीयूएनएल प्रीमियर लीग

बेतला टाइगर्स ने जीता खिताब

रामगढ़। पीवीयूएनएल प्रीमियर लीग (पीपीएल) के फाइनल में बेतला टाइगर्स ने पालामु पैंथर्स को पांच विकेट से हराकर ट्रॉफी जीत ली. यह मैच मंगलवार को पीवीयूएनएल टाउनशिप ग्राउंड में खेला गया. सीईओ आरके सिंह और हेड ऑफ डिपार्टमेंट ने विजेता टीम को सम्मानित किया. नरेंद्र मीना 90 रनों की तूफानी पारी के लिए मैन ऑफ द मैच बने. मैन ऑफ द सीरीज भाविन सोयंतर बने. सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज युवराज सिंह और सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज सेथारामा रेड्डी चुने गए.

गैरमजरुआ जमीन पर सड़क बनाने की शिकायत

संवाददाता। केरेडारी

विधायक अंबा प्रसाद ने ग्रामीणों के साथ मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मुलाकात की.

एनटीपीसी चट्टी बरियातू कोयला खनन परियोजना द्वारा केरेडारी प्रखंड क्षेत्र के ग्राम जोरदाग में बगैर मुआवजा प्रदान किए रैयती जमीन पर ट्रांसपोर्टिंग हेतु सड़क बना दी गई. उक्त मामले को लेकर विधायक अंबा प्रसाद ने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मुलाकात की एवं कंपनी प्रबंधन के खिलाफ शिकायत की. इस दौरान ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल भी साथ मौजूद रहा. विधायक ने बताया कि कोयला ट्रांसपोर्टिंग के लिए ग्राम जोरदाग में कुछ गैरमजरुआ जमीन पर सड़क बना दी गई. मुख्यमंत्री ने उपायुक्त को मामले पर संज्ञान लेते हुए शीघ्र कार्रवाई करने को कहा. इसके आलोक में बृहस्पतिवार को संध्या 4:00 बजे बैठक उपायुक्त की अध्यक्षता में होगी. विधायक ने बताया कि पूरे बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में एनटीपीसी अपने पांव पसार रही है. लोगों के हक अधिकार का हनन किया जा रहा है. कहा कि उनका पूरा परिवार विस्थापितों के हित की लड़ाई लड़ते आया है.

समस्याओं का समाधान करना हमारा कर्तव्य: मनीष जायसवाल

मतदाताओं का आभार जताने पतरातु और भुरकुंडा पहुंचे नवनिर्वाचित सांसद

धन्यवाद यात्रा के दौरान मतदाताओं का आभार व्यक्त करते मनीष जायसवाल.

संवाददाता। रामगढ़

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल ने बुधवार को जिले के बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के पतरातु प्रखंड स्थित पतरातु, भदानी नगर और भुरकुंडा भाजपा मंडल के एक दर्जन से अधिक क्षेत्रों का दौरा कर मतदाताओं का आभार जताया. उन्होंने अपने दौरे की शुरुआत पतरातु डैम स्थित सर्किट हाउस के समीप से की. इसके बाद लबगा, कुरसे, लपंगा, न्यू मार्केट, पतरातु, सौंदा डी, भुरकुंडा छठ मंदिर, भुरकुंडा थाना चौक, जनता टाकीज, बिरसा चौक, पटेल नगर, भुरकुंडा रिभर साइड, बुधबाज़ार, सीसीएल सौंदा कॉपरेटिव, सयाल ज़मुरिया बाज़ार में लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए. सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि आपके अथक परिश्रम और आशीर्वाद की बदौलत ही सांसद बना हूं. आपकी समस्याओं का समाधान बन सकूं, आपके दुःख-सुख का सहभागी बन सकूं, आपके क्षेत्र के विकास के लिए कड़ी बन सकूं इसका प्रयास हमेशा रहेगा.

प्लस टू उच्च विद्यालय इंगुनिया ने जीती अंडर 17 बालक वर्ग की ट्रॉफी

- अंडर 17 बालिका वर्ग में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय मानगढ़ ने जीता खिताब

संवाददाता। चौपारण

सीओ संजय यादव ने फुटबाल में किक मार कर टूर्नामेंट का आगाज किया.

प्रखंड स्तरीय सुब्रोतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन चौपारण सीओ सह प्रभारी बीडीओ संजय यादव, बीईईओ राकेश कुमार सिंह, विधायक प्रतिनिधि मन्टू यादव ने बुधवार को किया. सीओ संजय यादव ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व फुटबाल में किक मार कर टूर्नामेंट का आगाज किया. टूर्नामेंट में अंडर 17 बालक वर्ग व बालिका वर्ग और अंडर 15 की टीमें भाग ले रही हैं. अंडर 17 के बालक वर्ग में उत्क्रमित 2 उच्च विद्यालय इंगुनिया ने उत्क्रमित उच्च विद्यालय टॉइया को 5 - 3 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया. वहीं अंडर 17 बालिका वर्ग में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय मानगढ़ ने परियोजना उच्च विद्यालय पपरो और उत्क्रमित 2 उच्च विद्यालय वृंदा को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया. वहीं अंडर 15 में उत्क्रमित 2 उच्च विद्यालय इंगुनिया को एक ही एक टीम होने के कारण वॉक ओवर देकर विजेता घोषित किया गया. इसके अलावा टूर्नामेंट में उत्क्रमित उच्च विद्यालय 2 दनुवा, उच्च विद्यालय बसरिया सहित कुल आठ टीमों ने हिस्सा लिया. टूर्नामेंट का सफल आयोजन शारीरिक शिक्षक किसन कुमार, प्रदीप साहू, यमुना प्रसाद, दिलीप कुमार और प्रतिमा कुमारी की देखरेख में संपन्न हुआ. वहीं टूर्नामेंट में मैच रेफरी शिक्षक बसंत दास और रिसोर्स शिक्षक गिरधारी महतो थे. बीईईओ ने बताया कि आज की सभी विजेता टीमें जिला स्तरीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी. मौके पर प्रभारी रतन वर्मा, सुरेंद्र दास, कमलेश कमल, जनार्दन वर्मा, मृत्युंजय सिंह, बीपीएम आरिफ आदि उपस्थित थे.

विश्व सिकल सेल दिवस के तहत हुआ कार्यक्रम

खून मानव शरीर के लिए बहुत जरूरी है : उपायुक्त

संवाददाता। रामगढ़

उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को विश्व सिकल सेल दिवस का आयोजन सदर अस्पताल में किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त एवं सिविल सर्जन डॉ महालक्ष्मी प्रसाद ने किया. उपायुक्त ने कहा कि खून मानव शरीर के लिए बहुत जरूरी है. मानव का रक्त लाल उसमें मौजूद आरबीसी की वजह से होता है. सिकल सेल अनीमिया से ग्रसित रोगी के खून में मौजूद आरबीसी का आकार हसुआ की तरह होने लगता है, जिससे शरीर में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता है. यह एक आनुवांशिक रोग है. उपायुक्त ने कहा कि अगर माता – पिता को सिकल सेल अनीमिया है तो पूरी संभावना है कि उनसे जन्मे बच्चे को भी यह रोग हो सकता है. रामगढ़ जिले में अबतक 10 संभावित सिकल सेल अनिमिया के रोगी पाये गए हैं, रोग के सत्यापन हेतु उचस्थ संस्थान रांची भेजा जाएगा. साथ ही वे संभावित रोगी यदि सिकल सेल अनिमिया से ग्रसित होंगे तो नियमानुसार सभी दी जाने वाली सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी. सिविल सर्जन डॉ. महालक्ष्मी प्रसाद ने कहा कि सिकल सेल अनिमिया का इलाज काफी महंगा है. इसलिए सदर अस्पताल व सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर इसकी निःशुल्क जांच होगी.

विश्व सिकल सेल दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ करते उपायुक्त व सिविल सर्जन.

बैठक अनाबद्ध निधि, पर्यटन विकास एवं डीएमएफटी के तहत हो रहे विकास कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा

गोला मगनपुर फिशरी साइट को जिला स्तरीय मत्स्य पालन केंद्र बनाएं

संवाददाता। रामगढ़

उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिले में अनाबद्ध निधि, पर्यटन विकास एवं डीएमएफटी के माध्यम से हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की गई. विकास कार्यों व अन्य योजनाओं के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने स्वास्थ्य व्यवस्था को और भी सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सभी स्वास्थ्य केंद्रों में बायोमेट्रिक अटेंडेंस लगाने एवं सभी स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मियों को बायोमेट्रिक के द्वारा ही अपनी उपस्थिति दर्ज करने का निर्देश दिया. साथ ही उन्होंने जिले के वैसे स्वास्थ्य केंद्रों जहां बिजली सुचारू रूप से उपलब्ध नहीं है वैसे स्वास्थ्य केंद्रों में जल्द से जल्द बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश कार्यपालक अभियंता बिजली वितरण रामगढ़/कुजू को दिया. वहीं उन्होंने सदर अस्पताल रामगढ़ में तैयार मॉड्यूलर ओटी का निरीक्षण कर उसे हैंडओवर करने का निर्देश सिविल सर्जन रामगढ़ एवं पीएमयू टीम को दिया. पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल की समीक्षा के क्रम में उरलूंग एवं आरा जल वितरण योजना की जानकारी कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल रामगढ़ से लिया एवं उसे जल्द से जल्द पूर्ण कर लोगों को पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया.

अनाबद्ध निधि, पर्यटन विकास एवं डीएमएफटी के माध्यम से हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते उपायुक्त.

उपायुक्त ने एजेंसियों के कार्यों की ली जानकारी

बैठक के दौरान उपायुक्त ने डीएमएफटी के तहत संचालित विभिन्न कार्यकारी एजेंसियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली एवं सभी कार्यकारी एजेंसियों को उनके तहत किए जा रहे योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया. साथ ही उन्होंने वात्सल्या धाम और ओल्ड एज होम हेतु स्थल निरीक्षण कर डीपीआर तैयार करने का निर्देश कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल रामगढ़ को दिया. उपायुक्त ने गोला प्रखंड अंतर्गत मगनपुर फिशरी साइट को जिला स्तरीय मत्स्य पालन केंद्र के रूप में विकसित करने हेतु साइट का निरीक्षण कर उसे मत्स्य पालन केंद्र के रूप में विकसित करने का निर्देश जिला मत्स्य पदाधिकारी को दिया. उपायुक्त ने जिले के वैसे स्कूल, जिनमें चहादीवारी नहीं है वहां चहादीवारी के निर्माण हेतु कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यपालक अभियंताओं को कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया.

मुआवजे को लेकर रैयतों ने निकाली बाइक रैली

चतरा। मुआवजे की मांग को लेकर बुधवार को रैयतों ने पत्थलगडा में बाइक रैली निकाली. द्वारी से रोल टू लेन सड़क चौड़ीकरण और पक्कीकरण निर्माण कार्य में अब तक रैयतों को मुआवजा नहीं मिलने से नाराज लोगों ने बाइक रैली निकाली और कहा कि पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल हजारीबाग के जरिये 100 करोड़ की लागत से द्वारी से रोल तक 26 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है. 16 गांव की लगभग 90 एकड़ जमीन चिन्हित की गईहै. चिन्हित जमीन का मुआवजा राशि नहीं दिया गया है और निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है.

खोया-पाया

रामराज गुप्ता, पिता राम प्यारे साव, उम्र 20 साल, पता, बाबा पथ हुरहूरू हजारीबाग का रहने वाला हूं. मेरी **सीबीएसई बोर्ड दसवीं पास की मार्कशीट, 8 जून को विवेकानंद के पास** से गुम हो गई. जिस किसी को यह कागजात मिले वह नजदीकी थाने में जमा कर सकते हैं या फिर भुक्तभोगी रामराज गुप्ता से संपर्क कर सकते हैं.

सम्पर्क करें :
9060947326

सारंडा के जंगलों में अब आखिरी सांसें गिन रहे हैं नक्सली

शैलेश सिंह । किरीबुरु

वर्ष 1980 के दशक में झारखंड आंदोलन के नाम पर समूह में आये बाहरी लोगों द्वारा सारंडा जंगल को काट रिजर्व वन भूमि पर कब्जा कर नई बस्ती अथवा गांव बसाया जा रहा था. ऐसे लोगों के खिलाफ वन विभाग ने कार्रवाई की थी. वन विभाग ने बसायी गई अवैध बस्ती को उजाड़ने, जलाने के साथ-साथ लोगों को पकड़-पकड़ कर जेल भेज दिया था. वन विभाग की इस कार्रवाई से उक्त लोगों व उनके नेताओं में खलबली मच गई थी. सभी संगठित होते हे, लेकिन वन विभाग का यह अभियान निरंतर जारी रहा.

वन विभाग की इस कार्यवाही से इन्क्रोचमेंट भू-भाग पर बसे लोगों को मुक्ति दिलाने के लिए भारत जन आंदोलन सह झारखंड खुटकट्टी संघ के नेता स्व. मोरा मुंडा (कादोडीह निवासी) एवं स्व. इमानुएल बारला (तोपाडीह) ने वर्ष 2000 में गुमला क्षेत्र में सक्रिय तब के नक्सली संगठन एमसीसीआई (अब भाकपा माओवादी) से संपर्क साध वन विभाग की कार्यवाहियों से अवगत करा उनसे सहयोग मांगा.

पीएलजीए के नक्सली कमांडर आजाद की यह तस्वीर सारंडा जंगल के तिरिलपोसी गांव में वर्षों पूर्व ली गई थी

25 नवंबर 2001 को पहला नक्सली दस्ता पहुंचा सारंडा

नक्सलियों का 20 सदस्यीय पहला हथियारबंद दस्ता पहली बार पोड़ाहाट जंगल (बंदगांव, टेबो) के रास्ते 25 नवंबर 2001 को सारंडा के बिटकिलसोय स्कूल में शरण लिया. नक्सलियों के आने की खबर पुलिस को ग्रामीणों ने दी. उसके बाद पुलिस 27 नवंबर 2001 को बिटकिलसोय गांव पहुंची, वहां दोपहर में स्कूल में खाना खा रहे नक्सलियों से पहला मुठभेड़ हुआ. इस मुठभेड़ में ईश्वर महतो नामक नक्सली मारा गया था. इसके पास से एक एसएलआर, ग्रेनेड, 20 हजार रुपये नकद व गोलियां बरामद हुई थीं. इस घटना के बाद एक साल तक नक्सली चुप्पी साधे रहे. वे संगठन को गांव-गांव में घूमकर मजबूत करते रहे. पुलिस मुखबिरी के आरोप में 17 दिसंबर 2002 को बिटकिलसोय के मुंडा जीवन मसीह भुइयां की गला रेत हत्या कर पुलिस को आमंत्रित किया.

19 दिसंबर 2002 को नक्सलियों ने किया पहला हमला

19 दिसंबर 2002 को पुलिस स्व. भुईयां का शव लेने बिटकिलसोय गई जहां घात लगाकर नक्सलियों ने पुलिस पर पहला हमला बोल दिया. इसमें 12 पुलिसकर्मी व चार प्राइवेट चालक समेत कुल 17 लोगों की मौत हुई. नक्सलियों ने पुलिस का हथियार भी लूट ले गये थे. इस घटना ने पुलिस व वन विभाग व सारंडा के ग्रामीणों में खौफ पैदा कर दिया था. नक्सलियों द्वारा हथियार लूटे जाने के भय से वन विभाग ने अपने तमाम हथियारबंद होमगार्ड के हथियार सरकार के पास जमा करा दिए व जंगल जाना भी बंद कर दिया. इसके बाद सारंडा में नक्सलियों ने तांडव मचाते हुए समठा के वनपाल लूथर तिर्की की हत्या, तमाम वन विश्रामागार को उड़ाने के अलावे सेल की मेघाहातुबुरु खदान में घुसकर चार अधिकारियों का अपहरण व लेवी की मांग की.

जंगल में अवैध गांव नक्सलियों की मुख्य शरणस्थली

इन्क्रोचमेंट अवैध जंगल गांव नक्सलियों रण सथलका मुख्य शरणस्थली रहा था एंव आज भी अनेक ऐसे गांवों में उनका आना जाना लगा रहता है. लेकिन यह अवैध जंगल गांवों की जमीन पर कब्जा को लेकर आपस में हीं ग्रामीणों में विवाद लंबे समय से चलते आ रहा है. इस विवाद के अलावे संथाल नक्सलियों का हो समुदाय के नक्सलियों से अधिक वर्चस्व, निर्दोष ग्रामीणों को बेवजह हत्या आदि मामले भी नक्सलियों को कमजोर करने का एक बडा कारण रहा है. 25 लाख रूपये का इनामी नक्सली समर जी उर्फ अनमोल दा, उर्फ लालचंद हेम्ब्रम की हत्या की योजना उसके साथी नक्सलियों ने सारंडा में हीं बना डाली थी. लेकिन इस विवाद को नक्सली नेता संदीप दा (अब जेल में) ने बैठक कर हल किया था. पुलिस जिस एक्शन व रफ्तार में है उसे देख यह कहा जा सकता है कि सारंडा व कोल्हान जंगल आने वाला दो वर्ष के अंदर नक्सलियों से मुक्त हो जाये.

31 मार्च 2004 को बड़ाजामदा ओपी पर किया हमला

इसके बाद 31 मार्च 2004 को दिनदहाडे बड़ाजामदा ओपी पर हमला कर 10 राइफल, एक पिस्टल व सैकड़ों कारतूस व नकदी लूट लिये. लूटे गये हथियार की बरामदगी के लिये सीआरपीएफ के साथ निकली पुलिस पर 7 अप्रैल 2004 को बालिबा गांव के समीप नक्सलियों ने घात लगाकर हमला किया. इसमें 30 अधिकारियों व जवानों को मौत के घाट उतार नक्सली दो एलएमजी समेत दर्जनों हथियार लूट ले गये. इस घटना के बाद 30 मई 2006 को थोलकोबाद आवासीय विद्यालय में चारों तरफ लैंड माइन लगा पूरी पुलिस टीम को उड़ाने की साजिश रची, लेकिन वह विफल हो गया. उस समय पुलिस ने स्कूल से 12 लैंड माइन बरामद कर वापस किरीबुरु लौट रही थी, तभी कलैता गांव के समीप लैंड माइन विस्फोट कर सीआरपीएफ के 12 जवानों को नक्सलियों ने उड़ा दिया. इसके अलावे छोटानागरा, मनोहरपुर आदि थानों पर हमला एवं अलग-अलग घटनाओं में दर्जनों जवानों एवं ग्रामीणों को मौत के घाट उतारा. विकास कार्यों में लगे वाहनों को फूंका.

स्वतंत्रता दिवस व गणतंत्र दिवस पर फहराते थे काला झंडा : वर्ष 2011 के मध्य महीने तक सारंडा जंगल में नक्सलियों का अपना शासन कायम था तथा तमाम स्कूलों में तिरंगा ध्वज की जगह काला झंडा या उल्टा तिरंगा स्वतंत्रता व गणतंत्र दिवस के अवसर पर फहराता था. नक्सलियों की बिना इजाजत के सारंडा में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक थी. लेकिन वर्ष 2011 में लगभग एक महीने तक चली आपरेशन ऐनाकोंडा के बाद लंबे समय तक नक्सली सारंडा छोड़ पलायन किये. इस दौरान पुलिस व सीआरपीएफ की सक्रियता की वजह से वह बड़ी घटना को अंजाम नहीं दे पाये हैं. सिर्फ एक-दो ग्रामीणों की हत्या पुलिस मुखबीर होने के आरोप में किये हैं.

सारंडा में अब नहीं है नक्सली कैंप : सारंडा में अब पूर्व की तरह उनका कोई भी स्थायी-अस्थायी कैंप भी नहीं रहा. हालांकि थोलकोबाद निवासी मारा गया कुख्यात नक्सली कांडे होनहागा, पकड़ा गया हतनाबुरु गांव निवासी नक्सली पांडु हंसदा उर्फ टाईगर के सहयोग से वह सारंडा में आना-जाना करते रहे. लेकिन अब सारंडा में प्रवेश काफी मुश्किल है. सारंडा में थोलकोबाद, तिरिलपोसी, जुम्बईबुरू, करमपदा, किरीबुरु, सैडल, छोटानागरा, रोवाम, बालिबा, अंकुआ, मनोहरपुर, जराईकेला, दीघा आदि स्थानों पर पुलिस कैंप स्थापित हैं. इससे नक्सली सारंडा में घुसने की हिम्मत नहीं कर पा रहे हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष मृत्यु भाव में चंद्रमा है. किसी कार्य के पहले सोच विचार कर करें. कार्य व्यवसाय एवं नौकरी में रुकावटें होंगी. पर किया गया परिश्रम सार्थक होगा. वहीं परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करेंगे. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

वृषभ व्यापार में लाभ होगा. आय का मार्ग खुलेगा. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. काम-काज के लिए अच्छा रहेगा. परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा. मन में कुछ नकारात्मक विचार आ सकते हैं. इत्र का दान करें.

मिथुन कार्य का लाभ विलंब से मिलेगा. समय सामान्य है. संतान की शिक्षा में सुधार होगा. घरेलू विवाद कोशिश करने से सुलझ सकता है. भाग्योदय संभव है. पारिवारिक सुख अच्छा मिलेगा. मिथ्या आरोप लगने के कारण क्रोध बढ़ सकता है.

कर्क लग्न का मालिक नीच है. काम काज सामान्य रहेगा. मन प्रसन्न रखना होगा. नवीन मित्रता हो सकती है. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य में कमी देखने को मिल सकती है. किसी बड़ा जोखिम उठाने से पहले विचार करें.

सिंह समय सामान्य है. माता या किसी महिला से विवाद हो सकता है. परिवार के सदस्यों की तरफ से सुख और सहयोग मिलेगा. आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बना रहेगा.शुभफलों की प्रधानता रहेगी. अपनों से विवाद से दूर रहें.

कन्या समय अनुकूल है, पर रूखे व्यवहार से बनी बनाई बात बिगड़ सकती है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. आपके कार्य और प्रभाव से काम-काज सामान्य रहेगा. परीक्षा एवं प्रतियोगिता में आशाजनक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं.

तुला आय के लिए दिन अच्छा है. काम-काज सामान्य रहेगा. आपका मन किसी भी काम में पूरी तरह से नहीं लग पाएगा. आपके लिए निराशाजनक हालात पैदा हो सकते हैं.परिवार या मित्र से मतभेद हो उत्पन्न हो सकते हैं.

वृश्चिक समय लाभ का मौका देगा. बस कार्य पर ध्यान दें. कामकाज में सफलता मिलेगी. दूसरों के साथ अच्छे संबंध बने रहेंगे. स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बन सकती है. वाहन के प्रति सावधानी रखने की आवश्यकता है.

धनु विदेशी मेहमान से लाभ होगा. स्वास्थ्य और शिक्षा में खर्च अधिक होगा, पर आर्थिक स्थिति अच्छी होगी. वाहन चलाते समय सावधानी बरतें. खर्चे में बढ़ोत्तरी होगी. खान पान पर ध्यान दे. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. केला दान करें.

मकर योजना में विस्तार हो सकता है. कामकाज में सफलता मिलेगी. शिक्षा-प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. परिवार के लोगों के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा. काला वस्तु दान कर शनि को खुश करें.

कुंभ कोई यात्रा हो सकता है. जीवन साथी की भावनाओं की कद्र करें. शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी. स्वभाव में गंभीरता एवं एकाग्रता बनी रहेगी. परिवार की तरफ से मन प्रसन्न रहेगा. किसी प्रकार के विवाद में ना पड़े. आलस का त्याग करें.

मीन समय सामान्य है. किसी से विवाद हो सकता है. करीबियों की भावनाओं की कद्र करें. आपके मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा. कामकाज में लाभ होगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए.

साइकिल का वितरण किया गया

रंका(गढ़वा)। अनुमंडल मुख्यालय के राजकीयकृत उच्च विद्यालय परिसर में उन्नति का पहिया योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में सरकारी विद्यालयों के कक्षा 8 में अध्यनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण किया गया. प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी संतोष कुमार दुबे, पंकज तिवारी, रीमा देवी, प्रखंड अहमद अली अंसारी सहित कई गणमान्यों ने वितरण किया.

चंपाई कैबिनेट के फैसले : वरीय न्यायिक सेवा नियमावली में संशोधन

वाहन टैक्स डिफॉल्टरों के लिए वन टाइम सेटलमेंट स्कीम

पेनाल्टी 50 % माफ होगी

- लगभग 4.83 लाख वाहन टैक्स डिफॉल्टर श्रेणी में, 2204 करोड़ है बकाया
- लुगुबुरु में डीवीसी के 1500 मेगावाट के प्लांट को स्थगित करने का निर्णय, प्रस्ताव केंद्र को भेजा जाएगा

विशेष संवाददाता। रांची

राज्य की चंपाई सोरेन सरकार ने वाहन टैक्स डिफॉल्टरों को बड़ी राहत दी है. सरकार ने उनके लिए वन टाइम सेटलमेंट स्कीम लाया है, जिसमें पेनाल्टी माफ होगी. इससे जुड़े प्रस्ताव को बुधवार को कैबिनेट की बैठक में मंजूरी प्रदान गयी है. सरकार के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में लगभग 4.83 लाख वाहन टैक्स डिफॉल्टर की श्रेणी में हैं. इन पर 2204 करोड़ का बकाया है. इसमें रोड टैक्स का 763 करोड़ और पेनाल्टी 1436 करोड़ है. रोड टैक्स तो पूरा देना होगा, लेकिन पेनाल्टी में 50 प्रतिशत की छूट दी गयी है.

सरकार ने झारखंड वरीय न्यायिक सेवा नियमावली में संशोधन किया गया है. इसके तहत अब लिखित परीक्षा में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक सामान्य वर्ग के छात्र-छात्राओं को लाना होगा. ओवरऑल 50 प्रतिशत अंक लाना होगा. वहीं आरक्षित वर्ग के छात्र-छात्राओं को 40 प्रतिशत और ओवरऑल 45 प्रतिशत अंक लाना होगा. इंटरव्यू और रिटर्न परीक्षा को जोड़कर ही अब रिजल्ट जारी होगा.

संथालों के धार्मिक स्थल लुगुबुरू में डीवीसी का प्लांट नहीं लगेगा, केंद्र से भी अनुरोध किया जाएगा : सरकार ने एक अहम निर्णय लेते हुए अब संथाली आदिवासियों के पवित्र धार्मिक स्थल लुगुबुरु में डीवीसी के प्रस्तावित 1500 मेगावाट लुगुबुरू पहाड़ पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य स्थगित करने का निर्णय लिया है. इससे जुड़े प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी प्रदान की. अब केंद्र सरकार से इसे स्थगित करने का अनुरोध किया जाएगा.

कैबिनेट के अन्य निर्णय

- उच्च शिक्षा विभाग में सेंट्रल डिजिटल सिस्टम विकसित होगा. विभिन्न कार्यों के लिए पोर्टल तैयार होगा. इसके लिए एजेंसी का तयन करने के साथ 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है.
- उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की वित्तीय नियमावली के नियम-235 को शिथिल करते हुए नियम-245 के अधीन मेसर्स सीएससी का मनोनयन के आधार पर चयन करने एवं कार्यान्वयन के लिए 20,95,40,640 रु की प्रशासनिक स्वीकृति.
- राज्य की सेवा/संवर्ग में कार्मिक द्वारा प्रोन्नति में रोक लगायी गयी थी. फलस्वरूप सेवानिवृत्त पदाधिकारियों को देय तिथि से प्रोन्नति देने संबंधी निर्गत संकल्प संख्या-2013, दिनांक-10.04.2023 में आवश्यक संशोधन की स्वीकृति दी गयी.
- झारखंड गृह रक्षा वाहिनी (अराजपत्रित) सेवा नियमावली, 2015 व झारखंड गृह रक्षा वाहिनी (अराजपत्रित) सेवा (संशोधन) नियमावली, 2022 में संशोधन की स्वीकृति दी गयी.
- डब्ल्यूपीएस नं . 994/2014 सुशील कुमार बनाम झारखंड राज्य एवं अन्य में झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक-24.07.2019 को पारित न्यायादेश के आलोक में सुशील कुमार को प्रभारी कार्यपालक अभियंता बनाने की तिथि से कार्यपालक अभियंता के पद पर वैचारिक प्रोन्नति प्रदान करने की स्वीकृति.
- योजना एवं विकास विभाग के तहत झारखंड सांख्यिकी संवर्ग नियमावली 2011 (यथा संशोधित 2022) में संशोधन की स्वीकृति.
- योजना एवं विकास विभाग में दैनिक पारिश्रमिक / एकमुश्त पारिश्रमिक पर नियुक्त एक कर्मी की सेवा नियमितिकरण की स्वीकृति.
- झारखंड योजना सेवा विभागीय परीक्षा एवं प्रशिक्षण नियमावली-2023 को स्वीकृति दी गयी.
- भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का 31 मार्च 2021, 31 मार्च 2022 और 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष का अनुपालन लेखा परीक्षा (राजस्व) प्रतिवेदन को झारखंड विधानसभा के पटल पर आगामी सत्र में रखने की स्वीकृति
- वित्त विभाग के तहत नवगठित तीन निदेशालयों पेंशन एवं लेखा निदेशालय, कोषागार एवं सांस्थिक वित्त निदेशालय और अंकेक्षण निदेशालय के निदेशक को विभागाध्यक्ष घोषित करने की स्वीकृति दी गयी.
- झारखंड उच्च न्यायालय में दायर वाद के आलोक में जन्मजय प्रसाद सिंह, लिपिक (सेवानिवृत) एवं चन्द्रशेखर प्रसाद सिन्हा, लिपिक (सेवानिवृत्त) की सेवा नियमित करते हुए उन्हें अनुमान्य वित्तीय लाभ प्रदान करने की स्वीकृति.
- पूर्व मंत्री स्व. जगरनाथ महतो के इलाज में खर्च हुए 45,29,312 लाख के भुगतान की स्वीकृति.
- झारखंड राज्य स्वास्थ्य बीमा योजना के संचालन के लिए झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाईटी के अंतर्गत पद सृजन की स्वीकृति.
- डॉ. बेला कुमारी, चिकित्सा पदाधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रामपुर, लोहरदगा को सेवा से बर्खास्त करने की स्वीकृति. ये पांच मार्च 2021 से अपनी सेवा से अनुपस्थित थीं.
- डॉ. बाबूलाल मुर्मू, चिकित्सा पदाधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, तुबिद, अड़की को सेवा से बर्खास्त करने की स्वीकृति. ये नौ सितंबर 2020 से अपने सेवा से अनुपस्थित थे.
- राज्य के विश्वविद्यालयों एवं अंगीभूत महाविद्यालयों अल्पसंख्यक सहित के शिक्षकेत्तर कर्मियों की नियुक्ति, प्रोन्नति आदि से संबंधित परिनियम की स्वीकृति.
- राज्य सरकार के वैसे कर्मी, जिनकी नियुक्ति प्रक्रिया 01.12.2004 के पूर्व पूर्ण हो गयी हो, मगर 01.12.2004 के बाद नियुक्त हुए हों, उन्हें पुरानी पेंशन योजना की मान्यता के लिए निर्गत संकल्प संख्या 157/वि०पें० दिनांक 25.08.2023 में संशोधन की स्वीकृति.
- रांची नगर निगम अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना के लिए स्वीकृत डूर- टू -डूर कचरा कलेक्शन के निविदा का निस्तार करने के लिए 10% की अधिसीमा को शिथिल करने की स्वीकृति.
- विमान से यात्रा से संबंधित वित्त विभाग के संकल्प सं० 2530/वि० दिनांक 25.08.2023 में संशोधन की स्वीकृति दी गयी.
- राज्य के विश्वविद्यालयों के मुख्यालय में कुलपति, प्रतिकुलपति एवं अन्य पदाधिकारियों के सातवें पुनरीक्षित वेतनमान का लाभ दिनांक-01.01.16 से लागू करने से संबंधित संकल्प सं 319, दिनांक 07.02.2019 में संशोधन करने की स्वीकृति दी गयी.
- कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा अंतर्गत सरायकेला-खरसांवा जिले के राजनगर में डिग्री महाविद्यालय के निर्माण कार्य के लिए 39,15,61,000 लाख और गम्हरिया में डिग्री महाविद्यालय के निर्माण कार्य के लिए 39,15,61,000 लाख की स्वीकृति दी गयी.
- झारखंड लोक सेवा आयोग में नियमित पद के विरूद्ध संविदा पर कार्यरत कर्मियों की सेवा नियमित करने की स्वीकृति दी गई.

पुलिस सेवा के अफसर-कर्मियों को मिलेगा प्रशंसा चिह्न : राज्य सरकार ने पुलिस अफसरों और कर्मियों की मांग को पूरा करने का निर्णय लिया है. इनकी मांग थी कि उत्कृष्ट सेवा के लिए उन्हें प्रशंसा पत्र की जगह प्रशंसा चिह्न दिया जाए, ताकि वे अपने वर्दी में उसे लगा सकें. इससे जुड़े प्रस्ताव को केबिनेट में हरि झंडी प्रदान कर दी.

सर्वश्रेष्ठ बालिका कैडेट आरती को मेजर आशुतोष ट्रॉफी मिला

संवाददाता। रांची

झारखण्ड के सैनिक स्कूल तिलैया में मंगलवार को सर्वश्रेष्ठ बालिका कैडेट आरती कुमारी को उनके बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए मेजर आशुतोष ट्रॉफी के साथ ही 21000 रुपये की नकद राशि की छात्रवृति पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गयी. इस पुरस्कार की शुरुआत इस वर्ष से ही की गयी है. इसकी शुरुआत मिथिला सपूत शहीद मेजर आशुतोष ठाकुर की याद में की गयी है. पुरस्कार शहीद मेजर आशुतोष ठाकुर की बहन अंजू झा एवं उनके पति विवेकानंद झा मुन्नू ने प्रदान किया. साथ ही शहीद मेजर आशुतोष के पुण्यस्मृति में ''मेजर आशुतोष एसएम स्पोर्ट्स कॉम्पेल्क्स का उद्घाटन भी किया गया.

कौन थे शहीद मेजर आशुतोष ठाकुर : दरभंगा के शशिपुर ग्राम निवासी विमल चंद्र ठाकुर के सुपुत्र थे मेजर आशुतोष ठाकुर. वर्ष 1980 जून में मेजर ठाकुर का नामांकन सैनिक स्कूल तिलैया में हुआ. जून 1987 में उनका एनडीए बैच में दाखिला हुआ. 9 जून 1991 को जाट रेजिमेंट में मेजर का कमीशन हुआ. 1996 में इसी जाट रेजिमेंट की कमान को मेजर आशुतोष कमांड कर रहे थे, जब कश्मीर के बारामुला में आतंकी मुठभेड़ हुई. आतंकी मुठभेड़ में मेजर आशुतोष शहीद हो गये. मरणोपरांत मेजर आशुतोष ठाकुर को 26 जनवरी 1997 को राष्ट्रपति द्वारा गैलेंट्री (शौर्य चक्र) अवार्ड से सम्मानित किया गया था.

आशुतोष ठाकुर.

जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित करें : उपायुक्त

रामगढ़। जिले में अनाबद्ध निधि, पर्यटन विकास एवं डीएमएफटी के माध्यम से हो रहे विकास कार्यों को लेकर बुधवार को डीसी चंदन कुमार ने जिला समाहरणालय के सभागार में समीक्षा बैठक किया. इस दौरान बैठक में विकास कार्यों व अन्य योजनाओं के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था को और भी सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सभी स्वास्थ्य केंद्रों में बायोमेट्रिक अटेंडेंस लगाने एवं सभी स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मियों को बायोमेट्रिक के द्वारा ही अपनी उपस्थिति दर्ज करने का निर्देश दिया. साथ ही उन्होंने जिले के वैसे स्वास्थ्य केंद्रों जहां बिजली सुचारू रूप से उपलब्ध नहीं है वैसे स्वास्थ्य केंद्रों में जल्द से जल्द बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश कार्यपालक अभियंता बिजली वितरण रामगढ़, कुजू को दिया.

मादक पदार्थों के रोकथाम को लेकर पेंटिंग प्रतियोगिता

संवाददाता। लातेहार

खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय, झारखंड, रांची के निर्देश पर जिले में मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता को लेकर जिला खेल कार्यालय , लातेहार द्वारा डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में पेंटिंग का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में दर्जनों में छात्र व छात्राओं ने मादक पदार्थों के दुरुपयोग से बचने एवं इसके नुकसान की जानकारी पेंटिंग से दी. प्रतियोगिता में प्रिया सिन्हा, अनुष्का सिंह, सानिया तलक, रेशमी कुमारी, मनीषा कुमारी, निप्पु कुमार, संगम उरांव, अविनाश आनन्द समेत अन्य का पेंटिग सराहनीय रहा. विद्यालय की प्रधानाध्यापिका तृप्ति भारती, शिक्षक संतोष पासवान, समीर टोप्पो, उदय कुमार का सहयोग सरहनीय रहा. ल विभाग के प्रशिक्षक योगेश यादव, प्रवीण मिश्रा, खेल समन्वयक लखेश्वर मंडल उपस्थित थे.

रांची से सेना का स्क्रैप लेकर जा रहे ट्रक में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

संवाददाता। महुदा

महुदा थाना क्षेत्र स्थित महुदा मोड़ व तैलमोचो के बीच फोरलेन सड़क में सेना का स्क्रैप (बैटरी और ट्यूब) लेकर जा रहे ट्रक में भीषण आग लग गयी. घटना के बाद कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गयी. घटना के तुरंत बाद घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गयी. ट्रक चालक ने गाड़ी खड़ा करके पहले अपने वरीय अधिकारियों को फोन पर घटना की जानकारी दी. इसके बाद दमकल और पुलिस प्रशासन को घटना के संबंध में बताया. घटना की सूचना पाकर दमकल के दो वाहन मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने में जुटे हैं. बताया जाता है कि सेना का कबाड़ी बैटरी और ट्यूब लेकर ट्रक रांची से पान्नागाढ जा रहा था, तभी महुदा में यह घटना घट गयी.

23 से 29 जून तक राज्यभर में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस समारोह का आयोजन होगा

रांची। अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस समारोह 2024 इस वर्ष राज्यभर में 23 से 29 जून तक मनाया जाएगा. झारखण्ड ओलम्पिक एसोसिएशन ने इस संबंध में सभी संबंधित इकाइयों को दिशा-निर्देश जारी कर दिया है. ओलम्पिक दिवस समारोह का उद्देश्य पेरिस ओलम्पिक में भाग लेने जा रहे भारतीय दल का उत्साहवर्धन करना है. 'फ्यूल योर जर्नी टू ओलम्पिक सक्सेस' थीम पर यह समारोह आयोजित किया जाएगा.

पेरिस ओलम्पिक की तैयारी कर रही है भारतीय टीम : मधुकांत पाठक

झारखंड ओलम्पिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. मधुकांत पाठक ने बताया कि हम पेरिस ओलम्पिक के कगार पर हैं, इसलिए इस वर्ष का ओलंपिक दिवस समारोह अत्यंत महत्वपूर्ण है. हमारी टीम इस भव्य खेल आयोजन में भाग लेने की तैयारी कर रही है और निश्चित रूप से हमें उन्हें पदक जीतने के लिए प्रेरित करना चाहिए.

साजिश जिन जिलों में यह साजिश हुई, उनमें बोकारो, पलामू और संथाल का पाकुड़ जिला शामिल

48 घंटे में तीन जिलों में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की हुई साजिश

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड में पिछले 48 घंटे के दौरान तीन जिले में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश हुई है. हालांकि पुलिस की तत्परता से माहौल बिगाड़ने की साजिश को नाकाम कर दिया गया. जिन जिलों में यह साजिश हुई, उसमें बोकारो, पलामू और पाकुड़ जिला शामिल है. इन जिलों में अलग- अलग कारणों से दो गुट आमने सामने हो गए, साथ ही पत्थरबाजी और बमबाजी तक की घटनाएं हुईं.

पर्व-त्योहार हो रहे संवेदनशील : झारखंड में छोटे-छोटे त्योहार भी संवेदनशील होते जा रहे हैं. इस बात का खुलासा झारखंड पुलिस की रिपोर्ट से हुआ है. रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के कुछ वर्षों में कम संवेदनशील त्योहारों (सरस्वती पूजा, गणेश पूजा, मिलाद उन नबी) में भी विधि व्यवस्था की गंभीर समस्या उत्पन्न हुई है. झारखंड के जो क्षेत्र पहले सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील नहीं थे, अब वहां भी पर्व-त्यौहारों में अशांति का माहौल देखा जा रहा है. इसमें संथाल परगना के सभी जिले सहित कोडरमा जिले शामिल हैं. रिपोर्ट में यह बात भी सामने आयी है कि इन दिनों लगभग सभी पर्व-त्यौहारों में निकलने वाले जुलूसों में युवा, बच्चे और विशेषकर महिलाओं की बड़ी भागीदारी है.

उपद्रवियों ने एक दुकान में आग लगा दी.

कब-कब कहां हुई सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश

- 18 जून 2024: पलामू जिले के पांकी प्रखंड के पिपराटांड़ थाना क्षेत्र के नौडीहा बहेरा में गौशाला में प्रतिबंधित मांस का टुकड़ा मिला. वहीं दूसरी तरफ नौडीहा मस्जिद के निकट पुराने कुएं में प्रतिबंधित पशु की हड्डियों की दो बोरी भी मिली. इससे ग्रामीण आक्रोशित हो गए और गांव में तनाव की स्थिति बन गई थी.
- 17 जून 2024: बोकारो जिला में हादसे में दो मवेशियों की मौत के बाद अलग-अलग पक्षों से जुड़े लोग आमने-सामने हो गए और फिर पथराव होने लगी. इस झड़प और पथराव में एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं. वहीं इस पत्थरबाजी में कई पुलिस वाले भी चोटिल हुए हैं. स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े. ये घटना सेक्टर वन से भरआं बस्ती जाने के रास्ते में हुई थी.
- 17 जून 2024: पाकुड़ जिला के सदर प्रखंड के गोपीनाथपुर और पश्चिम बंगाल के कृष्टानगर के ग्रामीणों के बीच विवाद हो गया. दोनों में विवाद इतना बढ़ गया कि नौबत मारपीट तक आ गयी. इसके बाद दोनों गुटों में पथराव के साथ-साथ बमबाजी भी हुई. स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक, गोपीनाथपुर गांव में एक व्यक्ति द्वारा कुर्बानी दी गयी थी और जमीन मालिक द्वारा इसका विरोध किये जाने के कारण माहौल तनावपूर्ण हो गया. इस घटना के दूसरे दिन 18 जून को भी बमबाजी की घटना हुई.

पेज एक का शेष

आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा...

नालंदा से एशिया के कई देशों की विरासत जुड़ी है : मोदी ने कहा कि नालंदा केवल भारत के अतीत का ही पुनर्जागरण नहीं है. इसमें एशिया के कितने ही देशों की विरासत जुड़ी हुई हैं. उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में भारत में औसतन हर सप्ताह एक विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है. हर दिन एक नयी आईटीआई व हर तीसरे दिन एक अटल टिंकरिंग लैब खोली गई हैं. आज देश में 23 आईआईटी व 21 आईआईएम हैं. आज 22 एम्स हैं. मेडिकल कॉलेज की संख्या भी करीब-करीब दोगुनी हो गयी है.

शिक्षा में अग्रणी होकर ही पा सकते आर्थिक सामर्थ्य

मोदी ने कहा कि हम विकसित देशों को देखें, तो पाएंगे कि वे आर्थिक व सांस्कृतिक लीडर तब बने, जब एजुकेशनल लीडर हुए. कभी ऐसी स्थिति हमारे यहां नालंदा और विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों में हुआ करती थीं. जब भारत शिक्षा में आगे था, तब उसकी आर्थिक सामर्थ्य भी नयी ऊंचाई पर थी. प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि 2047 तक विकसित होने के लक्ष्य पर काम कर रहा भारत, शिक्षा क्षेत्र का कायाकल्प कर रहा है.

आज क्यूएस रैंकिंग में भारत के 46 शिक्षण संस्थान : प्रधानमंत्री ने कहा कि अपने युवा खोजकर्ताओं को शोध के लिए सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये का शोध फंड बनाने की घोषणा की है. उन्होंने कहा कि भारतीय विश्वविद्यालयों की वैश्विक रैंकिंग में सुधार हो रहा है. 10 साल पहले क्यूएस रैंकिंग में भारत के सिर्फ नौ शिक्षण संस्थान थे, जबकि आज बढ़ कर 46 हो गए हैं. आज 1,30,000 से ज्यादा स्टार्टअप हैं. पहले की तुलना में भारत से रिकॉर्ड संख्या में पेटेंट फाइल किए जा रहे हैं.

मणिपुर : शांति की प्रतीक्षा

लोकसभा चुनाव बीत गए, एनडीए की सरकार भी बन गयी, लेकिन मणिपुर में हिंसा थमी नहीं. मणिपुर की दोनों लोकसभा सीटों पर भाजपा हार गयी. इसके बाद मणिपुर की हिंसा पर आरएसएस प्रमुख की नींद अचानक खुली. इसका असर यह हुआ कि केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी नींद से जागना पड़ा. गृहमंत्री अमित शाह ने एक उच्च स्तरीय बैठक की और मणिपुर के हालात पर समीक्षा की गयी. कहा गया कि मैतई और कुकी दोनों समुदायों के साथ बातचीत की जाएगी. सवाल यह है कि इस पहल के लिए साल भर तक इंतजार क्यों किया गया. प्रधानमंत्री ने पूरे देश का भ्रमण किया, लेकिन मणिपुर नहीं ही गए. सीमावर्ती पूर्वोत्तर राज्य के प्रति भाजपा सरकार के इस नजरिया को क्या कहा जाए. 2014 में सरकार बनाने के बाद पूर्वोत्तर के राज्यों को प्राथमिकता देने की बात की गयी थी, लेकिन उसी पूर्वोत्तर के एक अत्यंत संवेदनशील राज्य को एक ऐसी सरकार के जिम्मे छोड़ दिया गया, जिसके प्रति मैतई और कुकी दोनों ही समुदाय अनेक अवसरों पर अपना असंतोष व्यक्त कर चुके हैं. केंद्रीय सरकार का यह रवैया चिंताजनक है. मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच हिंसक संघर्ष साल भर से अधिक समय से जारी है. लेकिन वहां शांति कायम होने की पुख्ता जमीन अब तक तैयार नहीं हो पाई है. गृह मंत्री शाह ने राज्य के मुख्य सचिव को विस्थापितों के लिए उचित स्वास्थ्य-शिक्षा सुविधाएं और उनके पुनर्वास को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. गृह मंत्रालय को ओर से जारी बयान में कहा गया कि जरूरत पड़ने पर राज्य में केन्द्रीय बलों की तैनाती बढ़ाई जाएगी. राज्य में शांति और सौहार्द्र बहाल करने के लिए बलों को रणनीतिक रूप से तैनात किया जाना चाहिए. मणिपुर में हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, लेकिन अब तक क्यों केंद्र ने हस्तक्षेप नहीं किया, इस सवाल को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए. केन्द्र और राज्य के सुरक्षा अधिकारियों की बैठक में होना जरूरी था, लेकिन इसमें राज्य के मुख्यमंत्री को क्यों नही बुलाया गया. मुखमंत्री को हटाने की मांग हिंसा शुरू होने के बाद की गयी थी, लेकिन भाजपा सरकार ने उसे खारिज कर दिया था. इससे सवाल उठ रहा है कि क्या मणिपुर की सत्ता राज्य सरकार नहीं, बल्कि केंद्र सरकार संभाल रही है. अगर ऐसा नहीं है तो फिर बीरेन सिंह के इस बैठक में शामिल न होने के क्या कारण हो सकते हैं. क्या राज्य की सुरक्षा व्यवस्था के मामले में उन्हें दूर रखकर केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को यह संदेश दिया है कि उनपर अब भरोसा नहीं रहा. कारण जो भी हो, लेकिन केंद्र सरकार का यह रवैया लोकतांत्रिक नहीं है. अगर भाजपा को एन बीरेन सिंह की प्रशासनिक अक्षमता से शिकायत है तो उन्हें पद से हटाना चाहिए या फिर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए. मणिपुर में हजारों लोग अब भी घरों से बेदखल हैं. जिनेवा के इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में दक्षिण एशिया में 69 हजार लोग विस्थापित हुए. इनमें से 97 प्रतिशत यानी 67 हजार लोग मणिपुर हिंसा के कारण विस्थापित हुए थे.

> केन्द्र और राज्य के सुरक्षा अधिकारियों की बैठक में होना जरूरी था, लेकिन इसमें राज्य के मुख्यमंत्री को क्यों नही बुलाया गया. मुखमंत्री को हटाने की मांग हिंसा शुरू होने के बाद की गयी थी, लेकिन भाजपा सरकार ने उसे खारिज कर दिया था.

सुभाषित

उत्साहो बलवानार्य नास्त्युत्साहात्परं बलम् ।
सोत्साहस्य च लोकेषु न किंचिदपि दुर्लभम् ॥

जिस व्यक्ति के भीतर उत्साह होता है वह बहुत बलवान होता है. इसके विपरीत जिसमें उत्साह नहीं है, वह बलवान होने के बावजूद निर्बल है. उत्साह से बढ़कर कोई अन्य बल नहीं है, उत्साह ही परम् बल है. उत्साही व्यक्ति के लिए इस संसार में कुछ भी वस्तु दुर्लभ नहीं है.

वैचारिक संघर्ष : आयाम और आहुति

चुनाव सुधार के कानूनी पहल के लिए एडीआर जैसे संगठन अपना काम करते रहते हैं. हर संगठन की अपनी सीमा होती है, अपना कार्य-क्षेत्र और कौशल होता है. सामान्य लक्ष्य को हासिल करने के लिए बाकी काम अन्य संगठन की सक्रियता जरूरी होती है. एक संदर्भ पर उदाहरण के लिए विचार किया जाना चाहिए. उम्मीदवारों के हलफनामा में आपराधिक, वित्तीय और शैक्षिक पृष्ठभूमि का उल्लेख होता है. मुख्य धारा की मीडिया में उम्मीदवारों की आपराधिक पृष्ठ-भूमि की विशिष्ट चर्चा शायद ही कभी होती है.

• देश-काल

प्रफुल्ल कोलख्यान

भारत में लोकतंत्र का चुनाव परिणाम बताता है कि चुनाव के माध्यम से 'चुनावी तानाशाही' को पराजित किया जा सकता है. 'चुनावी लोकतंत्र' की दृष्टि से यह कम बड़ी उपलब्धि नहीं होती है और न है. इसका जितना बखान किया जाये कम ही है. बखान करते समय यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि चुनाव के माध्यम से 'चुनावी तानाशाही' को निर्णायक रूप से पराजित किया जा सकता है. 'कारण' के रहते 'कार्य' यानी परिणाम के फिर से उपस्थित हो जाने की संभावना या आशंका के घटित होने की संभावना या आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है. भारत में चुनाव सुधार की मांग लंबे समय से की जा रही है. चुनाव की प्रक्रिया को दुरुस्त किये जाने के लिए एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की स्थापना 1999 में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद के अध्यापकों के एक समूह ने की. इसकी पहल पर सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार उम्मीदवारों के लिए अपनी आपराधिक, वित्तीय और शैक्षिक पृष्ठभूमि का हलफनामा के माध्यम से देना जरूरी हो गया है. चुनावी फंड के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में एक पक्ष एडीआर भी था. चुनाव सुधार की कानूनी पहल के लिए एडीआर जैसे संगठन अपना काम करते रहते हैं. हर संगठन की अपनी सीमा होती है, अपना कार्य-क्षेत्र और कौशल होता है. सामान्य लक्ष्य को हासिल करने के लिए बाकी काम अन्य संगठन की सक्रियता जरूरी होती है. एक संदर्भ पर उदाहरण के लिए विचार किया जाना चाहिए. उम्मीदवारों के हलफनामा में आपराधिक, वित्तीय और शैक्षिक पृष्ठभूमि का उल्लेख होता है. मुख्य धारा की मीडिया में उम्मीदवारों की आपराधिक पृष्ठ-भूमि की विशिष्ट चर्चा शायद ही कभी होती है. सामान्य परिचर्चा में अधिक-से-अधिक आपराधिक पृष्ठ-भूमिवाले उम्मीदवारों की कुल संख्या, प्रतिशत आदि का सामान्य विश्लेषण होता है. उम्मीदवार भी प्रतिपक्षी उम्मीदवार की आपराधिक पृष्ठ-भूमि की चर्चा नहीं करते हैं, अधिक-से-अधिक भ्रष्टाचार के मुद्दों की चर्चा करके आगे बढ़ जाते हैं. एक तरह की मनोवैज्ञानिक मिलीभगत बन गई लगती है.

भारत के लोकतंत्र की संवैधानिक संरचना में व्यापक सुधार की जरूरत की गंभीरता को अविलंब विमर्श के केंद्र में लाया जाना चाहिए. यह दलीय-निष्ठा पर आघात किये बिना भी मानना चाहिए कि दल की अंदरूनी राजनीतिक गतिविधि, खासकर दल के भीतर चुनाव के मामले में तानाशाही का रुख और रवैया रखनेवाला दल या नेता, अपने संवैधानिक आचरण में कभी लोकतांत्रिक नहीं हो सकता है. जिस किसी दल की अंदरूनी राजनीतिक गतिविधि में तानाशाही का रुख और रवैया दिखे, लोकतंत्र को पसंद करनेवालों को उससे अपनी दूरी अविलंब तय कर लेनी चाहिए. ऐसा नहीं करने का मतलब लोकतंत्र को 'चुनावी तानाशाही' खतरे की चपेट में पड़ने से रोकने में लापरवाही बरतना है. ईवीएम को लेकर बार-बार विवाद उठता रहता है. बार-बार संदेह व्यक्त किया जाता है. चुनाव नतीजा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़े व्यंग्यात्मक लहजे में पूछा, 'ईवीएम मर गया कि जिंदा है!' कभी चाल-चरित्र-चेहरा पर इतरानेवाली भारतीय जनता पार्टी में चिढ़ाने-चिल्लाने-चौंकाने की प्रवृत्ति घर कर गई है. यह दुखद है. अभी दुनिया के जाने-माने व्यक्ति एलेन मस्क ने भी अमेरिकी चुनाव के प्रसंग में ईवीएम पर सवाल उठाया है. राहुल गांधी ने भी इसे 'ब्लैक-बॉक्स कहा है. भारत के मतदाताओं ने साबित कर दिया है कि वह लोकतंत्र का सौदा नहीं कर सकता है. रखो अपनी 'पचकेजिया मोटरी' अपने पास! हजारों साल से पूजित हमारे भगवान को हमारे विरुद्ध नहीं खड़ा किया जा सकता है, चाहे बना लो जितना भी भव्य-दिव्य-विराट मंदिर. सामान्य जन का जीवन अतिरेकी विराटता के पूजन से नहीं, लघुता के समवाय से चलता है. पता नहीं सौ-साल से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ किस संस्कृति की बात कर रहा था! सबसे भयानक बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी के शासन में भारत के लोगों की मौलिक वृत्तियों के साथ छल करने का कोई प्रकरण नहीं छोड़ा गया. चुनाव परिणाम देखने के बाद, भारतीय जनता पार्टी का अपने पक्ष में 'स्थाई बहुमत' का जुगाड़ कर लेने का भ्रम और संभावना में कुछ-न-कुछ टूट तो जरूर हुई होगी. राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ उपचार में लगा है, यह जरूरी भी है और स्वाभाविक भी.

दलबदल कानून को अधिक सार्थक और प्रभावी बनाने पर भी विचार किया जाना चाहिए. 'आया राम, गया राम' की राजनीतिक खुराफात को रोकने के दलबदल संबंधी कानून के परिप्रेक्ष्य को समझते हुए इसकी व्यापक समीक्षा की जरूरत है. सरकार की स्थिरता के लिए दलबदल संबंधी कानून की अहमियत है. लेकिन इनकार नहीं किया जा सकता है कि दलबदल कानून से राजनीतिक दल के सदस्यों की आंतरिक स्वतंत्रता कम हुई है और राजनीतिक दलों में अंदरूनी तानाशाही को बढ़ावा भी मिला है. एक सामान्य और स्वस्थ लोकतांत्रिक परिवेश में माना जा सकता है कि दलबदल विरोधी कानून स्वतंत्रता को बाधित नहीं करता है, यह जरूरी भी है. लेकिन इसके अन्य असर की समीक्षा की ही जानी चाहिए. यह ठीक है कि स्वतंत्रता के नाम पर मनमानेपन को स्वीकार नहीं किया जा सकता है, लेकिन मनमानेपन के डर से स्वतंत्रता की बलि भी नहीं ली जा सकती है. चुनाव के माध्यम से मतदाताओं की संप्रभुता जन-प्रतिनिधियों को शर्त के साथ अंतरित होती हैं. शर्तें संविधान से तय होती हैं. जन-प्रतिनिधियों के पास मतदाता से प्राप्त संप्रभुता को अपनी 'अन्य प्रेरित इच्छा' के अनुसार किसी को भी अंतरित करने का अधिकार जन-प्रतिनिधियों को नहीं होना चाहिए. इसे कानूनी तरीके से रोके जाने का उपाय किया जाना चाहिए. ध्यान रहे, उन उपायों में राजनीतिक दलों की अंदरूनी राजनीति में दलीय तानाशाही को बढ़ावा देनेवाला तत्व नहीं होना चाहिए. विश्वास किया जाना चाहिए कि भारत में लोकतंत्र के लिये दी गई आहुतियों को याद रखने से 2024 के आम चुनाव के परिणाम से लोकतंत्र के लिए वैचारिक संघर्ष के विभिन्न आयाम स्वतः सामने आयेंगे.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

आत्म नियंत्रण आवश्यक

किसी भी मनुष्य के लिए आत्मनियंत्रण आवश्यक ही नहीं, बल्कि अनिवार्य भी है. नियंत्रण के अभाव में मनुष्य निरंकुश हो जाता है. वह कुछ भी मनमानी करने लग जाता है. इस बात की परवाह नहीं करता कि वह जो कर रहा है, उसका विपरीत प्रभाव अन्य लोगों पर पड़ रहा है. उसकी उटपटांग हरकतों से दूसरे लोग दुखी हो रहे हैं. जो मनुष्य स्वयं पर नियंत्रण कर लेता है, उसपर और किसी को नियंत्रण करने की आवश्यकता नहीं होती. वह सही अर्थों में स्वाधीन होता है. स्वाधीन का मतलब है अपने अधीन यानी खुद के नियंत्रण में. अगर देश का हर नागरिक खुद पर नियंत्रण करने लगे, अपने ऊपर शासन करने लगे, स्व के अधीन हो जाये तो सही मायने में हमारा देश स्वाधीन हो जाएगा. एक युवा तीरंदाज खुद को सबसे बड़ा धनुर्धर मानने लगा. जहां भी जाता, लोगों को मुकाबले की चुनौती देता और हराकर उनका खूब मजाक उड़ाता. एक बार उसने एक ज़ेन गुरु को चुनौती दी. उन्होंने पहले तो उसे समझाना चाहा, लेकिन जब वह अड़ा रहा तो उन्होंने चुनौती स्वीकार कर ली. युवक ने पहले प्रयास में ही दूर रखे लक्ष्य के बीचोंबीच निशाना लगाया और लक्ष्य पर लगे पहले तीर को ही भेद डाला. इसके बाद वह दंभपूर्ण स्वर में बोला- 'क्या आप इससे बेहतर कर सकते हैं?' ज़ेन गुरु तनिक मुस्कराए और बोले- 'मेरे पीछे आओ.' वे दोनों एक खाई के पास पहुंचे. युवक ने देखा कि दो पहाड़ियों के बीच लकड़ी का एक कामचलाऊ पुल बना था और वह उससे उसी पर जाने के लिए कह रहे थे. ज़ेन गुरु पुल के बीचोंबीच पहुंचे और उन्होंने अपने धनुष पर तीर चढ़ाते हुए दूर एक पेड़ के तने पर सटीक निशाना लगाया. इसके बाद उन्होंने युवक से कहा- 'अब तुम भी निशाना लगाकर अपनी दक्षता सिद्ध करो.' युवक डरते हुए डगमगाते कदमों के साथ पुल के बीच में पहुंचा और निशाना लगाया. लेकिन तीर लक्ष्य के आस-पास भी नहीं पहुंचा. युवक निराश हो गया और उसने हार स्वीकार कर ली. तब ज़ेन गुरु ने उसे समझाया- 'वत्स, तुमने तीर-धनुष पर तो नियंत्रण पा लिया है, पर तुम्हारा उस मन पर अब भी नियंत्रण नहीं है, जो किसी भी परिस्थिति में लक्ष्य भेदने के लिए जरूरी है. जब तक सीखने की जिज्ञासा है, तब तक ज्ञान में वृद्धि होती है. लेकिन अहंकार आते ही पतन आरंभ हो जाता है.' युवक ने उनसे क्षमा मांगी और सदा सीखने व अपनी झमता पर घमंड न करने की सौगंध ली. यह भी आत्मनियंत्रण का एक स्वरूप है.

नजरअंदाज न हो ग्रामीण भारत का संकट

• सामयिकी

डॉ. सोमा

ग्रामीण भारत ने भारतीय जनता पार्टी को लोकसभा में 240 सीटों तक सीमित कर दिया. अगर 'एनडीए सहयोगी' न होते, तो नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री भी नहीं बन पाते. भाजपा अब संसद में साधारण बहुमत के लिए अपने सहयोगियों पर निर्भर है. भाजपा ने 2024 में अपने एक तिहाई ग्रामीण संसदीय क्षेत्रों को खो दिया, जो तीव्र ग्रामीण संकट को दर्शाता है. एमएसपी, अग्निवीर और उच्च बेरोजगारी, इन सभी ने भाजपा के चुनावी संकट में योगदान दिया.भाजपा ने 2024 के चुनाव में 126 सीटें ही बरकरार रखीं, जबकि उसने17वीं लोकसभा चुनाव 2019 में 251 ग्रामीण सीटें जीती थीं. लेकिन भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 221 ग्रामीण और अर्ध-ग्रामीण लोकसभा क्षेत्रों में जीत हासिल की. इनमें से ज़्यादातर सीटें उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान से आई हैं. दूसरी ओर इंडिया ब्लॉक ने 2024 के चुनाव में 157 ग्रामीण और अर्ध-ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की. नयी-नवेली एनडीए सरकार को ग्रामीण संकट से जुड़े मुद्दों पर तुरंत ध्यान देना चाहिए. किसान समुदाय इतनी मुश्किल में है कि वह राहत का इंतज़ार नहीं कर सकता. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगली तिमाही के पीएम किसान सम्मान निधि का भुगतान जारी करके किसानों के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता का बड़ा प्रदर्शन किया है. लेकिन इस डीबीटी (डायरेक्ट टू बैंक ट्रांसफर) में कुछ खास नहीं है. पिछले डेढ़ दशक में ग्रामीण संकट बढ़ा है. उर्वरकों, बीजों, डीजल और कीटनाशकों की ऊंची कीमतों के कारण कृषि में उत्पादन की लागत लगभग तीन गुना बढ़ गई है. ये सभी कृषि अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक हैं. हालांकि सरकार समय-समय पर विभिन्न फसलों के लिए एमएसपी की घोषणा करती रही है, लेकिन किसान संकट में हैं और अपनी फसल को बाजारों में बेचने में असमर्थ हैं. आर्थिक दृष्टि से, दो प्रकार की आय होती है. एक सामान्य (नॉमिनल) और दूसरी वास्तविक. जबकि नाममात्र आय (मुद्रा के संदर्भ में) में एमएसपी के साथ थोड़ी वृद्धि देखी गई, 'वास्तविक' आय में गिरावट आई. वास्तविक आय उपभोग किये गये खाद्य और घरेलू औद्योगिक वस्तुओं की क्रय शक्ति (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) से जुड़ी हुई है. अनुमानों के अनुसार, पिछले 15 वर्षों में वास्तविक आय में 60 प्रतिशत की कमी आई है, जिसका मुख्य कारण बाजारों में कृषि और औद्योगिक वस्तुओं के बीच मूल्य असमानता है. इस मूल्य असंतुलन के परिणामस्वरूप देश में कुल अनुमानित 42 लाख करोड़ रुपये के कुल कृषि उपज में से लगभग 28 लाख करोड़ रुपये का हस्तांतरण हुआ है. ग्रामीण विकास मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, बेरोजगारी में लगातार वृद्धि हो रही है, जो 302 लाख लोगों तक पहुंच गई है. एनसीएईआर के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में मनरेगा के तहत काम की मांग में 48.8 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि हुई. सरकार ने मनरेगा के लिए समुचित खर्च नहीं किया, जबकि कर प्रवाह, विशेष रूप से जीएसटी, अत्यधिक मजबूत रहा है. भारत की अंतरिम जीडीपी वित्त वर्ष 2024 में 8.2 प्रतिशत बढ़ी, जिसका श्रेय विनिर्माण और खनन क्षेत्रों को जाता है. हालांकि, जीडीपी और सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) में हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2024 में घटकर 1.4 प्रतिशत रह गई है. औसत कृषि वृद्धि आमतौर पर 3 प्रतिशत पर होती है. 2023-24 में यह केवल 1.4 प्रतिशत थी. इसके साथ ही उच्च खाद्य मुद्रास्फीति भी थी. फरवरी-अप्रैल में औसत खाद्य मुद्रा स्फीति 8.6 प्रतिशत थी. खपत और ग्रामीण मांग में गिरावट न केवल घरेलू वस्तुओं की गिरावट में बल्कि ग्रामीण बाजारों में ट्रैक्टरों और मोटर साइकिलों की बिक्री में गिरावट में भी दिखाई दे रही थी.सतही उपायों का सहारा लेने के बजाय, मोदी की एनडीए सरकार को ग्रामीण संकट को कम करने के लिए तत्काल उपाय करने चाहिए. एकमुश्त कृषि ऋण माफी जारी करें. सिफारिशों के अनुसार फसल एमएसपी की गणना एमएस स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार करें तथा सभी फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी सुनिश्चित करने के लिए एक कानून लायें. देश में लगभग 13 करोड़ ग्रामीण गरीब पीडीएस के तहत सस्ते राशन से वंचित हैं और प्रवासी श्रमिकों सहित गरीबों का एक वर्ग अदृश्य है. उन्हें तत्काल सहायता पहुंचाई जाये. उर्वरकों और कृषि उपकरणों सहित कृषि इनपुट की खरीद पर जीएसटी हटाएं. तालुकात मुख्यालयों में अनाज और कोल्ड स्टोरेज गोदामों का निर्माण करें. फसल क्षति के 30 दिनों के भीतर किसानों के बैंक खातों में सीधे फसल बीमा मुआवज़ा दें. फसल बीमा को विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों को सौंपें. अग्निवीर को खत्म करें और मनरेगा के लिए धन को दोगुना करें.

> पिछले डेढ़ दशक में ग्रामीण संकट बढ़ा है. उर्वरकों, बीजों, डीजल और कीटनाशकों की ऊंची कीमतों के कारण कृषि में उत्पादन की लागत लगभग तीन गुना बढ़ गई है. ये सभी कृषि अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक हैं. हालांकि सरकार समय-समय पर विभिन्न फसलों के लिए एमएसपी की घोषणा करती रही है, लेकिन किसान संकट में हैं और अपनी फसल को बाजारों में बेचने में असमर्थ हैं.

भारत में कम कार्बन उत्सर्जन की रणनीति बने

• पर्यावरण

सुनीता नारायण

2005 के मुकाबले 2019 तक भारत ने अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के उत्सर्जन की मात्रा में 33 फीसदी की कमी कर ली है. इसका मतलब है कि देश 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद के उत्सर्जन की मात्रा को 45 फीसदी कम करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की राह पर अग्रसर है. लेकिन साथ ही, भारत का लक्ष्य 2047 तक अपनी अर्थव्यवस्था को मौजूदा आकार से 8 गुना बड़ा करना है. इसका मतलब है कि देश को घरेलू विकास की जरूरतों को पूरा करते हुए हर क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन कम करने की एक मजबूत योजना बनानी होगी. भारत ने 2022 में विभिन्न क्षेत्रों के लिए दिशानिर्देशों के साथ 'यूएन फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज' यानी संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) को एक लॉन्ग-टर्म लो एमिशन डेवलपमेंट स्ट्रैटिजी यानी 'दीर्घकालिक कम उत्सर्जन विकास रणनीति' (एलटी-एलईडीएस) सौंपी थी. लेकिन हमें अब हर क्षेत्र के लिए विस्तृत उत्सर्जन कम करने की योजनाओं की जरूरत है, जिनमें छोटे, मध्यम और दीर्घकालिक लक्ष्य शामिल हों. भारत को कार्बन उत्सर्जन कम करने के उपायों को लागू करने में आने वाली दिक्कतों और इसके लिए जरूरी वित्त और तकनीकों की पहचान खुद ही करनी चाहिए. समाधान और संस्थागत हस्तक्षेप आदर्श रूप से घरेलू स्तर पर तय किए जाने चाहिए और ये ही वैश्विक वित्तीय और तकनीकी सहायता को भारत के लिए दिशा दें, न कि इसके उल्टा. इससे कई तरह के फायदे हो सकते हैं, जैसे ताप बिजली पर निर्भरता कम करके वायु प्रदूषण के प्रभाव को कम करना और बेकार पड़ी परिसंपत्तियों के जोखिम को कम करना. इससे जलवायु परिवर्तन के सबसे खराब प्रभावों से बचने के लिए जलवायु अनुकूलन की जरूरत भी कम होगी और बदलते वैश्विक व्यापार और जलवायु व्यवस्था में आर्थिक और व्यापार प्रतिस्पर्धा को होने वाले नुकसान को भी कम किया जा सकेगा. दिसंबर 2023 में यूएनएफसीसीसी को सौंपी गई भारत की तीसरी राष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देश को 2030 तक 56.68 लाख करोड़ रुपये (679 अरब अमेरिकी डॉलर) की जरूरत है. 'राष्ट्रीय जलवायु अनुकूलन कोष' जैसे माध्यमों का लक्ष्य उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सक्षम बनाना है, जो जलवायु परिवर्तन से होने वाले प्रभावों के प्रति अधिक संवेदनशील हैं ताकि वे अनुकूलन की लागत को पूरा कर सकें. हालांकि, कोष के लिए बजट आवंटन बढ़ती जरूरतों के साथ तालमेल नहीं रख पाया है. पिछले दो वित्तीय वर्षों में तो कोई बजट आवंटन ही नहीं हुआ है. सरकार के लिए देश की अनुकूलन जरूरतों को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है.अनुकूलन में कमियों का पता लगाने के लिए सामाजिक-आर्थिक प्रभावों पर गहन शोध आवश्यक है. तीसरी राष्ट्रीय रिपोर्ट में, केंद्र सरकार इस बात को रेखांकित करती है कि अधिकांश जोखिम आकलन अध्ययन केवल खतरों पर ही ध्यान केंद्रित करते हैं. अनुकूलन अनुसंधान में सुधार के लिए सरकार के निवेश, समुदाय प्रभाव अध्ययन, स्थानीय प्रशासन की क्षमता निर्माण और तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से जलवायु जोखिमों, संवेदनशीलता और विकास कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक मानकीकृत ढांचे और कार्यप्रणाली की आवश्यकता है. इससे खासकर मध्यम और छोटे उद्यमों और कृषि जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में लचीलापन बढ़ाने में मदद मिलेगी. भारत के जलवायु लक्ष्य कई बाहरी दबावों से भी प्रभावित होते हैं. इनमें ऊर्जा और उद्योग से जुड़ी वैश्विक राजनीति से लेकर हरित तकनीकों और जरूरी खनिजों की आपूर्ति श्रृंखलाओं को नियंत्रित करने की वैश्विक प्रतिस्पर्धा तक सब शामिल है. आजकल अंतरराष्ट्रीय राजनीति में संसाधनों की वास्तविकता सबसे अहम मानी जाती है. उदाहरण के लिए, कम कार्बन उत्सर्जन वाली तकनीकों के उत्पादन के लिए दुर्लभ मृदा धातुओं (रेयर अर्थ मेटल्स) को ही लीजिए. अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, दुनिया के लगभग 85% दुर्लभ मृदा ऑक्साइड्स, जिनसे दुर्लभ मृदा धातु प्राप्त होते हैं, चीन में ही बनते हैं. देश तेजी से इस बात को समझ रहे हैं कि उत्पादन और प्रसंस्करण का इतना अधिक नियंत्रण एक हाथ में होने से आपूर्ति में बहुत बड़ा जोखिम है. यह जोखिम सौर ऊर्जा उपकरणों और इलेक्ट्रिक वाहनों की आपूर्ति श्रृंखलाओं तक भी फैला हुआ है. इन चुनौतियों को देखते हुए, देश की विदेश नीति को घरेलू हरित बदलाव में संसाधन सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए.

> समाधान और संस्थागत हस्तक्षेप आदर्श रूप से घरेलू स्तर पर तय किए जाने चाहिए और ये ही वैश्विक वित्तीय और तकनीकी सहायता को भारत के लिए दिशा दें, न कि इसके उल्टा. इससे कई तरह के फायदे हो सकते हैं, जैसे ताप बिजली पर निर्भरता कम करके वायु प्रदूषण के प्रभाव को कम करना और बेकार पड़ी परिसंपत्तियों के जोखिम को कम करना.

मीडिया में अन्यत्र

कॉलेज में दाखिले की नई व्यवस्था कुछ सवाल

सन 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मंजूरी मिलने के करीब चार साल बाद और सुधारों की शुरुआत की गई है. ये बदलाव देश के उच्च शिक्षा क्षेत्र से संबंधित है, जिससे चार करोड़ छात्र-छात्राएं जुड़े हैं. देश भर में फैले विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों में करीब 20 लाख शिक्षक हैं. ताजा बदलाव सभी उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में वर्ष में दो बार दाखिले की व्यवस्था से संबंधित है, जिसकी शुरुआत स्नातक स्तर से होनी है. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने हाल ही में विश्वविद्यालयों तथा उच्च शिक्षा संस्थानों को साल में दो बार दाखिला देने की अनुमति प्रदान कर दी है. एक बार जुलाई-अगस्त में और दोबारा जनवरी-फरवरी में. इस कदम का स्वागत किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे उन बच्चों को लाभ होगा, जो परीक्षा के नतीजे आने में देरी होने, स्वास्थ्य कारणों या किसी निजी कारण से जुलाई-अगस्त में दाखिला नहीं ले पाते हैं. अब वे बिना एक साल इंतजार किए अपने पसंदीदा पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकेंगे. यूजीसी को उम्मीद है कि इस मॉडल को अपनाने से न केवल दाखिलों का अनुपात बेहतर होगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग और छात्रों के आदान-प्रदान की स्थिति में भी सुधार होगा, जिससे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा. इससे भारत को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा मानकों के अनुरूप करने में मदद मिलेगी. उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण के मुताबिक उच्च शिक्षा में दाखिले का अखिल भारतीय औसत 2021-22 में 28.4 फीसदी था जो पिछले सालों से बेहतर था और जिसमें निरंतर सुधार हो रहा है. हालांकि विभिन्न राज्यों में काफी अंतर अभी भी है. साल में दो बार दाखिला देने की व्यवस्था को अनिवार्य नहीं किया गया है और यह उचित ही है. यह विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को तय करना है कि वे नई व्यवस्था को अपनाना चाहते हैं या नहीं. कुछ विश्वविद्यालयों के बारे में खबर है कि वे अगले अकादमिक सत्र से इसे लागू करने पर विचार कर रहे हैं. इसे चुनिंदा पाठ्यक्रमों में प्रायोगिक तौर पर आरंभ किया जाएगा. बहरहाल यह आशंका भी है कि नई व्यवस्था को अपनाने वाले उच्च शिक्षा संस्थानों को कई तरह की दिक्कतें भी हो सकती हैं. उदाहरण के लिए यह स्पष्ट नहीं है कि ये छात्र-छात्राएं सामान्य बैच और उनके अकादमिक कैलेंडर के साथ तालमेल बिठा सकेंगे या नहीं या फिर क्या उन्हें अपने अकादमिक कैलेंडर के साथ एक नई शुरुआत का अवसर मिलेगा. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

पानी/पाना

नीति शास्त्र के मर्मज्ञ कवि रहीम ने कहा है-रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून. पानी गये न ऊबरे मोती मानुष चून. पानी की महिमा का बखान करते हुए रहिम कवि ने सलाह दी है कि पानी को जरूर बचा कर रखें. पानी की रक्षा करें, उसका संरक्षण करें. इसलिए कि पानी के हटते ही मोती, मनुष्य और चूना बेमोल हो जाते हैं. इस दोहे में श्लेषालंकार की छटा दिखती है और उसका केंद्र है पानी. मोती के लिए पानी का मतलब चमक, मनुष्य के लिए पानी का मतलब इज्जत, मान-सम्मान तथा चूना के लिए पानी का मतलब जल से है. जिस अंलकार में किसी शब्द की आवृत्ति हुए बिना प्रसंग के अनुसार दो या दो से अधिक अर्थ निकले, वहां पर श्लेष अलंकार होता है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार पानी का मतलब रंग, गंध और स्वाद रहित एक पारदर्शी तरल पदार्थ, जो जीवन के लिए आवश्यक है, नीर, जल, वर्षा, मेह, किसी हरे या सरस पदार्थ के भीतर से निकलनेवाला रस, किसी पदार्थ का विशेष गुण जिसके कारण वह आभायुक्त, यानी चमकदार बना रहता है. अरबी भाषा में इसे आब कहा जाता है. पानी का मतलब मान-प्रतिष्ठा, इज्जत भी है. पानी से बने असंख्य मुहावरे हमारे प्रयोग में आते रहते हैं. जैसे पानी उतारना यानी अपमानित करना, पानी में आग लगाना यानी अशांति-उपद्रव करा देना, पानी फेंकना यानी नष्ट करना, किये कराये पर पानी फेरना यानी अंतिम समय में किसी कोशिश का नाकाम कर देना, पानी पी-पी कर कोसना यानी खूब खरी-खोटी सुनाना. पानीपूरी का मतलब तो आप समझ ही रहे हैं. मतलब गोल फूली हुई पपड़ी में नमक, मिर्च, इमली, पुदीना तथा चटपटे मसाले मिले पानी भरकर खाये जानेवाला व्यंजन. इसे गोलगप्पा और गुपचुप भी कहा जाता है. पाना सकर्मक किया है, जिसका मतलब है कुछ प्राप्त करना, ग्रहण करना, खोई वस्तु मिल जाना अनुभव, समझ लेना, भोगना, किसी के पास पहुंचना, भोजन करना, बराबरी करना, पारिश्रमिक प्राप्त करना, सकना.

इस प्रकार हम नेता बन गये भाई!

• तीर-तुक्का

शैलेंद्र चौहान

मेरे देश के लोगों और लुगाइयों यानी माताओं-पिताओं, भाइयों-भौजाइयों, बहनों-बहनोइयों आदि-आदि - हम आप सब लोगन का बहुत बहुत आभारी हूं. आप सब लोगन को यह जानकर बहुत खुशी होगी कि हम चुनाव जीत ही गया हूं. किस्सा यूं रहा कि पहले हम सड़क पर पनवाड़ी चूनामल चौरसिया की 'थड़ी' (पटरी पर रखी छोटी बक्सेनुमा दुकान) के सामने खड़ा होता था. फिर जब चूनामल ने उधार में पान खिलाना बन्द कर दिया और रोज पैसों के लिए झिक-झिक करने लगा तो हमें कोई उपाय नहीं सूझा और हम अपने शहर के जाने-माने नेता लूटाराम के यहां जाकर खड़ा हो गया . लूटाराम ने पूछा 'भाया तू यहां क्यूं खड़ा है?' हम बोल पड़ा 'बस खड़े होने को थोड़ी जगह चाहिए थी सो यहां खड़ा हो गया.' लूटाराम बोला 'भाया खड़ा ही होना है तो रेलवे स्टेशन पर टिकिट खिड़की के सामने खड़ा होओ, राशन की दुकान पर खड़ा होओ.' 'जब कभी कोई काम नहीं करवा सका तो अब काम की बात सोचूं भी कैसे? अब सोचना ही बन्द कर दिया है.' लूटाराम बोला 'बहुत बढ़िया! फिर तू इलेक्शन में खड़ा हो जा.' 'इलेक्शन में! लेकिन हम इलेक्शन में कैसे खड़ा हो सकता हूं, हमरे पास तो पनवाड़ी का उधार चुकाने लायक भी पैसे नहीं हैं.' 'तभी तो, तभी तो' लूटाराम चहक कर पूछा 'तेरी क्वालीफिकेशन क्या है? क्वालीफिकेशन यानी पढ़ाई-लिखाई.' 'तो जी मैट्रिक पास हूं तीन साल में थर्ड डिवीजन से, इन्टर तो चार साल में भी नहीं कर पाया.' 'फिट, एकदम फिट, आगे बोल.' 'आगे क्या बोलूं, और तो हम पढ़ ही नहीं सका.' 'अरे पढ़ाई को मार गोली, और क्या-क्या एक्सपीरियंस है?' 'एक्सपीरियंस! कुछ खास नहीं, एक ठेकेदार के यहां काम किया था, एक दिन मजदूरों की मजदूरी से थोड़ी सी पी ली सो निकाल दिया गया. बजाज के यहां नौकरी की, एक पैंट पीस और एक शर्ट पीस पसन्द आ गई, अपने लिए सिलवा ली, उसने भी निकाल दिया. और दो एक जगह छुट-पुट काम-आम किया, लड़ाई-झगड़ा हुआ, निकाला गया.' 'वैरी गुड, वैरी गुड, लड़ाई-झगड़ा में कभी जेल-वेल गया?' 'हां दो बार गया, एक-एक महीने के लिए. एक बार मोहल्ले का पंसारी उधार के पैसे मांगने घर आ गया और भला बुरा कहने लगा, बात बरदास्त के बाहर हो गई तो उसके सर पर डंडा मार दिया! उसका स्साले का सर ही खुल गया. दूसरे केस में सरकारी डॉक्टर ने बिना पैसे लिए अम्मा को घर पर देखने से मना कर दिया तो उसका हाथ तोड़ दिया. दोनों केस में पुलिस ने सुलह-समझौता कराने और केस रफा-दफा करने के लिए पैसे मांगे. अब मेरे पास पैसे होते तो क्या था, कुछ ढंग का काम न करता, सो हवालात भेज दिया गया. कोई गवाही देने को ही तैयार नहीं हुआ मेरे खिलाफ, पनवाड़ी चूनामल ने मेरी जमानत कराई दोनों दफे, अब केस खारिज हो गए हैं.'

लाइफ लाइन

सेलेब्स डाइट सीक्रेट : श्वेता तिवारी

44 साल की उम्र में 24 साल का फिगर व फिटनेस

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी फिगर और फिटनेस के मामले में आज 44 साल की उम्र में भी जाह्न्वी कपूर और सारा अली खान जैसी कम उम्र हीरोइन को चुनौती देती नजर आती हैं. कुछ समय पहले बेशक उनका वजन बहुत अधिक बढ़ गया था फिर उन्होंने अपने पर्सनल फिटनेस ट्रेनर और सेलेब्रिटी कोच प्रसाद नंदकुमार शिर्के की मदद से अपना पुराना फिगर व फिटनेस वापस पाया. वे रोजाना वर्कआउट करती हैं जिसमें स्ट्रेंथ, वेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज, पुल अप, पुश-अप्स, वी स्क्वैत, शेट अप्स और लोअर बेक एक्सटेंशन आदि शामिल है.

सुबह बतौर ब्रेकफास्ट बस 90 ग्राम ग्रीक योगर्ट और 8-10 बादाम लेती हैं. हफ्ते में दो दिन अंडे के साथ ब्राउन ब्रेड या दो इडली के साथ एक छोटी कटोरी सांभर या एक छोटी कटोरी मिल्क ओट्स के साथ एक सेब लेती हैं. दिन के खाने में 100 ग्राम चिकन या मछली, 200-300 ग्राम वेजिटेबल, ज्वार की एक रोटी शामिल होता है. अगर सलाद नहीं होती है तो 100 ग्राम पालक या मेथी की सब्जी खाती हैं. शाम के समय एक संतरा लेती है. इसके थोड़ी देर बाद एक कप डिटॉक्स टी लेती हैं. डिनर में प्रोटीन सलाद लेती हैं जिसमें चिकन या मछली के साथ हरी-सब्जियां होती थीं. दिन भर में पर्याप्त पेय पदार्थ लेती हैं जिसमें पानी के साथ नारियल पानी, फलों का ताजा रस, फीका छाछ, ग्रीन टी आदि शामिल होता है.

श्वेता तिवारी हफ्ते में 3 दिन जिम में जाकर वेट ट्रेनिंग करती हैं. वेट ट्रेनिंग में वह 2 बॉडी पार्ट को ट्रेन करती हैं. इसके अलावा 3 दिन फंक्शनल ट्रेनिंग करती हैं जिसमें बॉडी वेट वर्कआउट शामिल होता हैं. हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग, योग भी उनके वर्कआउट रूटीन में शामिल है. श्वेता को चेस्ट-ट्राइसेप्स, बैक-बाइसेप्स, लेग्स और शोल्डर मसल्स को एक साथ ट्रेन करती हैं. एब्स को वह फंक्शनल ट्रेनिंग के साथ ट्रेन करती हैं.

तुम जो इतना मुस्कुरा रहे हो...

सिद्धार्थ सिन्हा
वरीय मनोचिकित्सक, रिनपास

चेहरे पर एक नकली मुस्कान और सामान्य बातचीत और खुश मिजाज के साथ पर भीतर से अवसाद ग्रस्त, यही स्थिति स्माइलिंग डिप्रेशन कहलाती है. हालांकि, यह डायग्नोस्टिक एंड स्टैटिस्टिकल मैनुअल ऑफ मेंटल डिसऑर्डर (डीएसएम-5) में सूचीबद्ध नहीं है, लेकिन इसे नॉन-कनफर्मिंग लक्षणों के साथ एक प्रमुख डिप्रेसिव डिसऑर्डर (एमडीडी) माना जाता है. आइए जाने क्या है स्माइलिंग डिप्रेशन और क्या हैं लक्षण-उपचार

एक पुराना फिल्मी गाना आपने भी सुना होगा-तुम जो इतना मुस्कुरा रहे हो, क्या गम है जिसको छिपा रहे हो कुछ ऐसा ही मर्ज है स्माइलिंग डिप्रेशन होंठों पर मुस्कान और दिल में गम समेटे यानी स्माइलिंग डिप्रेशन से ग्रस्त लोगों की पहचान भी बेहद मुश्किल है. आमतौर पर हम उनके अवसाद ग्रस्त होने की पहचान तो कर लेते हैं जो उदास-निराश से और सुस्त नजर आते हैं. उनकी चाल-ढ़ाल और बातों से सहज ही उनके मानसिक स्थिति को भांपा जा सकता है. पर ऐसे शख्स जो परेशानियों-दुखों में डूबे होते हैं पर अपने चेहरे पर मुस्कान ओढे रहते हैं, उनके दिल में झांकना बेहद करीबियों के ही बस की बात है. ऐसे में डिप्रेशन से कहीं अधिक गंभीर होती है स्माइलिंग डिप्रेशन की समस्याएं. ऐसे लोग कई बार बहुत घातक कदम उठा लेते हैं और हम समय रहते सजग भी नहीं हो पाते. हालांकि, यह डायग्नोस्टिक एंड स्टैटिस्टिकल मैनुअल ऑफ मेंटल डिसऑर्डर (डीएसएम-5) में सूचीबद्ध नहीं है, लेकिन इसे नॉन-कनफर्मिंग लक्षणों के साथ एक प्रमुख डिप्रेसिव डिसऑर्डर (एमडीडी) माना जाता है. आइए, जानें कि क्या है स्माइलिंग डिप्रेशन के लक्षण, उपचार और बचाव.

पहचानिए लक्षण

- ऐसे व्यक्ति चेहरे पर बनावटी मुस्कुराहट लिए होते हैं, हालांकि अंदर से गहरी उदासी, निराशा और खालीपन महसूस करते हैं.
- थकान और नींद से जुड़ी परेशानियां इनके साथ रहती हैं.
- जिस काम में पहले दिल लगा कर जुटे रहते थे, एंजॉय करते थे, उस काम से मन उचट जाता.
- ये या तो बहुत खाने लगते हैं या फिर इनकी भूख मर जाती है. इनके वजन में भी इस तरह का बदलाव दिखता है.
- काम में एकाग्रता नहीं नजर आती. कोई भी काम उठाते हैं तो अधिक समय तक नहीं कर पाते. इसी तरह इनकी निर्णय क्षमता भी प्रभावित होती है.

यह है उपचार

- स्माइलिंग डिप्रेशन के उपचार में कॉग्नेटिव बिहेवरियरल ट्रीटमेंट यानी सीबीटी बेहद असरकार हो सकती है. इससे पीड़ित के नेगेटिव विचार के पैटर्न, व्यवहार को पहचानने और बदलाव में मदद मिलती है.
- आवश्यकता पड़ने पर मनोचिकित्सक पीड़ित को स्ट्रेस कम करने वाली दवाएं भी दे सकते हैं.
- पौष्टिक आहार, पर्याप्त नींद और समुचित शारीरिक गतिविधियां भी रोग से उबरने में मददगार हो सकती हैं. इसके अलावा उन्हें अपनी जिंदगी में योग व मेडिटेशन को शामिल करना चाहिए.
- पीड़ित को अपनी बात करीबियों से साझा करने के लिए उत्साहित किया जा सकता है. अगर आप के किसी परिजन को यह समस्या है तो कोशिश करें कि बिना कोई उलाहना दिए या जजमेंटल हुए चुपचाप उनकी बातों को सुनें. एक बार अपनी बातें कह देंगे तो दिल हल्का होगा.
- उन्हें खुश करें और उनके मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ाने की कोशिश करें. कॉल या फिर मिल-जुल कर उनके हाल चाल जानें. अक्सर उन पर ध्यान दें कि वे क्या कर रहे हैं और कैसा महसूस कर रहे हैं.
- बेहतर इलाज के लिए उन्हें किसी मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट या डॉक्टर के पास ले जाएं. रांची के रिनपास में इनके मुफ्त इलाज की व्यवस्था है. आवश्यकता पड़ने पर रिनपास के हेल्पलाइन पर संपर्क करें- हेल्पलाइन नंबर : 94711 36697.

जब निकलने लगे आपके- नन्हे-मुन्नों के दांत

डॉ आकांक्षा चौधरी
एमडीएस (मसूढ़ों एवं इंप्लांट सर्जरी विशेषज्ञ)

नन्हे-मुन्नों का दांत निकलना खुशियों भरा मौका होता है. लेकिन कई तरह की परेशानियां भी इस समय उभरती हैं. जैसे कि बच्चों को फीवर व डायरिया होने की समस्या. डेंटिस्ट मानते हैं कि थोड़ा सजग रह कर और हाइजिन का ख्याल रखकर ऐसी ज्यादातर समस्याओं पर काबू पाया जा सकता है. जन्म के शुरुआती एक-दो साल में बच्चों की कैसे करें देखभाल जिससे दांतों से जुड़ी समस्याओं से निजात मिल सके, बता रही हैं डॉ आकांक्षा चौधरी...

बच्चों के मुख की सफाई का रखिए. यदि बोतल या गिलास से दूध पीता है तो हर बार दूध पीने के बाद उसे कुल्ला कराएं. यदि उम्र बहुत छोटी है तो दूध पिलाने के बाद गीली रूई को हाथों में लपेट कर मुंह की सफाई करें. पर ध्यान रखें कि रुई के रेशे मुंह में न रहे. रुई की जगह आप साफ पतले सूती कपड़े का भी इस्तेमाल कर सकते हैं.

बच्चों को दांत निकलते वक्त मसूढ़ों में खुजली होती है. इसलिए उसे सेब, गाजर जैसे सख्त फलों के टुकड़े चबाने के लिए दें. ध्यान रखें कि टुकड़े बड़े हों, छोटे टुकड़े बच्चों द्वारा निगल लेने की आशंका बनी रहती है.

दांत निकलने समय बच्चे अक्सर दीवार चाटने, मिट्टी खाने आदि की कोशिश करते हैं. यह मिथक है कि ऐसा करने से आगे चलकर बच्चों के दांत मजबूत होते हैं. जबकि वास्तविकता यह है कि इससे बच्चों में इंफेक्शन हो जाता है. दांत निकलने के दौर में जो बच्चे बार–बार डायरिया, फीवर, आदि के शिकार होते हैं, उसके पीछे यही कारण है.

बोतल से जब बच्चा खुद दूध पीने लगता है तो अक्सर मां या अन्य पालक उसके हाथों में बोतल थमा कर 20-20 मिनट तक के लिए छोड़ देती है. बच्चा खुद ही दूध पीकर बोतल फेंक देता है. इस आदत के बच्चों में रैमपैट कैरीज जिसे नर्सिंग बोतल कैरीज भी कहते हैं, हो जाता है. इसलिए जब भी बोतल थमाएं, 4-5 मिनट बाद जब वह दूध पी ले, तभी हटा दें. फिर दांतों की सफाइ भी कर लें. यदि रैमपैट कैरीज के कारण बच्चे के दांतों पर भूरे धब्बे से नजर आ रहे हैं तो डेंटिस्ट के पास ले जाएं.

कई बार बच्चा दांत के साथ ही जन्म लेता है. यदि ऐसा है तो घबराने वाली कोई बात नहीं है. कई बार यह आनुवंशिक भी होता है. यदि इन दांतों की वजह से मां को बच्चों को फीड कराने में दिक्कत आती है या बच्चे मसूढ़े या जबड़े को चोट पहुंचती है तो इन्हें निकाला जा सकता है. कई बार डेंटिस्ट से बस दांतों को हल्का घिस कर नुकीलापन खत्म करा देने से भी बात बन जाती है. इसमें महज पांच मिनट समय लगता है और बच्चे को भी अधिक तकलीफ नहीं होती है.

बच्चा जब अपना पहला साल पूरा करे तो एक बार डेंटिस्ट के पास ले जाकर रेग्युलर चेकअप जरूर कराएं. इससे जांच हो जाती है कि दांत सही तरीके से निकल रहे हैं, या नहीं. दांत कहीं टेढ़े-मेढ़े तो नहीं निकल रहे. दांतों के बीच गैपिंग की समस्या तो नहीं. इस जांच से इन समस्याओं का समय रहते निदान संभव है. छोटी उम्र से डेंटिस्ट के पास आप बच्चे को ले जाते हैं तो वे खुद भी अपने दांतों के प्रति सजग रहना सीखते हैं.

छह-सात महीने की उम्र में जब पहली बार दांत निकलता है तभी से उनके दांतों की ब्रश से सफाई करें. बाजार में इस उम्र के बच्चों के लिए बेहद खास और मुलायम ब्रश आते हैं. इससे दांतों के बाहरी और भीतरी हिस्सों को हल्के से रगड़कर साफ करें. ब्रश पर सरसों के दाने बराबर टूथपेस्ट लगाएं.

बाजार में प्लास्टिक पेसिफायर भी मिलते हैं जो बच्चों को दांत निकलते समय चबाने के लिए दिए जाते हैं. इनमें कई मिठास भरे भी होते हैं. इनका इस्तेमाल कभी नहीं करें. जो बिना मिठास वाले भी हों, वे किसी विश्वसनीय कंपनी के हों, रंग नहीं छूटते हों, उनमें शीशे नहीं हों, इन सब बातों का ध्यान रखें.

न ज्यादा मोटापा भला न ज्यादा दुबलापन

डॉ रजनी शर्मा
होम्योपैथ बायोकेमिक कंसल्टेंट
डीएमबीएस, बीएमबीएस

वर्तमान समय में व्यक्ति की जीवनचर्या ऐसी हो गई है कि हरेक व्यक्ति किसी न किसी रोग से पीड़ित है. कोई मोटापे का शिकार है तो कोई दुबलेपन का शिकार है. इसमें खानपान रहन-सहन का असर होने के साथ-साथ वातावरण तथा वंशानुक्रम का भी असर पड़ता है. आइए आज बात करते हैं अतिशय मोटापा और अतिशय दुबलापन के कारण व इसके निदान के बारे में.

- **मोटापा**

मोटापा आज के समय में भयंकर रूप में लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है. अत्यधिक वसा युक्त भोजन लेने से तथा शारीरिक मेहनत नहीं करने के कारण शरीर में जमा होने वाली चर्बी को ही मोटापा कहा जाता है. शरीर के विभिन्न भागों पर जैसे पेट, गर्दन, जांघ, कमर ,छाती, पीठ, बाजू इत्यादि स्थानों पर चर्बी का जमाव हो जाता है. कई बार वह स्थान चर्बी से भारी हो कर लटक जाता है.

- **इन बीमारियों की आशंका**

मोटापे से ग्रसित व्यक्ति को कई प्रकार की बीमारियां घेर लेती हैं जिसमें थायराइड, हृदय रोग, जोड़ों के दर्द, मधुमेह, फेफड़े संबंधी रोग, प्रजनन संबंधी रोग, मूत्र तंत्र संबंधी रोग, जिगर के रोग, कोलेस्ट्रोल का बढ़ना तथा तनाव आदि शामिल हैं.

- **ये पांच इन और आउट**

मोटापे से निजात पाने के लिए संतुलित भोजन करना चाहिए. अपने आहार तथा जीवन शैली में से पांच चीज निकालनी चाहिए तथा पांच मुख्य चीजों को जोड़नी चाहिए. आहार शैली में जो पांच चीज निकालने योग्य हैं उनमें चीनी, मैदा, चावल, आलू तथा रिफाइंड तेल मुख्य रूप से हैं. जिन पांच चीजों को आहार शैली में जोड़ना चाहिए उनमें मुख्य रूप से हरी पत्तेदार साग-सब्जियां, अंकुरित अनाज, फल तथा ड्राइ फ्रूट्स, दुग्ध पदार्थ, विभिन्न प्रकार के बीज जिन से शरीर में ऊर्जा का स्तोत्र बना रहता है तथा वसा का स्तर कम होता हो. भोजन की शैली में परिवर्तन लाने के साथ-साथ प्रतिदिन योग व्यायाम तथा तेज कदमों से चलना दौड़ना इत्यादि शामिल करना चाहिए. तैलीय भोज्य पदार्थों से बिल्कुल परहेज करना चाहिए तथा प्रतिदिन तीन से चार लीटर पानी पीना चाहिए.

- **ये दवाएं कारगर**

मोटापे को दूर भगाने में होम्योपैथी दवाओं में मुख्य रूप से फाइटोलेक्का बेरी, कैलकेरिया कार्ब, फ्यूकस वर्सीकुलोसस, थाइरॉयडिनम, ग्रैफाइटिस, कैलकेरिया आर्स, अमोनियम ब्रोम, एन्टिम क्रुड आदि दवाएं मोटापे के लिए कारगर हैं.

- **दुबलापन**

कई व्यक्तियों में दुबलापन की समस्या काफी गंभीरता से देखी जाती है. उसके शरीर में पोषक तत्व की कमी हो जाती है. प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स इत्यादि की कमी और मेटाबोलिज्म लेवल के कम होने से व्यक्ति दुबलापन का शिकार हो जाता है. यह वंशानुगत तथा वातावरण के आधार पर भी होता है. कई बार किसी बड़ी बीमारी के कारण भी कमजोरी उत्पन्न हो जाती है. दुबलेपन के शिकार व्यक्ति को प्रोटीन, कैल्शियम इत्यादि के विभिन्न प्राकृतिक स्रोत जैसे साग-सब्जी, ड्राइ फ्रूट्स, फल तथा हाई कैलोरी के भोजन को ग्रहण करना चाहिए.

- **ये दवाएं कारगर**

होम्योपैथ की दवाओं में मुख्य रूप से चायना सिनकोना, अल्फा अल्फा, जिंगसिंग, जेल्सीमियम, कैल्केरिया फॉस, सोराइनम, आर्स आयोडीन, कार्बो वेज सेलेनियम, पिकरिक एसिड, फास्फोरिक एसिड, अर्जेंटम मेटैलिकम, मैग्नेशिया कार्ब, हैलोनियास, नक्स वोमिका, कैलकेरिया हाइपोफॉस, स्कुटेल्लेरिया आदि दवाएं कमजोरी तथा दुबलेपन के लिए कारगर हैं.

बायोकेमिक की दवाओं में मुख्य रूप से कैल्केरिया फॉस, कैलकेरिया फ्लोर, नेट्रम म्यूर, काली फॉस, मैग्निशियम फास्फोरिकम आदि महत्वपूर्ण दवाएं दी जाती है. एनीमिया होने पर बायोकेमिक कांबिनेशन एक दिया जाता है. जनरल टॉनिक के रूप में बायोकेमिक कांबिनेशन 27 तथा 28 दिया जाता है. सभी दवाएं कृपया कुशल चिकित्सक की देखरेख में लें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

झारखंड के औषधीय वृक्ष

मलेरिया के मच्छर भगाते हैं करंज तेल से जलते दीपक

करंज का 100 वर्ष से अधिक पुराना वृक्ष देखते हैं तो मन को संतुष्टि मिलती है कि काश और भी अनेको जगहों पर पुराना करंज का वृक्ष देखने को मिलता. हिंदी में करंज, लैटिन में पोंगेमियाग्लैबरा, अंग्रेजी में स्मूथ लीव्ड, बंगाल में डहर करंज कहते हैं. करंज के पत्र मल भेदक कफ, वात, कृमि बवासीर, शोथहर के लिए लाभदायक है. इसके फल से तेल प्राप्त होता है जो चर्मरोग, वातरोग के लिए काम में लिया जाता है. इसके तेल का दीपक जलाने से मलेरिया फ़ैलाने वाले मच्छरों से बचाव होता है. भारतीय संस्कृति में दीपावली में करंज का तेल का दीपक जलाने का प्रावधान किया गया है. अब झारखंड के जंगलों में करंज का पेड़ देखने को नहीं मिलता है. यह एक ग्राम औषधीय वृक्ष है और गांव के डहर पर यदा-कदा मिल जाते हैं. करंज का वृक्ष एक उच्च कोटि का छायादार तरु कहा गया है.

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

यह आद्र भूमि पर पाया जाता है. इसके पुष्प गुच्छाकार एक पुष्पदंड में लगे रहते हैं. इसके फल, पुष्प, पत्र सभी को एक कीटनाशक दवा के रूप में और फर्टिलाइजर के रूप में उपयोग किया जाता है. आज के युग में वायोडीजल प्राप्त करने का एक संसाधन भी बन गया है. करंज का वृक्ष अज्ञानता के चलते अनावश्यक रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में काट दिया जा रहा है. भारत सरकार को इसके गुणों का प्रचार प्रसार करना चाहिए.

(औषधीय पौधा के खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)

तस्वीर : अनिल कुमार पाठक

स्पोर्ट्स+

अब सुपर-8 की तैयारी...

टीम इंडिया का टी20 विश्व कप के सुपर-8 का मुकाबला गुरुवार को अफगानिस्तान के साथ होगा. मैच के लिए टीम इंडिया प्रैक्टिस में जुटी नजर आयी. कुलदीप यादव, सूर्यकुमार यादव, रिंकु सिंह, रवींद्र जडेजा सहित अन्य खिलाड़ी मैदान में पसीना बहाते नजर आए.

ब्रीफ खबरें

पेरिस ओलंपिक खेलेंगे जोकोविच

लंदन। सर्बियाई ओलंपिक समिति ने पुष्टि की है कि नोवाक जोकोविच आगामी पेरिस ओलंपिक में भाग लेंगे. फ्रेंच ओपन क्वार्टर फाइनल से पहले घुटने की सर्जरी के कारण पीछे हटने वाले जोकोविच ने उम्मीद जताई कि वह जल्दी प्रतिस्पर्धा में लौटेंगे. सर्बियाई समिति ने कहा कि जोकोविच ने पेरिस ओलंपिक खेलने की पुष्टि की है जो उनका पांचवां ओलंपिक होगा. जोकोविच ने कहा कि उनके दाहिने घुटने की सर्जरी सफल रही है. पेरिस ओलंपिक की टेनिस स्पर्धाएं 27 जुलाई से शुरू होंगी.

अल्काराज ने पहले दौर में जीत दर्ज की

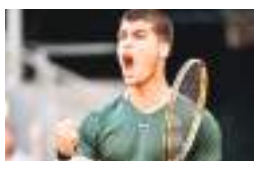

लंदन। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने क्वींस क्लब में पहले मैच में फ्रांसिस्को सेरूंडोलो को 6.1, 7.5 से हराकर ग्रासकोर्ट सत्र का जीत के साथ आगाज किया जबकि एंडी मर्रे ने टूर स्तर पर 1000वां मैच जीता. फ्रेंच ओपन खिताब विजेता अल्काराज का ग्रासकोर्ट पर जीत का अभियान 13 मैचों का हो गया है. उन्होंने पिछले साल क्वींस क्लब खिताब जीतने के बाद विम्बलडन फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराया. अब उनका सामना जैक ड्रेपर से होगा.

बांग्लादेश के गेंदबाज तंजीम पर जुर्माना

दुबई। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तंजीम हसन साकिब पर टी20 विश्व कप ग्रुप डी के आखिरी लीग मैच में नेपाल के कप्तान रोहित पौडेल से झड़प के बाद 'अनुचित शारीरिक संपर्क' के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है. यह घटना नेपाल की पारी के तीसरे ओवर की है जब तंजीम गेंद डालने के बाद आक्रामक अंदाज में पौडेल की तरफ बढ़े और अनुचित रूप से शारीरिक संपर्क भी किया. तंजीम ने मैच में सात रन देकर चार विकेट लिये और बांग्लादेश को 21 रन से जीत दिलाई. उन्होंने हालांकि आईसीसी आचार संहिता की धारा 2 . 12 का उल्लंघन किया.

टी20 विश्व कप: सुपर-8 के पहले मुकाबले में उतरेगी टीम इंडिया

अफगानिस्तान के विरुद्ध कोहली और कुलदीप पर रहेंगी नजरें

भाषा। ब्रिजटाउन (बारबडोस)

टीमें

भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ गुरुवार को टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण के पहले मुकाबले में उतरेगी तो नजरें काफी समय से खामोश पड़े विराट कोहली के बल्ले पर होगी, जबकि बायें हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव भी अंतिम एकादश में जगह बनाने को बेताब होंगे. भारतीय टीम संयोजन को लेकर काफी चर्चा हो रही है. भारत ग्रुप चरण की टीम में कोई बदलाव नहीं करेगा या किसी विशेषज्ञ तेज गेंदबाज की जगह पिछले एक साल से अधिक समय से अपने सर्वश्रेष्ठ स्पिनर को टीम में जगह देगा.

टूर्नामेंट की शुरुआत में कप्तान रोहित शर्मा ने चार हरफनमौलाओं (हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा) को अंतिम एकादश में रखने पर जोर दिया था. न्यूयॉर्क में गेंदबाजों की मददगार पिच पर यह रणनीति भारत के लिए कारगर भी साबित हुई. इससे आठवें नंबर तक बल्लेबाजी को गहराई मिलती है और कप्तान इस संयोजन में छेड़छाड़ नहीं करना चाहेंगे. कुलदीप को टीम में लाने के लिए मोहम्मद सिराज या अर्शदीप सिंह को बाहर रखना होगा. ऐसा होने पर सिराज को बाहर रहना पड़ सकता है.

भारतीय टीम के दो अभ्यास सत्रों को देखें तो पिच से स्पिनरों को मदद मिलने के कारण कुलदीप का दावा पुख्ता होता है. केनसिंग्टन ओवल के आसपास ठंडी हवाओं से पावरप्ले में तेज गेंदबाजों को स्विंग मिलना चाहिए. भारतीय प्रशंसकों की नजरें कोहली पर लगी होंगी, जो अभी तक इस टूर्नामेंट में दोहरे अंक तक नहीं पहुंचे हैं. न्यूयॉर्क में वह अपनी चिर परिचित शैली से कामयाब नहीं रहे लेकिन वेस्टइंडीज में उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है. बीच के और डैथ ओवरों में छक्के लगाने के लिए टीम में शामिल किये गए दुबे अभी तक अपनी रंगत में एक ही बार दिखे हैं. अमेरिका की पिचों पर वह खुलकर नहीं खेल सके लेकिन अब वह बड़े शॉट खेलना चाहेंगे. भारत के स्टार टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने अमेरिका के खिलाफ अपने अंदाज के विपरीत खेलकर रन बनाये.

वहीं गेंदबाजी में कमाल कर रहे हार्दिक पंड्या भी रन नहीं बना सके हैं. गेंदबाजी में अर्शदीप के प्रदर्शन में मैच दर मैच निखार आया है और वह जसप्रीत बुमराह का बखूबी साथ दे रहे हैं. स्पिनरों की मददगार पिच पर अक्षर और जडेजा भी उपयोगी साबित होंगे.

दूसरी ओर अफगानिस्तान टीम ग्रुप चरण के आखिरी मैच में वेस्टइंडीज से हारकर यहां पहुंची है. पहले तीन मैचों में निर्णायक साबित हुए उसके गेंदबाजों को वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने उन्नीस साबित कर दिया. कप्तान राशिद खान की उम्मीदें बायें हाथ के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी पर टिकी होंगी जो अब तक टूर्नामेंट में सर्वाधिक 12 विकेट ले चुके हैं. बल्लेबाजों में फॉर्म में चल रहे रहमानुल्लाह गुरबाह और इब्राहिम जदरान से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी.

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज.

अफगानिस्तान: राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जदरान, अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जदरान, मोहम्मद इशाक, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नैब, करीम जनत, नांग्याल खारोटी, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद मलिक.

मैच का समय : रात आठ बजे से.

गत चैंपियन इंग्लैंड के खिलाफ सुपर-8 का मुकाबला होगा

आज का मैच : सुपर-8 मुकाबले में जीत की लय कायम रखने उतरेगा वेस्टइंडीज

एजेंसी। ग्रोस आइलेट (सेंट लूसिया)

शानदार फॉर्म में चल रही वेस्टइंडीज टीम टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के पहले मुकाबले में गत चैम्पियन इंग्लैंड के खिलाफ जीत की लय कायम रखने उतरेगी. इंग्लैंड और वेस्टइंडीज दोनों दो बार टी20 विश्व कप जीत चुके हैं. वेस्टइंडीज टीम टूर्नामेंट में अभी तक अपराजेय है, जबकि इंग्लैंड को खिताब की उम्मीदें बरकरार रखने के लिये ग्रुप चरण में चिर प्रतिद्वंद्वी आस्ट्रेलिया की मदद की जरूरत पड़ी. ग्रुप चरण में आस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद जोस बटलर और उनकी टीम के पास नये सिरे से शुरुआत करने का मौका है. दूसरी ओर लगातार आठ मैच जीत चुकी वेस्टइंडीज टीम ने डेरेन सैमी राष्ट्रीय स्टेडियम पर आखिरी ग्रुप मैच में अफगानिस्तान को 104 रन से हराया. एक बार फिर टीम अपने मुख्य कोच और दो बार के टी20 विश्व कप विजेता कप्तान के नाम पर बने स्टेडियम में उस लय को दोहराना चाहेगी.

कप्तान रोवमैन पॉवेल ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, अफगानिस्तान को हराकर इंग्लैंड को कोई संदेश नहीं देना था. उन्हें बस इतना बताना था कि वह अच्छा खेल रहे हैं तो हम भी कुछ कम नहीं हैं. यह शानदार मैच होगा. वेस्टइंडीज की टीम ने एक इकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है. जरूरत पड़ने पर उसके बल्लेबाज चले हैं, फिर चाहे शेन रदरफोर्ड हो या निकोलस पूरन. इसी तरह गेंदबाजों ने भी अपना काम बखूबी किया है. सपाट पिचें और छोटी सीमारेखा होने से मैदान बल्लेबाजों की ऐशगाह साबित हुए हैं और यहां खूब रन बने हैं. इंग्लैंड के दमदार बल्लेबाजी क्रम के सामने वेस्टइंडीज का भरोसा अकील हुसैन और गुडाकेश मोती जैसे स्पिनरों पर होगा. पिच भले ही बल्लेबाजों की मददगार हो लेकिन तेज गेंदबाजों को भी अतिरिक्त उछाल मिलेगा और ऐसे में मध्यम तेज गेंदबाज ओबेद मैकॉय की भूमिका अहम होगी. इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड भी इसका फायदा उठाना चाहेंगे.

टीमें

इंग्लैंड: जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रुक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले, मार्क वुड.

वेस्टइंडीज: रोवमैन पॉवेल (कप्तान), अल्जारी जोसेफ, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील होसेन, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड.

मैच का समय : सुबह छह बजे से.

विराट महानतम बल्लेबाजों में से एक हैं : वेसले हॉल

भाषा। ब्रिजटाउन

वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज वेसले हॉल ने इतने सालों में कई बेहतरीन बल्लेबाजों को देखा है, लेकिन उनकी नजर में भारतीय सुपरस्टार क्रिकेटर विराट कोहली सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक है. बारबडोस के 86 वर्ष के पूर्व क्रिकेटर का मानना है कि आधुनिक दौर में कैरेबियाई क्रिकेटरों से फ्रेंचाइजी क्रिकेट का लाखों डॉलर का अनुबंध ठुकराने की उम्मीद नहीं की जा सकती लेकिन इससे क्षेत्र में टेस्ट क्रिकेट पर विपरीत असर पड़ रहा है. अपने 16 साल के कैरियर में 48 टेस्ट खेलने वाले हॉल ने यहां भारतीय टीम के सदस्यों से मुलाकात की और अपनी आत्मकथा मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और कोहली को भेंट की. उन्होंने कोहली से कहा , आप यहां अभ्यास करने आये हैं और आपकी मुलाकात एक बूढ़े.से हो गई. मैंने कई महान खिलाड़ी देखें हैं और आप उनमें से एक हो.

विलियमसन ने वन डे कप्तानी छोड़ी

राष्ट्रीय अनुबंध भी ठुकराया

भाषा। क्राइस्टचर्च

टी20 विश्व कप से न्यूजीलैंड के अप्रत्याशित रूप से जल्दी बाहर होने के बाद कप्तान केन विलियमसन ने 2024-25 के लिए राष्ट्रीय अनुबंध ठुकरा दिया है और अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को विस्तार देने के लिए सीमित ओवरों की कप्तानी भी छोड़ दी है. विलियमसन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा बुधवार को जारी विज्ञप्ति में कहा, सभी प्रारूपों में टीम को आगे ले जाना मेरा जुनून रहा है और मैं आगे भी योगदान देते रहना चाहता हूं. लेकिन इस सत्र में विदेश में खेलने के मौकों के कारण मैं न्यूजीलैंड क्रिकेट का केंद्रीय अनुबंध नहीं ले सकूंगा.

न्यूजीलैंड को जनवरी में बहुत कम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना है. दिसंबर 2022 में टेस्ट कप्तानी छोड़ने वाले विलियमसन इस दौरान तीनों प्रारूप खेलने के लिए उपलब्ध होंगे. 33 वर्ष के इस धुरंधर ने कहा, न्यूजीलैंड के लिए खेलना मेरे लिये खास है और टीम के लिए योगदान देने की मेरी ख्वाहिश जस की तस है. क्रिकेट के बाहर मेरी जिंदगी हालांकि बदल गई है. परिवार के साथ अधिक समय बिताना, उनके साथ देश विदेश में अनुभव का लुत्फ उठाना मेरे लिये अधिक महत्वपूर्ण है.

न्यूजीलैंड टीम को क्रिसमस से पहले आठ टेस्ट खेलने हैं जिनमें भारत दौरा और इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला शामिल है. जनवरी में यूएई आईएलटी20, दक्षिण अफ्रीका की एसए20, आस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग, बांग्लादेश की बीपीएल होने वाली है. इसके बाद फरवरी मार्च में पाकिस्तान में आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी होगी.

नबी को पछाड़कर नंबर एक टी20 ऑलराउंडर बने स्टोइनिस

- मौजूदा टी20 विश्व कप में स्टोइनिस ने अबतक छह विकेट लिये और अच्छी बल्लेबाजी भी की है

भाषा। दुबई

ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस बुधवार को अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी को पछाड़कर आईसीसी की नवीनतम टी20 रैंकिंग में नंबर एक ऑलराउंडर बन गए. मौजूदा टी20 विश्व कप में स्टोइनिस ने छह विकेट चटकाने के अलावा बल्ले से भी उपयोगी योगदान दिया और ऑस्ट्रेलिया को सुपर आठ में जगह दिलाने में मदद की. स्टोइनिस एक स्थान के फायदे से नंबर एक ऑलराउंडर बने जबकि नबी को तीन स्थान का नुकसान हुआ. श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं. वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने अब तक टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया है जो उनकी रैंकिंग में भी नजर आता है. बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन गेंदबाजी रैंकिंग में छह स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं.

यूरो 2024 मैदान पर 90वें मिनट में उतरे कोंसिकाओ ने 92वें मिनट में गोल दागा

चेक गणराज्य को हराकर पुर्तगाल ने जीत के साथ आगाज किया

एजेंसी। लीपजिग

स्टॉपेज टाइम में सब्स्टीट्यूट फ्रांसिस्को कोंसिकाओ के गोल की मदद से पुर्तगाल ने यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप के मैच में चेक गणराज्य को 2.1 से हराकर जीत के साथ आगाज किया. मैदान पर 90वें मिनट में उतरे कोंसिकाओ ने 92वें मिनट में गोल दागा. चेक गणराज्य के लिए लुकास प्रोवोड ने 62वें मिनट में गोल दागा. इसके आठ मिनट बाद पुर्तगाल के लिए रानाक ने रिबाउंड पर बराबरी का गोल किया. इससे करीब 24 साल पहले कोंसिकाओ के पिता सर्जियो ने हैट्रिक लगाकर गत चैम्पियन जर्मनी को यूरो 2000 से बाहर किया था. छह यूरो चैम्पियनशिप खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो कोई गोल नहीं कर सके. वह पुर्तगाल के लिए टूर्नामेंट के इतिहास में 14 गोल कर चुके हैं. ग्रुप एफ के अन्य मैच में तुर्की ने जॉर्जिया को 3.1 से हराया.

एफसी बार्सीलोना ने भारत में अपनी फुटबॉल अकादमियां बंद की

भाषा। नयी दिल्ली

मशहूर फुटबॉल क्लब एफसी बार्सीलोना ने 14 साल बाद भारत में अपनी सारी अकादमियां बंद करने का फैसला किया है. क्लब ने इस फैसले का कोई कारण नहीं बताया. 'ला मासिया' (युवा अकादमी) शैली में बच्चों को फुटबॉल के गुर सिखाने के लिए दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुंबई , बेंगलुरु और पुणे में ये अकादमियां शुरू की गई थीं, जो एक जुलाई से बंद हो जायेंगी. क्लब ने एक बयान में कहा , एफसी बार्सीलोना ने दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू और पुणे में परिवारों को सूचित कर दिया है कि एक जुलाई 2024 से अकादमियां बंद हो रही है. बार्सीलोना ने भारत में 2010 में पदार्पण किया और तब से हजारों बच्चे क्लब की शैली में फुटबॉल खेलना सीखे हैं. लियोनेल मेस्सी, आंद्रेस इनिएस्ता, सर्जियो बस्केत और गेरार्ड पीक जैसे दिग्गजों ने बार्सीलोना की अकादमियों से ही कैरियर का आगाज किया था.

पावो नुरमी खेलों में जीता स्वर्ण पदक

ओलंपिक के बाद डॉक्टरी सलाह लेंगे नीरज

भाषा। तुर्कु (फिनलैंड)

ओलंपिक और विश्व चैम्पियन भारतीय भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह पेरिस ओलंपिक के बाद 'एडक्टर' (जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों) में होने वाली तकलीफ के इलाज के लिए डॉक्टरों से सलाह लेंगे. एक महीने के ब्रेक के बाद ट्रैक और फील्ड पर लौटे चोपड़ा ने पावो नुरमी खेलों में तीसरे प्रयास में 85.97 मीटर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया. चोपड़ा ने पिछले महीने एहतियात के तौर पर ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से नाम वापस ले लिया था चूंकि वह जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में असहज महसूस कर रहे थे. उन्होंने जीत के बाद कहा,आज मौसम अच्छा था और थोड़ी ठंडक थी. अब मैं बेहतर महसूस कर रहा हूं क्योंकि सभी छह थ्रो फेंक सका.

उन्होंने कहा, हर साल मुझे एडक्टर में दिक्कत होती है. ओलंपिक के बाद मैं डॉक्टरों से राय लूंगा. पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण के दावेदार चोपड़ा ने दो साल पहले इस टूर्नामेंट में 89.30 मीटर के साथ रजत पदक जीता था. उन्होंने सत्र की शुरुआत मई में दोहा डाइमंड लीग में 88.36 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहकर की. उन्होंने भुवनेश्वर में फेडरेशन कप राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भी भाग लेकर 82.27 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता. अब वह सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भाग लेंगे. पंचकूला में 27 जून से होने वाली राष्ट्रीय अंतर प्रांत एथलेटिक्स में वह नहीं खेलेंगे. वह यूरोप में कोच क्लाउस बर्तोनीज और फिजियो ईशान मारवाहा के साथ तीन अलग अलग स्थानों पर अभ्यास करेंगे.

ब्रीफ खबरें

आपराधिक घटनाओं को रोकें : पप्पू यादव

पूर्णिया । पूर्णिया के अर्जुन भवन में सांसद पप्पू यादव ने लोकसभा क्षेत्र सहित प्रदेश की विभिन्न मुद्दों को लेकर बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस किया. सांसद राजेश रंजन उर्फ़ पप्पू यादव ने कहा कि आपराधिक घटनाओं को शहर में रोकना आवश्यक है. आम आवाम तभी शांति से रह सकेंगे जब अपराध की घटना नहीं हो. उन्होंने कहा कि पूर्णिया में एक व्यवसायी की फिरौती देकर हत्या का जो मामला सामने आया है. उसकी हम एसआईटी से जांच की मांग करते हैं. इसमें जो भी विधायक अथवा मंत्री शामिल हैं.

मामूली विवाद में मारपीट, चली गोली

पूर्वी चंपारण । जिले में सुगौली थाना क्षेत्र के दक्षिणी मंसिघा पंचायत के लक्ष्मीपुर नयका टोला मामूली विवाद में एक पक्ष के द्वारा दूसरे पक्ष के साथ मारपीट और गोली चलायी गई. जिसमें एक अधेड़ के नाक को चीरती हुई गोली निकल गई. मारपीट में दो अन्य लोगों के घायल होने की सूचना है. घटना मंगलवार देर रात की है जब सड़क के किनारे गांव का एक लड़का मो.कासिम खड़ा था. तभी गांव का शाहिद आलम ट्रैक्टर लेकर जा रहा था जिसका पहिया कासिम के पैर पर चढ़ गया जिससे उसको मामूली सी चोट आयी. जिसको लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ और लोगों ने समझा-बुझा कर खत्म करने का प्रयास किया.

लू लगने से हो गयी महिला की मौत

गोपालगंज । गोपालगंज जिले के विशंभरपुर थाना क्षेत्र के टोला सिपाया गांव के पास एक 50 वर्षीय महिला की मौत हो गई. वहीं परिजनों ने लू लगने से मौत होने की आशंका जाहिर की है. फिलहाल पुलिस शव को पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया में जुट गई है. मृतका की पहचान टोला सिपाया गांव निवासी विजय नाथ दुबे की 50 वर्षीय पत्नी लालझरी देवी के रूप में की गई. दरअसल, इस संदर्भ में बताया जाता है कि मृतका सोमवार को बलुअन बाजार कुछ समान खरीदने गई थी. इसी बीच वह सड़क पर गिर गई. पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है.

मधुबनी में छेड़खानी का विरोध करना पड़ा महंगा

युवती के पिता सहित दो लोगों को मारी गोली, एक युवक की मौत

संवाददाता । मधुबनी

मधुबनी के बेनीपट्टी थाना क्षेत्र के देउरी गांव में मंगलवार की देर रात में बदमाशों ने छेड़खानी का विरोध करने पर युवती के पिता सहित दो को गोली मार दी. इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि युवती के पिता को गोली लगने से वह घायल हो गए. घायल की गंभीर स्थिति को देख उसे चिकित्सकों ने डीएमसीएच रेफर कर दिया.

वहीं, मृतक की पहचान गांव के ही 24 वर्षीय मोहम्मद जाहिर खान के रूप में की गई है. बेनीपट्टी थाना क्षेत्र के देउरी गांव में मंगलवार रात करीब 8 बजे दो लोगों की गोली मार दी गई. मृतक के भाई ने बताया कि घर के दरवाजे पर बैठी युवती की छेड़खानी का विरोध करने पर बदमाशों ने उसके पिता और सड़क पर घूम रहे ग्रामीण को गोली मार दी. घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गोली लगने से घायल हो गया. ग्रामीणों और परिजनों के सहयोग से घायल को बेनीपट्टी अनुमंडल हॉस्पिटल लाया गया. जहां चिकित्सकों ने उसके गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए डीएमसीएच रेफर कर दिया.

घटना के बाद ग्रामीण आक्रोशित

नवादा में जदयू नेता की गाड़ी पर ताबड़तोड़ फायरिंग, भाई घायल

नवादा । नवादा में एक बार फिर बुधवार को बैखौफ बदमाशों ने जदयू नेता पर ताबड़तोड़ फायरिंग की है. इसी दौरान मुखिया के भाई को एक गोली लगने की बात सामने आई है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पूरा मामला नारदीगंज थाना क्षेत्र के दलालपुर गांव के ईटा भट्ठा के पास का है, जहां बदमाशों ने जेडीयू नेता के भाई को गोली मारकर घायल किया गया है. जख्मी युवक की पहचान राजबली पासवान के रूप में की गई है. गोली लगने के बाद डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए पावापुरी के मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया है. मुखिया रणविजय पासवान बताते हैं कि मंगलवार की रात अपने गाड़ी से घर आ रहे थे इसी दौरान रास्ता में चार की संख्या में बदमाशों ने उन पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. वहीं गाड़ी में बैठे मुखिया व मुखिया के भाई दोनों बाल-बाल बच गए हैं, लेकिन अंत में भाई को एक गोली लग गई. उन्हें मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है. गोली क्यों मारी गई है, इसकी कोई जानकारी उन लोगों को नहीं है. गोलीबारी की घटना के बाद फिर से इलाका में दहशत का माहौल कायम हो गया है.

पहले भी हो चुकी है मुखिया की हत्या

इससे पहले 13 जून को ही जिले के पकरीबरावां थाना क्षेत्र के बुधौली गांव में एक मुखिया की गोली मारकर हत्या की गई थी. इसके बाद पूरे इलाका में दहशत का माहौल कायम था और फिर से अपराधियों ने मुखिया पर फायरिंग करके इलाका में सनसनी फैला दी है. नारदीगंज थाना प्रभारी राजगृह प्रसाद ने बताया है कि एक युवक को गोली लगने की बात सामने आई है. अस्पताल में भर्ती कराया गया है फिलहाल मुखिया की ओर से कोई आवेदन नहीं दिया गया है. इन लोगों का पुराना जमीन विवाद भी चल रहा है.

घायल दूसरा व्यक्ति लड़की का पिता है. मृतक का नाम मोहम्मद जाहिर खान बताया गया है जो किसी काम की तलाश में था. जबकि गोली चलाने वाले युवक की पहचान गिरधारी झा के रूप में की गई है. घटना की सूचना पाकर बेनीपट्टी थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मधुबनी सदर हॉस्पिटल भेज दिया. घटना के बाद पुलिस छानबीन में जुट गई है और बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है. वहीं, गांव में इस प्रकार की घटना होने से ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है.

चर्चित सुनीता किडनी कांड में सात साल की सजा

मुजफ्फरपुर । अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार मल्ल की विशेष कोर्ट (एससी/एसटी एक्ट) ने पवन कुमार को 7 साल जेल की सजा सुनाई है. 18 हजार का जुर्माना भी लगाया है. बता दें कि जिले के बरियारपुर के सकरा थाना के तहत आने वाले गांव बाजी राउत की सुनीता की है, जिसकी दोनों किडनियां निकालकर पवन कुमार ने बेच दी थी. सुनीता की जिंदगी आज डायलिसिस के सहारे चल रही है, हालांकि वह किडनी ट्रांसप्लांट करानी चाहती है. विशेष लोक अभियोजक जयमंगल प्रसाद ने बताया कि किडनी कांड का मुख्य आरोपी डॉ. आरके सिंह फरार है. उसके विरुद्ध कुर्की की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है.

बदमाशों ने स्कूल में घुसकर प्रधानाध्यापक को मारी गोली

संवाददाता । नालंदा

नालंदा के तेलहड़ा थाना इलाके के तेलहड़ा प्लस टू हाई स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक संतोष कुमार के ऊपर बदमाशों ने स्कूल ने घुसकर फायरिंग शुरू कर दी. गोली पैर में लगी है जिसके कारण शिक्षक की जान बच गई. गोली लगने की आवाज जैसे ही गांव वालों को जानकारी मिली तो गांव वाले उस तरफ दौड़े, लेकिन तब तक बदमाश फायरिंग कर फरार हो गए थे. हालांकि स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरे में बदमाशों की हरकत पूरी तरह कैद हो गई है. वहीं, इस घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाना की पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंची और प्रभारी प्रधानाध्यापक का हाल चाल जाना. अस्पताल में भर्ती कराया. घटना के संबंध में प्रभारी प्रधानाध्यापक ने बताया कि स्कूल के बच्चे को परेशान किया जाता था. स्कूल में बच्चों की साइकिल गायब होती थी. इसको लेकर बच्चों से मारपीट भी की जाती थी. इसकी सूचना स्थानीय थाने की पुलिस को दी गई थी तो बदमाशों में खौफ की जगह और मनोबल बढ़ गया. इसी को लेकर आज बदमाशों ने स्कूल में घुसकर पहले धमकी दी और फिर गोली चला दी.

मंत्री दिलीप जायसवाल के बयान पर मचा बवाल, बोले-

अवैध हथियार वालों को गोली मार दी जाएगी

संवाददाता । पटना

दिलीप जायसवाल ने पूर्णिया में कहा कि अवैध हथियार लेकर चलने वालों को सीधे गोली मार दी जाएगी. बिहार सरकार के कैबिनेट ने फैसला लिया है कि एक एसआईटी का गठन किया गया है. जिसमें पुलिस को ऐसे अपराधियों को गोली मारने का आदेश दिया गया है. बता दें कि रुपौली विधान सभा क्षेत्र में नामांकन होना है. जदयू के उम्मीदवार के नामांकन के बाद हुई सभा में मंत्री ने खुले मंच से यह बयान दिया. वहीं, जदयू ने इस बयान से किनारा किया तो भाजपा बचाव उतरी. जदयू प्रवक्ता एमएलसी नीरज कुमार ने कहा कि जदयू इस बयान से इत्तेफाक नहीं रखती है. पुलिस को सक्षम अधिकार एसआईटी गठन कर स्पीड ट्रायल चला कर बड़े-बड़े क्रिमिनल को जेल भेज चुके हैं. बिहार में कानून का राज है और कानून का सम्मान होना चाहिए. कानूनी प्रक्रिया के तहत अपराधियों को सजा मिलनी चाहिए. बिहार में योगी मॉडल लागू नहीं है. हम चाहते हैं कानून के राज के तहत न्याय हो.

कैबिनेट से पास है

वहीं, बीजेपी से मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि उनके कहने का मतलब जीरो टॉलरेंस की नीति से सरकार काम करेगी. जो भी अपराधी है उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा. जोश जोश में यह बातें दिलीप जायसवाल ने कही है. एसआईटी का गठन कैबिनेट में मोहर लगी है. मॉडल की कोई बात नहीं है. मॉडल बीजेपी सरकारों की रही है.

पहले पांच हजार के लिए किडनैपिंग होती थी. अब ऐसा होता है क्या?

लालू ने बीमा भारती पर फिर जताया भरोसा

रुपौली विस से लड़ेंगी चुनाव

संवाददाता । पटना

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने फिर से बीमा भारती को अपनी पार्टी का सिंबल दिया है. लोकसभा चुनाव में अपनी जमानत जब्त करवा चुकीं बीमा भारती फिर से विधानसभा उपचुनाव में अपना भाग्य आजमाएंगीं. टिकट लेने के लिए बीमा भारती मंगलवार को राबड़ी आवास पर गईं थी. वहां उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और उनकी पत्नी राबड़ी देवी से मुलाकात की थी. 2020 में उन्होंने सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के टिकट पर चुनाव जीता था. इस बार जदयू ने कलाधर मंडल को टिकट दिया है. भारत निर्वाचन आयोग ने रुपौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए तारीखों की घोषणा कर दी है. 10 जुलाई को वहां मतदान होगा. भारत निर्वाचन आयोग की ओर से रुपौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए 14 जून को अधिसूचना जारी की जाएगी. 21 जून नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि है. जबकि 24 जून को नामांकन पत्रों की जांच होगी. 26 जून तक नाम वापस लिए जाएंगे. 10 जुलाई को वोट डाले जाएंगे और 13 जुलाई को मतगणना होगी.

लखीसराय में वर्षों से फरार नक्सली रिंकी कोड़ा गिरफ्तार

लखीसराय । लखीसराय जिले के कजरा व बन्नू बगीचा थाना क्षेत्र के नक्सल प्रभावित इलाकों में एएसपी अभियान मोती लाल के नेतृत्व में चलाये गये नक्सलियों के खिलाफ अभियान में बुधवार की सुबह एक महिला नक्सली को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है. पुलिस ने छापेमारी के दौरान नक्सली रिंकी कोड़ा को गिरफ्तार किया जो हार्डकोर नक्सली अर्जुन कोड़ा व बालेश्वर कोड़ा की सहयोगी रही है. इस संबंध में पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार ने बताया कि सघन छापेमारी अभियान के दौरान यह सफलता मिली है.

रेलवे ट्रैक पर फंसी स्कूल बस

नवादा । नवादा में बुधवार को एक बड़ा ट्रेन हादसा होने से बच गया और स्थानीय लोगों की समझदारी से कई बच्चे बाल-बाल बच गए. दरअसल अवैध फाटक पार करने के क्रम में एक स्कूल बस रेलवे लाइन पर फंस गई है. जिसके बाद वहां काफी अफरा-तफरी मच गई. बताया जाता है कि स्कूल बस फंसे होने के दौरान सामने से अचानक ट्रेन आ गई. जिसे देखकर लोग डर गए और फिर किसी तरह स्थानीय लोगों ने ट्रेन को काफी दूर तक खड़ा होकर तौलिया व गमछा दिखाकर रुकवाने की कोशिश की और फिर ड्राइवर ने इमरजेंसी ब्रेक मारकर ट्रेन को रोक दिया. ट्रेन क्यूल से गया जा रही थी, इसी दौरान नरहट प्रखंड के चातर गांव के पास या घटना होने से टल गई.

शराब माफियाओं ने किया पुलिस पर हमला पांच जवान घायल

बांका । बांका जिले के फूलीडूमर थाना क्षेत्र के भितिया स्थित गोरायडीह गांव में जहां शराब माफिया को गिरफ्तार करने गयी पुलिस की टीम पर जानलेवा हमला किया है. इस हमले में पांच पुलिसकर्मी घायल हो गये. इतना ही नहीं शराब माफिया ने वाहनों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया. घायलों में एसआई गौरी शंकर, सिपाही शिल्पा कुमारी, आरती, चंदन कुमार और उत्पाद विभाग का वाहन चालक शामिल हैं. सभी को बांका सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. हालांकि वाहन चालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने उसे रेफर कर दिया.

कारोबार

जैक्सन ग्रीन को संयंत्र लगाने का मिला ठेका

नयी दिल्ली । नवीन ऊर्जा अंतरण मंच जैक्सन ग्रीन को सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी से फ्लू गैस से 4जी एथनॉल का उत्पादन करने वाला संयंत्र स्थापित करने का ठेका मिला है. कंपनी के बुधवार को बयान में कहा कि छत्तीसगढ़ के लारा में प्रस्तावित संयंत्र बिजली संयंत्रों से निकलने वाली फ्लू गैस से 10 टन प्रतिदिन 4जी एथनॉल का उत्पादन करेगा. बयान में कहा गया है कि वेयोलिया कार्बन क्लीन की नयी कार्बन कैप्चर तकनीक का उपयोग करते हुए यह संयंत्र फ्लू गैस से 25 टीपीडी कार्बन डाई ऑक्साइड को अवशोषित करेगा.

कोल इंडिया ने 23 बंद खदानें आवंटित कीं

कोलकाता । कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने अपनी बंद और ठप पड़ीं भूमिगत खदानों से कोयला भंडार निकालने के लिए ऐसी 23 खानों को राजस्व-भागीदारी के आधार पर निजी कंपनियों को आवंटित करने की घोषणा की है. कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि इन खानों की अधिकतम क्षमता सालाना 3.41 करोड़ टन की है. इसमें से कुल निकालने योग्य कोयला भंडार 63.5 करोड़ टन है. कोल इंडिया ने न्यूनतम राजस्व भागीदारी चार प्रतिशत पर तय की गई है.

टाटा मोटर्स एक जुलाई से दाम बढ़ाएगी

नयी दिल्ली । टाटा मोटर्स ने जिंस कीमतों में बढ़ोतरी के मद्देनजर एक जुलाई, 2024 से अपने वाणिज्यिक वाहनों के दाम दो प्रतिशत तक बढ़ाने की घोषणा की है. टाटा मोटर्स ने बुधवार को बयान में कहा, कीमतों में बढ़ोतरी वाणिज्यिक वाहनों की पूरी श्रृंखला पर लागू होगी. यह अलग-अलग मॉडल और संस्करण के हिसाब से भिन्न होगी. इस साल की शुरुआत में कंपनी ने उत्पादन लागत में बढ़ोतरी की वजह से एक अप्रैल, 2024 से कीमतों में दो प्रतिशत वृद्धि की घोषणा की थी. टाटा मोटर्स देश की प्रमुख वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता कंपनी है. यह ट्रक, बस और अन्य वाणिज्यिक वाहनों का विनिर्माण करती है.

अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने बुधवार को कहा

ऊर्जा बदलाव में 100 अरब डॉलर का निवेश करेगी कंपनी

एजेंसी । नयी दिल्ली

अडाणी समूह ऊर्जा बदलाव परियोजनाओं और विनिर्माण क्षमता में 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश करेगा. समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने बुधवार को यह जानकारी दी. समूह का मकसद हरित ऊर्जा उत्पादन के लिए जरूरी सभी प्रमुख कलपुर्जों का विनिर्माण करना है. सूर्य की रोशनी से बिजली का उत्पादन करने के लिए सौर पार्क और पवन फार्म बनाने के अलावा समूह हरित हाइड्रोजन, पवन ऊर्जा टर्बाइन और सौर पैनल बनाने के लिए इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण सुविधाएं स्थापित कर रहा है.

हरित हाइड्रोजन को स्वच्छ ऊर्जा द्वारा संचालित इलेक्ट्रोलाइजर की मदद से पानी से हाइड्रोजन को विभाजित करके बनाया जाता है. इसे उद्योग के साथ-साथ परिवहन क्षेत्र को कॉर्बन-मुक्त करने के लिए एक संभावित उपाय के रूप में देखा जा रहा है. क्रिसिल द्वारा आयोजित बुनियादी ढांचा-भारत के भविष्य के लिए उत्प्रेरक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अडाणी ने कहा कि ऊर्जा बदलाव और डिजिटल बुनियादी ढांचा अरबों डॉलर के अवसर हैं जो भारत को स्थानीय और वैश्विक स्तर पर बदल देंगे.

रित हाइड्रोजन को स्वच्छ ऊर्जा द्वारा संचालित इलेक्ट्रोलाइजर की मदद से पानी से हाइड्रोजन को विभाजित करके बनाया जाता है

उन्होंने कहा, अगले दशक में हम ऊर्जा बदलाव के क्षेत्र में 100 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करेंगे और अपनी एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा मूल्य श्रृंखला का और विस्तार करेंगे. हमारी मूल्य श्रृंखला में पहले से प्रत्येक प्रमुख कलपुर्जे का विनिर्माण शामिल है. कोयले-से-बंदरगाह क्षेत्र में कार्यरत समूह दुनिया का सबसे कम महंगे हरित इलेक्ट्रॉन का उत्पादन करना चाहता है जो कई क्षेत्रों के लिए फीडस्टॉक का काम करेगा.

अडाणी ने कहा, और ऐसा करने के लिए हम पहले से ही कच्छ जिले (गुजरात में) के खावड़ा में दुनिया का सबसे बड़ा एकल-स्थल नवीकरणीय ऊर्जा पार्क बना रहे हैं. केवल इस एकल स्थान से 30 गीगावाट बिजली पैदा होगी, जिससे हमारी कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 2030 तक 50 गीगावाट पर पहुंच जाएगी.

अडाणी ने कहा कि ऊर्जा बदलाव का क्षेत्र वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य को हमेशा के लिए मौलिक रूप से बदल देगा. उन्होंने कहा कि 2023 में वैश्विक ऊर्जा बदलाव बाजार का मूल्य लगभग 3,000 अरब डॉलर था, जिसके बढ़कर 2030 तक 6,000 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है. उसके बाद 2050 तक यह हर 10 साल में दोगुना हो जाएगा.

चेयरमैन ने बजट में ब्याज आय पर कर राहत की वकालत की

नयी दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने ब्याज आय पर कर राहत की वकालत की है. उन्होंने कहा कि इससे बैंकों को बचत जुटाने में मदद मिलेगी जिसका उपयोग दीर्घकालिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए किया जा सकेगा. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अगले महीने संसद में 2024-25 का पूर्ण बजट पेश कर सकती हैं. फिलहाल, बैंकों को तब कर काटना पड़ता है जब सभी बैंक शाखाओं में जमा राशि से ब्याज आय एक वर्ष में 40,000 रुपये से अधिक हो. बचत खातों के मामले में, 10,000 रुपये तक अर्जित ब्याज कर से मुक्त है. खारा ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, अगर बजट में ब्याज आय पर कर के मामले में कुछ राहत दी जा सके तो यह जमाकर्ताओं के लिए एक प्रोत्साहन होगा. आखिरकार, बैंकिंग क्षेत्र देश में पूंजी निर्माण के लिए जुटाई गई जमा का उपयोग करता है. मौजूदा आर्थिक वृद्धि दर को देखते हुए एसबीआई चेयरमैन को वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 14-15 प्रतिशत ऋण वृद्धि की उम्मीद है.

बीते वित्त वर्ष में भारत का समुद्री खाद्य पदार्थ निर्यात 3% बढ़ा

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत का समुद्री खाद्य पदार्थ निर्यात बीते वित्त वर्ष (2023-24) में मात्रा के लिहाज से तीन प्रतिशत बढ़ गया है जबकि मूल्य के हिसाब से यह लगभग आठ प्रतिशत गिरा है. वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है. मात्रा के लिहाज से निर्यात 2023-24 के दौरान बढ़कर 17,81,602 टन हो गया है और इसकी कीमत 7.38 अरब डॉलर है. वहीं 2022-23 में यह 17,35,286 टन था और इसकी कीमत आठ अरब डॉलर थी.

समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) के चेयरमैन डी वी स्वामी ने कहा, भारत ने 17,81,602 टन समुद्री खाद्य पदार्थ का निर्यात करके मात्रा के मामले में अबतक का सबसे ऊंचा आंकड़ा दर्ज किया. हालांकि, अमेरिका, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन जैसे इसके प्रमुख निर्यात बाजारों में कई चुनौतियां हैं. मंत्रालय ने कहा कि 4.88 अरब डॉलर के निर्यात के साथ फ्रोजन झींगा समुद्री खाद्य निर्यात में सबसे ऊपर कायम है. इसकी मात्रा में 40.19 प्रतिशत और डॉलर के संदर्भ में 66.12 प्रतिशत हिस्सेदारी थी.

कामकाजी महिलाओं को मिलेगी 15% की छूट

नयी दिल्ली । आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस की सबसे अधिक बिकने वाले टर्म इंश्योरेंस प्रोडक्ट, आईप्रोटेक्ट स्मार्ट के लिए भुगतान किए जाने वाले सभी प्रीमियमों पर विशेष रूप से महिलाओं के लिए 15% की आजीवन छूट की घोषणा की. आईप्रोटेक्ट स्मार्ट, गंभीर बीमारी कैंसर सहित 34 गंभीर बीमारियों के खिलाफ कवर प्रदान करता है. कंपनी के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर, अमित पल्टा ने कहा, परिवारों की भलाई के लिए हमारी परवाह करने वाले व्यक्ति के रूप में महिलाओं द्वारा किए गए बलिदान का सम्मान करते हैं. सही ग्राहक को सही उत्पाद के हमारे दृष्टिकोण के साथ, हमारा मानना है कि महिला वर्ग में आगे बढ़ने की उल्लेखनीय संभावना है.

बीते वित्त वर्ष में भारतीय वाहन उद्योग 19% बढ़ा

मुंबई । भारतीय वाहन उद्योग पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में 19 प्रतिशत बढ़कर 10.22 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है. बुधवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, बहुपयोगी और स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) खंड के मजबूत प्रदर्शन से वाहन उद्योग में उछाल आया है. प्रबंधन परामर्शक कंपनी प्राइमस पार्टनर्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023-24 में मात्रा के लिहाज से वाहन उद्योग का आकार 10 प्रतिशत बढ़ गया. यूवी (बहुपयोगी) और एसयूवी खंड में उल्लेखनीय बदलाव यह रहा कि पिछले वित्त वर्ष में इनकी मात्रा में 23 प्रतिशत और कीमत में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे कुल मूल्य 39 प्रतिशत बढ़ गया. रिपोर्ट में कहा गया कि इस खंड में औसत मूल्यवृद्धि कीमतों में सामान्य वृद्धि, उच्च खंड और हाइब्रिड और स्वचालित की ओर झुकाव, सनरूफ की लोकप्रियता और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की मांग बढ़ने के कारण हुई. रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय ग्राहक विभिन्न क्षेत्रों में अधिक ऊंचे एवं महंगे मॉडल को पसंद कर रहे हैं, तथा वाहनों की औसत कीमत बढ़ रही है. प्राइमस पार्टनर्स के प्रबंध निदेशक अनुराग सिंह ने कहा, भारत कम कीमत वाले उत्पादों को दरकिनार करते हुए और खूबियों और ऊंची कीमत वाले वाहनों को पसंद कर रहा है.

भारतीय शेयर बाजार

नए हाई के बाद शेयर बाजार में सपाट हुआ बंद

सेंसेक्स 36 अंक चढ़ा, निफ्टी 23500 के पार हुआ

एजेंसी । मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 36 अंक की बढ़त के साथ नये शिखर पर पहुंच गया. हालांकि, एनएसई निफ्टी नुकसान में रहा. कारोबार के दौरान एक समय दोनों मानक सूचकांक रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गये थे लेकिन बाद में किसी ठोस संकेतक के अभाव में मुनाफावसूली से बाजार नीचे आया.

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में टिकाऊ उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियों, पूंजीगत वस्तुओं और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली की गयी. वहीं बैंक और वित्तीय शेयरों में लिवाली देखने को मिली. तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में तेजी रही और यह 36.45 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ नये शिखर 77,337.59 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान यह 550.49 अंक यानी 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,851.63 अंक के नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर चला गया था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 41.90 अंक यानी 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,516 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान यह एक समय 106.1 अंक की बढ़त के साथ नये रिकॉर्ड स्तर 23,664 अंक पर चला गया था.

सेंसेक्स के तीस शेयरों में एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, विप्रो, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक्नोलॉजीज प्रमुख रूप से लाभ में रहे. दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में टाइटन, मारुति, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टुब्रो, एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फाइनेंस और पावरग्रिड शामिल हैं. एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहा. यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा. अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त में रहे थे. शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 2,569.40 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85.14 डॉलर प्रति बैरल पर रहा. बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 308.37 अंक चढ़कर 77,301.14 अंक तथा निफ्टी 92.30 अंक की बढ़त के साथ रिकॉर्ड 23,557.90 अंक पर बंद हुआ थे.

आईपीपीबी ने विदेशों से भारत में धनप्रेषण सेवा शुरू की

- साझेदारी में 25,000 स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय धनप्रेषण सेवा शुरू कर रहे हैं

एजेंसी । नयी दिल्ली

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने यूरोनेट के रिया मनी ट्रांसफर के साथ साझेदारी में विदेशों से भारत में धनप्रेषण शुरू कर दिया है. आईपीपीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी. आईपीपीबी के प्रबंध निदेशक आर विश्वेश्वरन ने कहा कि विदेश से धन पाने वाले व्यक्ति को खाते में राशि आने पर कोई शुल्क नहीं देना होगा और केवल प्रेषक को ही रिया मनी को धनप्रेषण शुल्क देना होगा. विश्वेशरन ने कहा, हमारा उद्देश्य बैंकिंग सेवाओं से वंचित और कम बैंकिंग सेवाओं के दायरे में शामिल लोगों की अड़चनों को दूर करना है. हम अब रिया मनी ट्रांसफर के साथ साझेदारी में 25,000 स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय धनप्रेषण सेवा शुरू कर रहे हैं. इसे धीरे-धीरे बढ़ाकर 1.65 लाख से अधिक स्थानों वाले हमारे समूचे नेटवर्क को शामिल कर लिया जाएगा. बायोमेट्रिक का उपयोग करके वे इस राशि को निकाल सकते हैं.

राहुल हुए 54 साल के ! खरगे, अखिलेश और 'इंडिया' के नेताओं ने दी बधाई

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के कुछ नेताओं ने बुधवार को राहुल गांधी को उनके जन्मदिन के अवसर पर बधाई दी. राहुल गांधी का जन्म 19 जून, 1970 को नई दिल्ली में हुआ था. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पार्टी मुख्यालय में खरगे के साथ मिलकर अपने जन्मदिन का केक काटा. इस मौके पर प्रियंका गांधी और कई अन्य नेता मौजूद थे. खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं. भारत के संविधान में निहित मूल्यों के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता और लाखों अनसुनी आवाज़ों के प्रति आपकी सशक्त करुणा, ऐसे गुण हैं जो आपको दूसरों से अलग करते हैं.' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस पार्टी का विविधता में एकता, सद्भाव और करुणा का लोकाचार आपके सभी कार्यों में दिखाई देता है, क्योंकि आप सत्ता को सच्चाई का आईना दिखाकर अंतिम व्यक्ति के आंसू पोंछने के अपने मिशन में लगे हुए हैं.' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी अपने बड़े भाई को बधाई दी और कहा कि राहुल गांधी उनके लिए दोस्त, मागदर्शक और नेता भी हैं. उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मेरे प्यारे भाई को जन्मदिन की शुभकामनाएं.' समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'राहुल गांधी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें.' द्रमुक नेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई दी.

राहुल के जन्मदिन पर युवा कांग्रेस ने आश्रय गृहों के लिए कूलर और लोगों को संविधान की प्रति बांटी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर बुधवार को उनकी पार्टी की युवाओं ने आश्रय गृहों में रहने वाले जरूरतमंदों को कूलर और कई लोगों को संविधान की प्रति भेंट की. भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यालय में संगठन के कार्यकर्ताओं ने कई ऐसे लोगों को कूलर वितरित किए जो आश्रय गृहों में जीवन बिताते हैं. इस मौके पर युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने कहा, 'आज राहुल गांधी जी के जन्मदिवस पर दिल्ली में भीषण गर्मी और लू को देखते हुए शहर के आश्रय गृहों को एयर कूलर का वितरण किया गया.' उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी जी ने संविधान को बदलने का सपना देखने वालों को घुटनों पर ला दिया. ऐसे में उनके जन्मदिन पर हमने लोगों के बीच संविधान की प्रति वितरित की.'

ब्रीफ खबरें

पाकिस्तान में पत्रकार की गोली मारकर हत्या

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक वरिष्ठ पत्रकार की उनके घर के पास ही गोली मारकर हत्या कर दी है. पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को खैबर जिले के लांडी कोटल शहर में निजी खबरिया चैनल 'खैबर न्यूज' के पत्रकार खलील जिबरान अपने मित्र के साथ अपने घर जा रहे थे, उसी दौरान मोटरसाइकिल से आये बदमाशों ने उनको निशाना बनाया.

सांसद की बेटी ने सड़क किनारे व्यक्ति को कुचला

चेन्नई। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) से राज्यसभा सदस्य बीड़ा मस्तान राव की बेटी बीड़ा माधुरी को एक व्यक्ति को गाड़ी से कुचलने के मामले में गिरफ्तार किया गया और बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया. पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि घटना 17 जून को बसंत नगर की है माधुरी ने सड़क किनारे सो रहे व्यक्ति को गाड़ी से कथित रूप से कुचल दिया और वहां से फरार हो गईं. उसने बताया कि गाड़ी में माधुरी के साथ एक और महिला थी.

असम में भूस्खलन से पांच लोगों की मौत

गुवाहाटी। असम के करीमगंज जिले में लगातार बारिश के बाद मंगलवार देर रात भूस्खलन में तीन नाबालिगों सहित एक ही परिवार के कम से कम पांच सदस्यों की मौत हो गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. करीमगंज के पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रोतिम दास ने बताया कि यह घटना बदरपुर पुलिस थाना क्षेत्र के गैनाचोरा गांव में हुई. उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'देर रात 12 बज कर करीब 45 मिनट पर, एक पहाड़ी पर भूस्खलन की सूचना मिली जिसमें एक घर पूरी तरह से जमींदोज हो गया.

फिल्म की शूटिंग के दौरान प्रियंका चोटिल

लॉस एंजिलिस। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस को अपनी आने वाली हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' की शूटिंग के दौरान मामूली चोट लग गई. 41 वर्षीय अभिनेत्री ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में फिल्म की शूटिंग शुरू की. उन्होंने बुधवार को इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक सेल्फी पोस्ट की, जिसमें उनके गले पर गहरी खरोंच दिखाई दे रही थी. रूसो ब्रदर्स के बैनर एजीबीओ स्टूडियोज और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज द्वारा निर्मित 'द ब्लफ' में प्रियंका एक पूर्व महिला समुद्री डाकू की भूमिका में नजर आएंगी.

प्योंगयांग में पुतिन व किम के बीच करीब दो घंटे तक बैठक चली

रूस-कोरिया का रणनीतिक साझेदारी पर हुआ समझौता

- इस कवायद को अमेरिका के खिलाफ संयुक्त मोर्चा तैयार करने के तौर पर देखा जा रहा

एजेंसी। सियोल

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने प्योंगयांग में एक शिखर वार्ता में समग्र रणनीतिक साझेदारी को लेकर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए.. दोनों देशों के बीच इस कवायद को आर्थिक तथा सैन्य सहयोग बढ़ाने तथा अमेरिका के खिलाफ संयुक्त मोर्चा तैयार करने के तौर पर देखा जा रहा है. पुतिन की यह यात्रा हथियारों की उस व्यवस्था को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच हो रही है जिसके तहत उत्तर कोरिया यूक्रेन के साथ युद्ध के लिए आवश्यक हथियार रूस को मुहैया करा रहा है और जिसके बदले में उसे आर्थिक सहायता और प्रौद्योगिकी मिलती है.

रूस के सरकारी मीडिया ने कहा कि पुतिन और किम के बीच बैठक करीब दो घंटे तक जारी रही, जबकि प्रारंभ में बैठक का वक्त एक घंटे निर्धारित किया गया था. उत्तर कोरियाई नेता के साथ अपनी वार्ता की शुरुआत में पुतिन ने कहा कि रूस और उत्तर कोरिया आर्थिक तथा सैन्य सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे, क्योंकि वे 'रूसी संघ के विरुद्ध अमेरिका और उसके उपग्रहों की साम्राज्यवादी आधिपत्यवादी नीतियों के विरुद्ध संघर्ष कर रहे हैं.' उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार कार्यक्रम के कारण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं. वहीं यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के कारण रूस भी अमेरिका और उसके पश्चिमी साझेदारों के कड़े आर्थिक प्रतिबंधों का सामना कर रहा है. पुतिन ने शिखर वार्ता से पहले दोनों देशों के बीच लंबे समय से जारी संबंधों की सराहना की. किम ने कहा कि मॉस्को और प्योंगयांग के बीच अब संबंध सोवियत काल से भी अधिक घनिष्ठ हो गए हैं. उन्होंने पुतिन की यात्रा को 'घनिष्ठ मित्रता' को और मजबूत करने का अवसर करार दिया.

किम ने यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान चलाने में समर्थन करने की बात कही

किम ने 'संप्रभुता, सुरक्षा हितों और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान चलाने में रूसी सरकार, सेना और लोगों को अपने देश के पूर्ण समर्थन और एकजुटता की बात कही.' हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि किम किस प्रकार के समर्थन की बात कर रहे थे. किम ने 'विश्व में रणनीतिक स्थिरता और संतुलन बनाए रखने में रूस की महत्वपूर्ण भूमिका और मिशन की भी सराहना की.' शिखर वार्ता से पहले किम ने शहर के मुख्य चौक पर एक भव्य समारोह में पुतिन का स्वागत किया और विदेश मंत्री चोई सोन हुई, शीर्ष सहयोगी एवं सत्तारूढ़ पार्टी के सचिव जो योंग वोन और अपनी बहन किम यो जोंग सहित उत्तर कोरियाई नेतृत्व के प्रमुख सदस्यों का परिचय पुतिन से कराया. रूसी राष्ट्रपति के काफिले का स्वागत करने के लिए सड़कों पर भारी भीड़ उमड़ी और लोगों ने 'पुतिन का स्वागत है' के नारे लगाए.

विदेश मंत्री जयशंकर कल श्रीलंका के दौरे पर जायेंगे

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर बृहस्पतिवार को श्रीलंका के दौरे पर जायेंगे. लगातार दूसरी बार विदेश मंत्री बनने के बाद यह उनका पहला द्विपक्षीय विदेश दौरा होगा. विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा भारत की 'पड़ोसी प्रथम नीति' की पुष्टि करती है तथा श्रीलंका के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, क्योंकि यह देश उसका 'निकटतम' समुद्री पड़ोसी है और समय की कसौटी पर खरा उतरने वाला दोस्त है. मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर की यात्रा से दोनों देशों के बीच संपर्क परियोजनाओं एवं अन्य क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को गति मिलेगी. जयशंकर पिछले सप्ताह इटली के अपुलिया क्षेत्र में जी-7 आउटरीच शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे. दूसरे कार्यकाल में जयशंकर की यह श्रीलंका की पहली यात्रा होगी.

नीट-स्नातक में कथित अनियमितता का मामला

कांग्रेस पार्टी राज्य मुख्यालयों पर कल विरोध प्रदर्शन करेगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-स्नातक में कथित अनियमितताओं को लेकर शुक्रवार को सभी राज्य मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन कर छात्रों के लिए न्याय की मांग करेगी. पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सभी राज्य इकाई प्रमुखों, कांग्रेस विधायक दल के नेताओं, राज्य प्रभारियों, महासचिवों और अन्य शीर्ष पदाधिकारियों को लिखे पत्र में कहा कि नीट परीक्षा और इसके परिणाम से जुड़ी चिंताओं को दूर करने की तत्काल आवश्यकता है. उन्होंने कहा, 'जैसा कि आप जानते हैं कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने 4 जून 2024 को नीट-यूजी 2024 के परिणाम जारी किए थे. कुछ उम्मीदवारों के बढ़े हुए अंकों के बाद अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों के कारण नतीजों पर सवाल खड़े हो गए.' वेणुगोपाल का कहना है कि बढ़े हुए अंकों और अनियमितताओं को लेकर काफी चिंताएं हैं तथा बिना किसी तय व्यवस्था के कृपांक दिए जाने से संदेह पैदा होता है. उन्होंने कहा, 'परीक्षा कुछ परीक्षा केंद्रों में तकनीकी गड़बड़ियों, कदाचार और अनुचित साधनों से प्रभावित हुई है. बिहार, गुजरात और हरियाणा में हुई गिरफ्तारियों से संगठित भ्रष्टाचार स्पष्ट है, जिससे भाजपा शासित राज्यों में कदाचार के पैटर्न का पता चलता है.'

खरगे ने बिरला व धनखड़ से महापुरुषों की प्रतिमाएं मूल स्थान पर लाने का किया आग्रह

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को अलग-अलग पत्र लिखकर आग्रह किया कि संसद परिसर में महात्मा गांधी, बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर और कई अन्य महापुरुषों की प्रतिमाओं को उस पुराने स्थल पर फिर से स्थापित किया जाएं जहां से हटाकर उन्हें दूसरे स्थान पर ले जाया गया है. लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति को संबोधित अपने पत्र में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय नेताओं की प्रतिमाओं को बिना किसी परामर्श के 'मनमाने ढंग से' एक अलग कोने में स्थानांतरित कर दिया गया है और यह लोकतंत्र की मूल भावना का उल्लंघन है. उनका कहना है, 'मैं सबसे पहले इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि इन मूर्तियों को मनमाने ढंग से, बिना किसी परामर्श के हटाना, हमारे लोकतंत्र की मूल भावना का उल्लंघन है. इसका उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है कि पूरे विचार-विमार्श के बाद महात्मा गांधी, बाबासाहेब आंबेडकर और अन्य राष्ट्रीय नेताओं की मूर्तियां स्थापित की गई थीं.' राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने अपने पत्र में कहा कि संसद परिसर में प्रतिमाओं के स्थान का अत्यधिक मूल्य और महत्व है. संसद परिसर में राष्ट्रीय नेताओं और सांसदों के चित्र और मूर्तियां स्थापित करने के लिए एक समर्पित समिति है, लेकिन 2019 के बाद से समिति का पुनर्गठन नहीं किया गया है. विपक्षी दल अक्सर संसद परिसर के भीतर महात्मा गांधी और आंबेडकर की मूर्तियों के सामने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते रहे हैं.

भारत में 21 लाख लोगों ने गंवाई जान

वायु प्रदूषण से 2021 में दुनिया में 81 लाख लोगों की हुई मौत

एजेंसी। नयी दिल्ली

वायु प्रदूषण के कारण वर्ष 2021 में दुनिया भर में 81 लाख लोगों की मौत हुई. बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में बताया गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत और चीन में मौत के क्रमशः 21 लाख और 23 लाख मामले दर्ज किए गए. यूनिसेफ के साथ साझेदारी में अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' (एचईआई) की रिपोर्ट में कहा गया है कि वायु प्रदूषण के कारण 2021 में भारत में पांच वर्ष से कम आयु के 1,69,400 बच्चों की मौत हुई. इसके साथ ही नाइजीरिया में 1,14,100 बच्चे, पाकिस्तान में 68,100, इथियोपिया में 31,100 और बांग्लादेश में 19,100 बच्चों की मौत वायु प्रदूषण के कारण हुई. दक्षिण एशिया में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण है. इसके बाद उच्च रक्तचाप, आहार और तम्बाकू सेवन का स्थान आता है. 2021 में वायु प्रदूषण से होने वाली मौत के मामलों की संख्या किसी भी पिछले वर्ष के अनुमान से ज़्यादा रही. भारत और चीन में मौत के मामले कुल वैश्विक मामलों के 54 प्रतिशत हैं.'

चाड की राजधानी में सैन्य आयुध भंडार में विस्फोट, नौ की मौत

- धमाके की रोशनी आसमान में दूर तक देखी गयी, 40 से ज्यादा घायल

एजेंसी। एनजमीना

चाड की राजधानी एनजमीना में एक सैन्य आयुध डिपो में विस्फोट में नौ लोगों को मौत हो गई, जबकि 40 से ज्यादा लोग घायल हो गए. एक सरकारी प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी. प्रवक्ता अब्देरमान कौलमल्लाह ने कहा कि राजधानी एनजमीना के गौडजी जिले में हुए विस्फोटों के बाद 46 लोगों का इलाज किया जा रहा है. स्थानीय मीडिया ने बताया कि विस्फोट मंगलवार मध्य रात्रि से ठीक पहले शुरू हुए और 30 मिनट से अधिक समय तक चले, जिससे आस-पास की इमारतें हिल गईं. अधिकारियों और गवाहों ने बुधवार को कहा कि चाड की राजधानी में एक सैन्य आयुध भंडार में विस्फोट और आग लगने से कई लोगों की मौत हो गई. उन्होंने कहा कि आग बुझाने तथा घायलों के उपचार के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किए गए. पश्चिमी अफ्रीकी देश में आयुध डिपो में हुए धमाके की रोशनी आसमान में दूर तक देखी गयी और उसके बाद आसपास के इलाकों में घने धुएं का गुबार छा गया. राष्ट्रपति महामत डेबी इत्नो ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में कहा कि विस्फोट के कारण लगी आग से "जानमाल का नुकसान" हुआ है. डेबी ने कहा, "पीड़ितों की आत्मा को शांति मिले, शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना."

एपी में राकांपा विधायकों ने पेमा खांडू सरकार को दिया समर्थन

एजेंसी। ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के तीन विधायकों ने बुधवार को पेमा खांडू के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की. इन विधायकों में - निख कामिनी, लिखा सोनी और टोको तातुंग - शामिल हैं, जिन्होंने यहां खांडू के कार्यालय में उनसे मुलाकात कर उन्हें अपना समर्थन पत्र सौंपा. खांडू ने उनकी प्रतिबद्धता और सहयोग के लिए उनका आभार जताया और राज्य की प्रगति को बढ़ावा देने में इस तरह के गठबंधन के महत्व को स्वीकार किया. खांडू ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "मैं अरुणाचल प्रदेश में भाजपा सरकार को बिना शर्त समर्थन देने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) के माननीय विधायक निख कामिन जी, लिखा सोनी जी और टोको तातुंग जी का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं. विधायकों ने मुलाकात के दौरान अपना समर्थन पत्र सौंपा." मुख्यमंत्री ने कहा, "आपकी प्रतिबद्धता और सहयोग की हम बहुत सराहना करते हैं. हम मिलकर अरुणाचल प्रदेश के विकास और समृद्धि के लिए काम करना जारी रखेंगे."

चिंतनीय कंपनी ने कहा- हम ग्राहकों की सभी शिकायतों की तरह इस घटना की भी जांच कर रहे हैं

अमेजन से मंगाए गए सामान के पार्सल में निकला सांप

- सामान की पैकेजिंग के लिए चिपकाने वाली टेप में चिपका हुआ था सांप
- ग्राहकों, कर्मियों व सहयोगियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : कंपनी

एजेंसी। बेंगलुरु

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के एक दंपति उस समय हैरान रह गए जब उन्होंने अमेजन से मंगाए गए सामान के पार्सल में सांप देखा. दंपत्ति ने बताया कि सामान की पैकेजिंग के लिए चिपकाने वाली टेप में सांप चिपका हुआ था. संदेह है कि यह कोबरा सांप था. उन्होंने अमेजन से ऑनलाइन ऑर्डर कर 'एक्सबॉक्स कंट्रोलर' मंगाया था. सरजापुर के रहने वाले यह दंपति आईटी पेशेवर हैं. नाम जाहिर न करने के इच्छुक इस दंपत्ति ने एक वीडियो बनाया जो सोशल मीडिया पर आया है. अमेजन इंडिया के एक प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि कंपनी इस घटना की जांच कर रही है. प्रवक्ता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'हमारे ग्राहकों, कर्मचारियों और सहयोगियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है. हम ग्राहकों को भरोसेमंद खरीदारी का अनुभव देने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं और उनके लिए चीजों को सही बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना हमारी प्रतिबद्धता है. हम ग्राहकों की सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हैं और इस घटना की भी जांच कर रहे हैं.'

दंपति ने बताया कि उन्होंने हाल ही में अमेजन से एक 'एक्सबॉक्स कंट्रोलर' ऑर्डर किया था, लेकिन उन्हें पार्सल में से एक जिंदा सांप मिला. उन्होंने एक बयान में दावा किया, 'पार्सल की डिलीवरी करने आए व्यक्ति ने हमें सीधे सामान सौंप दिया था. इसे बाहर नहीं रखा गया था. हम सरजापुर रोड पर रहते हैं और हमने पूरी घटना को कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया. हमारे पास इसके प्रत्यक्षदर्शी भी हैं. दंपति ने कहा, 'सांप संभवतः स्पेक्टेकल्ड कोबरा (नाजा नाजा) है, जो कर्नाटक में पाया जाने वाला सबसे विषैला सांप है.' दंपति ने बताया कि सांप पार्सल को बंद करने वाले टेप से चिपका हुआ था. उन्होंने बताया कि सांप ने उनके घर या अपार्टमेंट में किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया है. दंपति ने बताया कि उन्हें अपने ऑर्डर के बदले पूरा पैसा वापस मिल गया है, लेकिन उन्हें आश्चर्य है कि ''अत्यधिक विषैले सांप के साथ अपनी जान जोखिम में डालने के बदले उन्हें क्या मिला.' उन्होंने आरोप लगाया, 'यह स्पष्ट रूप से सुरक्षा उल्लंघन है जो केवल अमेजन की लापरवाही और उनके खराब परिवहन, गोदाम की स्वच्छता एवं रखरखाव में कोताही के कारण हुआ है.'

विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका, हुड्डा पर साधा था निशाना

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल की पुत्रवधु बेटी के साथ भाजपा में शामिल

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस से इस्तीफा देने के अगले ही दिन हरियाणा की वरिष्ठ नेता किरण चौधरी और उनकी बेटी श्रुति चौधरी ने बुधवार को अपने तमाम समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया. राज्य में इस साल अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इसे भाजपा के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है. यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ की मौजूदगी में दोनों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की. भाजपा में शामिल होने के बाद किरण चौधरी ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, 'अब मैं भी भगवा रंग में रंग गई हूं, लेकिन यही रंग चौधरी बंसीलाल का भी रंग था.' बड़ी संख्या में भाजपा मुख्यालय पहुंचे अपने समर्थकों को संदेश देते हुए उन्होंने कहा, 'हमने 20 साल पहले हरियाणा विकास पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया था. आज मैं आपसे आह्वान करती हूं कि आप कांग्रेस का झंडा छोड़कर भाजपा का झंडा उठा लें और हरियाणा विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार भाजपा की शानदार जीत सुनिश्चित करने के लिए आगे बढ़ते रहें.' हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल की पुत्रवधू किरण चौधरी को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा का चिर प्रतिद्वंद्वी माना जाता है. किरण और उनकी बेटी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अलग-अलग त्यागपत्र भेजे, जिसमें उन्होंने हुड्डा पर निशाना साधा.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)